सीएम विजय ने कैबिनेट में आठ... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शाहिद कपूर की अगली फिल्म... 11

वर्ष - 02, अंक - 51 | गाजियाबाद / सोमवार 25 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

मैं आयरन लेडी, लापरवाही बिल्कुल नहीं होगी बर्दाश्त

मायावती की कार्यकर्ताओं को चेतावनी, मुस्तैद रहो

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर लखनऊ में रविवार को बड़ी बैठक की। पार्टी नेताओं से सख्त लहजे में कहा- चुनाव की तैयारी में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पार्टी संगठन को और ज्यादा चुस्त-दुरुस्त और मुस्तैद रहने की जरूरत है। विरोधी दलों की हर चाल का पूरी मजबूती से जवाब

देना होगा। मायावती ने यूपी की जनता से अपील की कि बसपा और उसके आयरन लेडी नेतृत्व पर फिर से भरोसा करना होगा। विरोधी दलों की संकीर्ण और छलावापूर्ण राजनीति से बचना होगा। 5वीं बार बसपा की सरकार बनानी होगी। बैठक में बूथ स्तर से लेकर जिला, विधानसभा और प्रदेश स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने अपनी-अपनी रिपोर्ट पेश की।

धन्नासेठों के पक्ष में बनी नीतियों से जनता को नुकसान हो रहा

मायावती ने कहा- देश के मौजूदा राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक हालात ठीक नहीं हैं। बड़े-बड़े पूंजीपतियों और धन्नासेठों के पक्ष में बनी नीतियों से आम लोगों को नुकसान हो रहा है। सरकारों को अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। जनता के कल्याण पर ध्यान देना चाहिए।

मोदी सरकार में पहली बार हुआ मंत्रियों का रिव्यू

- 'संतोषजनक' रेटिंग के बाद हरकत में आए मिनिस्टर्स

फाइलें लंबित न रहें और शिकायतें सुलझनी चाहिए

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डिजिटल प्लेटफॉर्म, डेटा शेयरिंग, डेटा-बेस्ड डिसीजन लेने और मंत्रालयों के बीच सहयोग जैसे अन्य क्षेत्रों ने भी सरकार की रिपोर्ट कार्ड प्रक्रिया में भूमिका निभाई। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने मंत्रालयों से कहा है कि फाइलें लंबित नहीं रहनी चाहिए और शिकायतें भी अनसुलझी नहीं रहनी चाहिए। पीएम मोदी ने मंत्रालयों को विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने का निर्देश दिया है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रालयों का रिव्यू किया गया, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर कई मंत्रालयों को संतोषजनक श्रेणी में रखा गया है। इस मूल्यांकन का खास महत्व है क्योंकि सरकार की ओर से जब भी कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा तो मंत्रालयों का यही रिपोर्ट कार्ड निर्णायक साबित होगा। एनडीटीवी के मुताबिक, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बैठक की, जिसमें कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन ने सरकार के सभी मंत्रालयों के कामकाज पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। मंत्रालय को मूल्यांकन का मुख्य पैमाना मंत्रियों की ओर से शिकायत का निवारण और फाइलों के निपटारे दिखाई गई फुर्ती थी।

- मुंबई में भोपाल-इंदौर की जरूरत से ज्यादा पानी बर्बाद; इंदौर में 65 फीसदी पानी लीकेज

देश के बड़े शहरों में 25-60 फीसदी तक की पानी बर्बादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के लगभग सभी बड़े शहरों में 25-60 फीसदी तक पानी बर्बाद हो रहा है। या तो पेयजल लाइनों में बड़े लीकेज हैं या फिर पाइपलाइन में अवैध कनेक्शन जोड़ लिए गए हैं। हालात ये हैं कि मुंबई को रोज लगभग 3,850 एमएलडी (मिलियन लीटर रोज) पानी सप्लाई होता है। इसमें से करीब 30 फीसदी लीकेज माना जाता है। रोज लगभग 1000 एमलडी पानी पाइपलाइन लीकेज व अन्य तरह से बेकार जा रहा है। ये बर्बाद पानी इंदौर-भोपाल की कुल रोजाना जरूरत से भी ज्यादा है। इन दोनों शहरों को रोज 900 एमएलडी ही पानी चाहिए। स्मार्ट सिटी और अमृत 2.0 जैसी परियोजनाओं के तहत

2016 में शहरी निकायों ने सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (एससीएडीए) प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसके तहत लीकेज और चोरी वाले नॉन रिवेन्यू वाटर (एनआरडब्ल्यू) को घटाकर 20 फीसदी पर लाने का लक्ष्य था। इस प्रोजेक्ट के तहत पिछले 10 साल में करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, फिर भी हालात नहीं बदले। भोपाल-इंदौर जैसे शहरों में पानी का लीकेज 35-65 फीसदी तक है। भोपाल ने पेयजल लीकेज 16 फीसदी करने का दावा किया था।

देश में पानी पर कहां-कितना खर्च

इंदौर में जलूद से नर्मदा जल 70 किमी दूर शहर तक लाने और इसे 600 मीटर की ऊंचाई तक पंप करने पर प्रति हजार लीटर 29 रु. खर्च आता है। इसमें हर माह बिजली बिल ही 25 करोड़ का है। 65 फीसदी पानी की बर्बादी के हिसाब से 15 करोड़ का नुकसान हो रहा है। मुंबई में 16,092 करोड़ खर्च करके जो पानी पहुंचाया जा रहा है, उसमें से करीब 4,500 करोड़ लीकेज और चोरी के कारण बर्बाद हो रहा है। बेंगलुरु में पानी सप्लाई का सालाना खर्च 10 हजार करोड़ रु. है। लीकेज 35 फीसदी है। मतलब 3,500 करोड़ की बर्बादी। देश के प्रमुख 166 जलाशयों में 33 फीसदी ही पानी है। पर शहर में रोजाना जरूरत बढ़ चुकी है।

विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे राहुल गांधी

बीजेपी ने कहा-मोदी सरकार गिराना चाहती है कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर देश में अराजकता पैदा कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को अस्थिर करने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे हैं। बीजेपी सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि गांधी की 'साजिश' तब उजागर हो गई, जब उन्होंने मंगलवार को कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में कथित तौर पर कहा कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी।

विदेशी एजेंडा चलाने का लगाया आरोप

पात्रा ने एक वीडियो संदेश में कहा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर दुस्साहस दिखाया है। उन्होंने कल एक बैठक में कहा कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी। राहुल गांधी दंगे भड़काकर और अराजकता के जरिये (मोदी) सरकार को गिराने की कोशिश कर रहे हैं।

पुतिन के 'ब्रह्मास्त्र' से दहल गई यूक्रेन की राजधानी

रूस ने चलाई परमाणु हमला करने में सक्षम ओरेशनिक मिसाइल

कीव (एजेंसी)। रूस ने शनिवार और रविवार की दरमियानी रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों और ड्रोन से भीषण हमला किया है। स्थानीय अधिकारियों ने शुरुआती आंकड़ों में बताया है कि कम से कम 4 लोग मारे गए हैं, जबकि 80 से ज्यादा घायल हुए हैं। रात पर कीव में हवाई हमले के सायरन बजते रहे और हमलों से पूरी राजधानी में धुआं उठता दिखा।

रूस पर हमले का लिया बदला

रूस ने यूक्रेन के ड्रोन हमले के जवाब में शनिवार और रविवार की रात कीव पर कार्रवाई शुरू की। इस दौरान कीव के ऊपर मिसाइलों और ड्रोन की बौछार कर दी, जिससे शहर के मध्य में स्थित सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारतें प्रभावित हुईं।

रक्षा उत्पादन में निजी कंपनियों की और बढ़ेगी हिस्सेदारी

राजनाथ सिंह का बड़ा ऐलान, कहा-इसे 50 प्रतिशत तक करेंगे

अहिल्यानगर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के शिर्डी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एनआईबीई ग्रुप की रक्षा उत्पादन इकाई का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जो भारत कभी हथियारों का आयातक माना जाता था, उसे अगले 25-30 वर्षों में दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बनने से अब कोई ताकत नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि सरकार रक्षा उत्पादन में निजी कंपनियों की हिस्सेदारी 50 फीसदी तक बढ़ाना चाहती है। राजनाथ सिंह ने महाराष्ट्र

के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ पूरी फैक्ट्री का निरीक्षण किया और भारत के पहले 300 किलोमीटर रेंज वाले यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम 'सूर्यास्त्र' को हरी झंडी दिखाई। बाद में दोनों नेताओं ने शिर्डी साईं बाबा मंदिर में दर्शन भी किए।

200 एकड़ में बना कॉम्प्लेक्स, 2 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा

NIBE ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक गणेश निबे के मुताबिक, शिर्डी की यह यूनिट 200 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है। इससे करीब 2,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है और क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा। यहां तैयार रक्षा उपकरणों का निर्यात दूसरे देशों में किया जाएगा। अहिल्यानगर जिले में स्थित यह इकाई आर्टिलरी बम शेल का निर्माण करेगी और एयरोस्पेस क्षेत्र को भी सहयोग देगी।

बांग्लादेशी घुसपैठियों व रोहिंग्याओं की होगी मुश्किल!

पश्चिम बंगाल में डिपोर्टेशन के लिए बनेंगे होल्डिंग सेंटर

शुभेंदु सरकार का बड़ा ऐलान, सभी डीएम को दिया आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार ने अवैध घुसपैठ पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रदेश सरकार ने सभी जिला प्रशासनों को निर्देश दिया है कि अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों को पकड़ने के बाद उन्हें होल्डिंग सेंटर में रखा जाए और फिर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंपा जाए। इससे पहले मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि राज्य में कोई स्थायी 'डिटेंशन कैंप' नहीं बनाए जा रहे हैं, बल्कि निर्वासन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए अस्थायी हिरासत केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा रुख बिल्कुल साफ है- पहचान करो, सूची से हटाओ और बाहर निकालो।

पता लगाओ, हटाओ और निर्वासित करो नीति

सरकार के आधिकारिक निर्देश के अनुसार, 31 दिसंबर 2024 के बाद भारत में घुसे अवैध बांग्लादेशी या रोहिंग्या अप्रवासियों की पहचान होने पर उन्हें निर्वासन तक होल्डिंग सेंटर में रखा जाएगा। जिलाधिकारियों को तत्काल ऐसे केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने बंग भवन में मीडिया से बातचीत में कहा कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के विपरीत, वर्तमान भाजपा सरकार घुसपैठियों को कोई शरण, आर्थिक मदद, आवास, स्वास्थ्य सुविधा या कानूनी सहायता नहीं देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में अवैध अप्रवासन पर केंद्रीय कानूनों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

केंद्रीय अधिसूचना के अनुरूप कार्रवाई

बताया जा रहा है कि यह निर्देश केंद्रीय गृह मंत्रालय की 2 मई 2025 की अधिसूचना के आधार पर जारी किया गया है। सुधार गृहों से रिहा विदेशी नागरिकों को भी आगे की कार्रवाई तक होल्डिंग सेंटर में रखा जाएगा। दोषी पाए गए घुसपैठियों को सीधे बीएसएफ के हवाले कर दिया जाएगा। बीएसएफ बाद में इनकी निर्वासन प्रक्रिया पूरी करेगा। वहीं, सरकार ने स्पष्ट किया है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत आने वाले और 31 दिसंबर 2024 से पहले राज्य में प्रवेश कर चुके व्यक्तियों को कानूनी नागरिकता देने पर विचार किया जाएगा। हालांकि, इस दायरे से बाहर पड़ोसी देशों से अवैध रूप से आए लोगों पर निर्वासन की कार्रवाई होगी। वहीं, सरकार के इस फैसले से पूरे प्रदेश में आव्रजन, नागरिकता और मानवाधिकारों को लेकर तीखी राजनीतिक व कानूनी बहस शुरू होने की आशंका है। विपक्षी दलों ने पहले ही इस नीति पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। बता दें कि चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था, जिसे अब भाजपा सरकार अमल में ला रही है।

आतंक के मुद्दे पर भारत को मिला यूएस का साथ

- जयशंकर और रुबियो की बैठक से पाकिस्तान को मिला सख्त मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच शनिवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी बताते हुए रक्षा, व्यापार, ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियों पर सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री के रूप में मार्को रुबियो की यह पहली भारत यात्रा है। साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों नेताओं ने आतंकवाद और मिडिल के मौजूदा संकट सहित कई वैश्विक मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। बैठक के बाद

मीडिया को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों के बीच सहयोग को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के हित समान हैं, लेकिन चुनौतियां भी साझा हैं। इनमें सबसे बड़ी साझा चुनौती आतंकवाद है। इस मामले में हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है। हम इस क्षेत्र में दोनों देशों की संबंधित एजेंसियों के बीच मजबूत सहयोग की सराहना करते हैं। भू-राजनीतिक तनाव के बीच दोनों नेताओं की बातचीत का एक बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया (मिस्र, इजरायल आदि) और खाड़ी देशों के घटनाक्रमों पर केंद्रित रहा। जयशंकर ने संकेत दिया कि दोनों पक्षों ने दूतावास में पश्चिम एशिया के परिप्रेक्ष्य पर चर्चा की और दोपहर के भोजन के दौरान खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर विस्तार से बात की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका, ईरान और अन्य क्षेत्रीय देशों के बीच पर्दे के पीछे बड़ी कूटनीतिक हलचल चल रही है।

अमेरिका-ईरान वार्ता पर रुबियो का बड़ा बयान

अपनी भारत यात्रा के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान से जुड़ी कूटनीतिक कोशिशों पर संवाददाताओं से बात की। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका का रुख साफ है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए। रुबियो ने खुलासा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत में कुछ प्रगति हुई है और आने वाले दिनों में कुछ बड़े घटनाक्रम देखने को मिल सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बिना किसी टोल या टैक्स के अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए खुला रहना चाहिए। दोनों देशों ने माना कि भारत-अमेरिका के संबंध अब किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ता है। एस. जयशंकर ने कहा, हमारी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का सीधा सा मतलब यह है कि हमारा सहयोग बेहद गहरा और व्यापक है। यह एक ऐसा रिश्ता है जो दुनिया के अन्य क्षेत्रों को भी प्रभावित करता है। कई मुद्दों पर हमारे हित एक जैसे हैं। भले ही यह दौर जटिलताओं से भरा है, लेकिन मजबूत साझेदार के रूप में मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी चर्चाएं बेहद उपयोगी रहेंगी।

ईरान की धमकी, संवर्धित यूरेनियम किसी को नहीं देंगे

- डील फाइनल होने की चर्चा के बीच दिखाए तेवर, परमाणु मुद्दे पर झुकने से इनकार

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को सौंपने से इनकार कर दिया है। ईरान ने कहा है कि उसका परमाणु मुद्दा अमेरिका के साथ प्रारंभिक समझौते में शामिल नहीं है। ईरान की ओर से रविवार को यह दावा ऐसे समय सामने आया है, जब कुछ घंटे पहले ही अमेरिकी मीडिया में दावा किया गया था कि तेहरान अपना हाईली एनरिच्ड यूरेनियम स्टॉक अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है। रॉयटर्स ने एक वरिष्ठ ईरानी सूत्र के हवाले से बताया है कि तेहरान ने अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को सौंपने पर सहमति नहीं दी है। सूत्र ने कहा कि ईरान का परमाणु मुद्दा, अमेरिका के साथ हुए शुरुआती समझौते का हिस्सा नहीं था। परमाणु मुद्दे पर अंतिम समझौते के लिए होने वाली बातचीत में चर्चा की जाएगी। यह मौजूदा सौदे का हिस्सा नहीं है।

10 साल पुराने तिहरे हत्याकांड में 19 आरोपियों को उम्रकैद, परिवार को मिला न्याय

नबरंगपुर (एजेंसी)। ओडिशा के नबरंगपुर जिले में 2016 के चर्चित तिहरे हत्याकांड और आगजनी मामले में कोर्ट ने 19 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला करीब 10 साल पुराना है, जिसने उस समय पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान हत्या, आपराधिक साजिश और सबूत मिटाने जैसे गंभीर आरोपों को साबित मानते हुए सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि उन्हें न्याय मिल गया। जानकारी के मुताबिक साल 2016 में गांव में हिंसक झड़प के दौरान तीन लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद इलाके में आगजनी भी की थी ताकि सबूत नष्ट कर सकें। पुलिस जांच में सामने आया था कि पुरानी रंजिश और अंधविश्वास इस घटना की मुख्य वजह थे। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा था। पुलिस ने जांच में कई लोगों को गिरफ्तार किया और बाद में उनके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। मामले की सुनवाई लंबे समय तक चली, जिसमें अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शियों और फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मजबूत दलीलें पेश कीं। कोर्ट ने माना कि दोषियों ने सुनियोजित तरीके से अपराध को अंजाम दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपों को खारिज करने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त माना। फैसले के दौरान कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, क्योंकि मामला काफी संवेदनशील था। कोर्ट के फैसले को राज्य में कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया के लिहाज से अहम माना जा रहा है। लोगों का कहना है कि इतने सालों बाद आए इस फैसले से पीड़ित परिवार को राहत मिली है।

गढ़चिरौली के जंगल में छिपी हथियार फैक्ट्री मिली, आठ माओवादी गिरफ्तार

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने जंगल में छिपाई माओवादियों की हथियार बनाने और स्टोर करने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यह कार्रवाई ऑपरेशन अंतिम प्रहार के तहत की गई, जो सरेंडर कर चुके माओवादियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई। सर्च ऑपरेशन में पुलिस को लेथ मशीन, पाइप, जनरेटर, बैटरी, ड्रिलिंग मशीन, सोलर पैनल और विस्फोटक सामग्री बनाने के उपकरण मिले। सुरक्षा बलों ने मौके पर ही सभी सामान को नष्ट कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान एके-47, इंसास, एसएलआर समेत 51 हथियार, भारी मात्रा में गोला-बारूद, डेटोनेटर और 65 लाख रुपए से ज्यादा नकदी बरामद हुई। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई के बाद जिले में वांटेड माओवादियों की सूची लगभग खत्म हो गई है। गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ ने इस अभियान में आठ माओवादियों को गिरफ्तार किया और पांच सीनियर कैडर ने सरेंडर किया। गिरफ्तार लोगों में कई बड़े माओवादी नेता शामिल हैं।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद शिफ्टिंग पर निर्णायक मंथन तेज

- 136 साल पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद को हटाने या स्थानांतरित करने पर चर्चा जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बदलते राजनीतिक माहौल के बीच कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनैशनल एयरपोर्ट परिसर में स्थित 136 साल पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद को हटाने या स्थानांतरित करने का मामला फिर से गरमा गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी, जिला प्रशासन और मस्जिद कमेटी के बीच लगातार हो रही बैठकों के बाद बकरीद के बाद इस पर कोई बड़ा और निर्णायक फैसला आने की संभावना है। यह घटनाक्रम सिर्फ एक धार्मिक स्थल या हवाईअड्डे के विस्तार का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसे बंगाल की बदलती राजनीति का एक महत्वपूर्ण संकेत भी माना जा रहा है, जहां वर्षों से लंबित संवेदनशील मामलों को अब गति मिल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह मस्जिद एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल से लगभग 150 मीटर अंदर और सेकेंडरी रनवे से मात्र 165 मीटर की दूरी पर स्थित है। इस निकटता के कारण सेकेंडरी रनवे का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है, जो हवाईअड्डे की सुरक्षा और परिचालन क्षमता के लिए एक चुनौती है। भाजपा लंबे समय से सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को प्राथमिकता देती रही है और अब राज्य एवं केंद्र की सोच में तालमेल दिखने से ऐसे कई पुराने और विवादित प्रोजेक्ट्स को गति मिल सकती है।

तकनीकी खराबी के बाद प्रशिक्षण विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

अलीगढ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में रविवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा टल गया, जब प्रशिक्षण उड़ान पर निकले एक विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। स्थिति गंभीर होते देख पायलटों ने जलाली क्षेत्र के पास विमान की आपातकालीन लैंडिंग कराई। जानकारी के अनुसार धनीपुर एयरपोर्ट से पायनियर कंपनी का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर रवाना हुआ था। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान में तकनीकी समस्या आ गई। सुबह करीब 11 बजे पायलटों ने सूझबूझ और सतर्कता दिखाते हुए विमान को सुरक्षित नीचे उतार लिया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार दोनों पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बारामूला में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, आतंकी ठिकाने से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक छिपे ठिकाने का पर्दाफाश किया है। इसी के साथ ही बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया है। यह कार्रवाई निलसर कांडी इलाके में संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान की गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार बारामूला पुलिस, 52 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान सुरक्षाबलों को 14 राउंड ओजी-7वी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अमुनिशन तथा 09 राउंड पीजी-7पी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अमुनिशन बरामद हुए। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामग्री की जांच कर रही हैं।

कांग्रेस गांधीवादी मूल्यों के बजाय गालियों वाली पार्टी बन गई है: पूनावाला

-मुसलमान के साथ अन्याय वाले राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी के मुस्लिम नेताओं से बैठक में एक ऐसी बात कह दी, जिसे लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। उन्होंने मुस्लिम नेताओं को अपने समुदाय से जुड़े मुद्दों को मुखरता से उठाने और उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में राहुल गांधी ने कहा, कि अगर किसी मुसलमान के साथ अन्याय होता है तो उन्हें केवल 'अल्पसंख्यक' समूह के सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि विशेष रूप से एक 'मुसलमान' के रूप में अपनी आवाज उठानी चाहिए। इसी के साथ राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक में इस बात पर भी जोर दिया कि अगर दलितों, ओबीसी या सामान्य वर्ग के सदस्यों पर हमले होते हैं तो उस विशिष्ट समुदाय की स्पष्ट रूप से पहचान करके इस मुद्दे को उठाया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने जिस तरह से मुसलमानों के संदर्भ अपनी बात रखी उस पर राजनीति गरमा गई। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला।

पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी के इस कमेंट से कांग्रेस और उनके नेता के माइंडसेट का पता चलता है। इससे ये भी साफ होता है कि कांग्रेस मुस्लिमों की पार्टी है। बीजेपी नेता ने कहा कि हिंदू को दो गाली, मुस्लिम की लो ताली, ये है वोट बैंक की कांग्रेस की प्रणाली। उन्होंने अपनी बात रखते हुए केरल के नए सीएम सतीशन का भी जिक्र किया। बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने आगे कहा कि कांग्रेस गांधीवादी मूल्यों के बजाय गालियों वाली पार्टी बन गई है। राहुल गांधी ने हाल ही में पीएम मोदी को गद्दार कहा था, जिसके बाद उनके करीबी सहयोगी अजय राय ने कथित तौर पर पीएम मोदी के खिलाफ गलत भाषा का इस्तेमाल किया। बाद में उन्होंने दावा किया कि ऐसा एआई या अन्य कारणों से हुआ था। उनके पिछले रिकॉर्ड को देखें, तो वह गलत भाषा से भरा हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ 150 से ज्यादा गलत टिप्पणियां की हैं, क्योंकि वह ओबीसी और गरीब पृष्ठभूमि से आते हैं। इसी वजह से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

भारत-ओमान सेना प्रशिक्षण से रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मिलेगी और मजबूती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ओमान ने ओमान के सुल्तान के सशस्त्र बलों के कर्मियों के लिए दो भारतीय मोबाइल प्रशिक्षण टीमों द्वारा आयोजित एक विशेष सैन्य प्रशिक्षण पहल के जरिए अपनी बढ़ती रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मजबूत किया। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच आयोजित इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नेतृत्व एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के अधिकारियों ने भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के कर्मियों के साथ मिलकर किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य परिचालन समन्वय और संयुक्त रसद तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करना था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एकीकृत रक्षा स्टाफ के मुख्यालय ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा- भारत-ओमान रक्षा सहयोग को सुदृढ़ बनाना भारतीय रक्षा मुख्यालय और तीनों सेनाओं के अधिकारियों से युक्त दो भारतीय मोबाइल प्रशिक्षण दल ने ओमान के सुल्तान की सशस्त्र सेना के कर्मियों के लिए सफलतापूर्वक प्रशिक्षण आयोजित किया। ओमान की शाही सेना, शाही नौसेना, शाही वायु सेना और रक्षा मंत्रालय के करीब 110 अधिकारियों ने परिचालन और संयुक्त रसद प्रशिक्षण में भाग लिया, जिससे अंतर-संचालनीयता और भारत-ओमान रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ किया। यह घटनाक्रम विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा 18 मई को ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बदर बिन हमद अल बुसैदी से हुई टेलीफोन पर बातचीत के कुछ दिनों बाद सामने आया है। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया संकट से संबंधित हालिया घटनाक्रमों के साथ-साथ भारत और ओमान के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर बात की थी।

केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़: 11 घंटे का लंबा इंतजार और दर्शन सिर्फ डेढ़-दो सेकंड के

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम में इस समय रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भारी भीड़ के कारण भक्तों को दर्शन के लिए 10 से 11 घंटे तक लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है। कड़ाके की ठंड और भीड़ के दबाव के बीच श्रद्धालुओं को गर्भगृह में केवल डेढ़ से दो सेकंड तक ही रुकने का अवसर मिल पा रहा है।

जानकारी अनुसार हर दिन करीब 25 हजार से 30 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने से प्रशासन और मंदिर समिति के सामने व्यवस्थाएं संभालना बड़ी चुनौती बन गया है। भीड़ के चलते गुप्तकाशी से सोनप्रयाग तक 27 किलोमीटर के रास्ते पर लगातार जाम की स्थिति बनी हुई है। श्रद्धालुओं को यह दूरी तय करने में 5 से 6 घंटे तक का समय लग रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई स्थानों पर बैरिकेडिंग और ट्रैफिक नियंत्रण व्यवस्था लागू की है, लेकिन यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ने से दबाव बना हुआ है।

दर्शन का समय बढ़ाकर 22 घंटे किया

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाकर लगभग 22 घंटे कर दिया है। भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए टोकन व्यवस्था भी लागू की गई है, हालांकि कई बार यात्रियों की अनियंत्रित संख्या के कारण यह व्यवस्था प्रभावी साबित नहीं हो पा रही है।

श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सुझाव

श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर जाने से पहले उत्तराखंड पर्यटन विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अवश्य ही करवाएं। जो यात्री लंबी पैदल यात्रा या भीड़ से बचना चाहते हैं, वे आईआरसीटीसी की हेलीयात्रा सेवा के माध्यम से हेलीकॉप्टर टिकट बुक कर सकते हैं। इसी के साथ ही श्रद्धालु विशेष पूजा या वीआईपी दर्शन सुविधा का लाभ भी ले सकते हैं, जिससे लंबी कतारों से बचने में मदद मिल सकती है। मंदिर प्रशासन के अनुसार तड़के सुबह या दोपहर में कपाट बंद होने के बाद शाम के समय दर्शन के लिए अपेक्षाकृत कम भीड़ रहती है। ऐसे समय में श्रद्धालुओं को अधिक सुविधा मिल सकती है।

देश में बीजेपी के उभरने की असली वजह कांग्रेस की कमजोरियां हैं: उदयनिधि

– कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए, हमारे से उन्होंने धोखा किया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर हमला बोला। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस ने सीएम सी जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार को अपना समर्थन दिया। उदयनिधि ने पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा कि डीएमके को कांग्रेस पर दोबारा कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके कार्यकर्ताओं की मेहनत और एमके स्टालिन के नेतृत्व की वजह से सीटें जीतने के बावजूद कांग्रेस नेताओं में बुनियादी अहसानमंदी और शिष्टाचार की कमी है।

उदयनिधि ने धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के पांच विधायकों की जीत डीएमके कार्यकर्ताओं की वजह से हुई। जनता ने उन्हें इसलिए वोट दिया क्योंकि वे एमके स्टालिन को सीएम बनाना चाहते थे, लेकिन आज कुछ पदों के लालच में वे हमें बिना बताए ही भाग गए। हमें कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। तमिलनाडु की जनता बहुत जल्द उन्हें करारा जवाब देगी।

उन्होंने पूरे देश में बीजेपी के आगे बढ़ने के लिए भी कांग्रेस को ही जिम्मेदार ठहराया। उदयनिधि ने कहा कि पहले मुझे लगता था कि देश में बीजेपी की जीत की वजह पीएम मोदी और शाह हैं। लेकिन अब यह साफ हो गया है कि भारत में बीजेपी के उभरने की असली वजह कांग्रेस की कमजोरियां हैं। हमारे नेता एमके स्टालिन ने पिछले चुनावों में कांग्रेस को अपने कंधों पर उठाया था, लेकिन उन्होंने हमारे साथ धोखा किया। यह बयान डीएमके और कांग्रेस के बीच लगातार बढ़ रही कड़वाहट दिखाता है। डीएमके बैठक में कुछ प्रस्ताव भी पास किए गए, जिनमें कांग्रेस को पीठ में छुरा घोंपने वाला और सहयोगियों की मेहनत पर पलने वाला जोंक बताया गया। इसके साथ ही, उदयनिधि ने अपनी पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे नए और पहली बार वोट देने वाले युवाओं के बीच जाकर उन्हें राजनीति के प्रति जागरूक करें।

वहीं दूसरी ओर डीएमके अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया है कि टीवीके सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी। स्टालिन ने कहा कि उनके पास कुल 120 विधायकों का ही समर्थन है। अपनी संख्या बढ़ाने के लिए उन्होंने एआईएडीएमके को तोड़ने की कोशिश की लेकिन वे नाकाम रहे। उनकी हालत आज दीवार पर बैठी बिल्ली जैसी है। यह सरकार किसी भी दिन गिर जाएगी। एमके स्टालिन ने उन वामपंथी और अन्य क्षेत्रीय दलों की भी आलोचना की, जो पहले सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे थे लेकिन अब मंत्रिमंडल में शामिल हो गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जैसे बच्चे कुछ ही दिनों में नए खिलौनों से ऊब जाते हैं, वैसे ही तमिलनाडु के लोग भी इस अभिनेता के शासन से ऊब जाएंगे। तब वे दोबारा हमारे पास वैसे ही लौटेंगे, जैसे बच्चे अपनी मां के पास लौटते हैं।

तमिलनाडु में 3246 बदमाश हिरासत में, 419 ड्रग तस्कर गिरफ्तार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु पुलिस ने 3246 बदमाशों को हिरासत में लिया और 419 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पिछले तीन दिनों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने 15,349 लोगों की जांच की। इनमें 12,650 हिस्ट्रीशीटर और 2,699 गैर-हिस्ट्रीशीटर शामिल थे। इनमें 844 लोगों को कई कानूनी धाराओं के तहत ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा गया। तमिलनाडु के सीएम पद की शपथ लेने के 48 घंटे के अंदर विजय ने चार बड़े फैसले लिए थे। इनमें तमिलनाडु के हर जिले में करीब 65 एंटी-ड्रग टास्क फोर्स बनाने का फैसला शामिल था।

पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह अभियान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाया गया। तमिलनाडु सरकार के निर्देश पर पुलिस राज्य में शांति और लोगों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए काम कर रही है। पुलिस बदमाशी, ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम विजय ने कैबिनेट में 8 दलित विधायकों को शामिल कर बनाया रिकॉर्ड

-यह तमिलनाडु की राजनीति में प्रतिनिधित्व पर आधारित नए युग की शुरुआत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके को सत्ता से हटाकर टीवीके ने सबको हैरान कर दिया। थलपति विजय ने जब से सीएम पद की शपथ ली, तब से वह लगातार चर्चा में हैं। अब उनके कैबिनेट विस्तार की चर्चा हो रही है। यह चर्चा है कैबिनेट में अनुसूचित जाति के मंत्रियों की संख्या को लेकर है। तमिलनाडु के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी कैबिनेट है। यह बढ़ोतरी, विजय के कार्यकाल के पहले साल में उनके बढ़ते जनादेश को दर्शाती है। इसके साथ ही कैबिनेट में सबसे ज्यादा एससी मंत्रियों को शामिल करने का एक और रिकॉर्ड दर्ज हुआ है।

थलपति विजय की कैबिनेट में अनुसूचित जाति के 8 विधायक शामिल हैं। विजय की कैबिनेट को ऐतिहासिक कहा जा रहा है। सरकार के दृष्टिकोण से 23 नए मंत्रियों को शामिल करना, सामाजिक समावेश और संतुलित प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। जानकारों का मानना है कि तमिलनाडु की पिछली कैबिनेट की तुलना में यह एक बड़ा बदलाव है, खासकर जब अनुसूचित जाति के प्रतिनिधित्व की बात आती है। कैबिनेट का हालिया विस्तार जाति संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सहयोगी दलों को जगह देने और युवा प्रतिभाओं को शामिल करने का एक बेहतरीन मेल है। सीएम विजय समेत 35 सदस्यों तक पहुंचने के साथ, मंत्रिपरिषद की संख्या में अब बढ़ोतरी हुई है।

विजय की कैबिनेट में शामिल 8 अनुसूचित जाति के विधायक हैं जिनमें एस कमाली, वी गांधीराज, पी मथन राजा, डी लोगेश तमिलसेल्वन, के थेन्नारासु, पी विश्वनाथन, ए राजमोहन, वन्नी अरसु इनमें अनुभवी विधायकों के साथ-साथ राजनीति में अपेक्षाकृत नए चेहरे भी शामिल हैं, और यह महत्वपूर्ण मंत्रालयों में एससी प्रतिनिधित्व के लिए एक अच्छा संकेत है। 22 मई को मंत्रियों को शामिल करने के बीच ए एम शाहजहां (आईयूएमएल) और वन्नी अरसु (वीसीके) ने चेन्नई के राजभवन में मंत्री पद की शपथ ली। पापनासम सीट से आने वाले शाहजहां को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सौंपा गया है। वे एक समाज सेवक और एक चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भी हैं। वे लंबे समय से तंजावुर में शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

विजय कैबिनेट के गठन में कांग्रेस, आईयूएमएल और वीसीके नेताओं के अलावा एससी नेताओं का चयन, सहयोगी दलों और सामाजिक पहुंच के ज़रिए राजनीतिक एकीकरण का एक संकेत है। चार सहयोगी दलों की भागीदारी के साथ, सरकार एक व्यापक मोर्चा बनाने का प्रयास कर रही है। यह फेरबदल महज प्रशासनिक नहीं है। यह तमिलनाडु की राजनीति में प्रतिनिधित्व पर आधारित एक नए युग की ओर इशारा करता है। शासन-प्रशासन में एससी और हाशिए पर पड़े समुदायों को अब और ज्यादा प्रतिनिधित्व और पहचान मिलेगी।

बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम के गठन की कवायद तेज

-यूपी समेत कई राज्यों की टीम व अध्यक्षों को लेकर जल्द हो सकता है फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम के गठन की कवायद तेज हो गई है। संगठन से सीधे जुड़े पदों के लिए पार्टी के बड़े नेताओं और आरएसएस के नेताओं के बीच संवाद हो रहा है। संकेत मिले हैं कि केंद्रीय टीम के साथ उत्तर प्रदेश व अन्य कुछ राज्यों की टीम व कुछ प्रदेशों के अध्यक्षों को लेकर भी जल्द फैसला हो सकता है। अगले माह से पार्टी आने वाले चुनावों को लेकर तैयारी भी शुरू कर देगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने इस साल 20 जनवरी को अपना कार्यभार संभाला था। तब से अब चार माह हो चुके है, लेकिन नए केंद्रीय पदाधिकारियों को लेकर इंतजार बना हुआ है। पांच राज्यों में विधानसभाओं चुनाव के चलते इसमें देरी हुई, लेकिन अब पार्टी जल्द इस काम को पूरा करना चाहती है, ताकि उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों को तेज किया जा सके। अभी उत्तर प्रदेश की टीम पर मुहर नहीं लगी है इसलिए वहां पर काफी उहापोह है।

प्रदेश बीजेपी की नई टीम का खाका लगभग तैयार हो चुका है। दिल्ली में इसे अंतिम रूप देने की कवायद चल रही है। माना जा रहा है कि जल्द इस पर फाइनल बैठक हो सकती है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन के दिल्ली से बाहर होने के चलते अंतिम मुहर नहीं लग सकी है। इसका ऐलान 25 मई के बाद हो सकता है। सबसे ज्यादा कशमकश क्षेत्रीय अध्यक्षों को लेकर है। तमाम दावेदार भी दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। वहीं विधानसभा चुनाव में टिकट की दावेदारी करने वाले कुछ चेहरे प्रदेश टीम से बाहर हो सकते हैं। कुछ मौजूदा प्रदेश महामंत्रियों की भूमिका बदलना भी तय माना जा रहा है। बीजेपी के राज्य मुख्यालय पर इन दिनों सन्नाटा है। यूपी के भाजपाई दिल्ली की ओर टकटकी लगाए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नई टीम के गठन की कवायद में जुटी है। कुछ पदाधिकारियों का टीम से बाहर होना तय माना जा रहा है। कुछ ऐसे चेहरे शामिल हैं जिन्हें या तो पार्टी चुनाव लड़ाने का मन बना रही है या फिर वे खुद टिकट के लिए ताल ठोंक रहे हैं। नितिन नबीन ने कहा है कि पार्टी की यात्रा सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा की है। पार्टी की यात्रा केवल एक राजनीतिक दल के विस्तार की कहानी नहीं है, यह राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, सेवा, संघर्ष और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प की ऐतिहासिक यात्रा है। बीजेपी की शक्ति हमारी राष्ट्रवादी विचारधार और समर्पित कार्यकर्ता है। शनिवार को अपने जन्मदिन के मौके पर पटना में आयोजित प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए बीजेपी अध्यक्ष नबीन ने कहा कि 1951 में स्थापित भारतीय जनसंघ से लेकर बीजेपी तक की यात्रा संघ और कार्यकर्ताओं की तपस्या का परिणाम है।

मेलोडी महज टॉफी नहीं बल्कि चीन के लिए रचा गया चक्रव्यूह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया जब 'मेलोडी' (पीएम मोदी और जॉर्जिया मेलोनी) के मीम्स और सोशल मीडिया रील्स के शोर-शराबे में डूबी हुई थी, ठीक उसी वक्त पर्दे के पीछे एक बड़ा कूटनीतिक खेल खेला जा चुका था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इटली दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिन्होंने चीन की घेराबंदी पूरी तरह सेट कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम से बीजिंग को बड़ा झटका लगा है, जिसकी शुरुआत कुछ समय पहले द ग्रेट इटली डिवोर्स से हुई थी। कुछ साल पहले इटली, चीन के महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव में शामिल होने वाला एकमात्र जी-7 देश बना था। हालांकि, जॉर्जिया मेलोनी ने सत्ता में आते ही चीन के इस कर्ज के जाल को पहचान लिया और इटली को आधिकारिक तौर पर इससे बाहर निकाल लिया। चीन को ठेंगा दिखाने के बाद इटली को एशिया में एक मजबूत और भरोसेमंद आर्थिक साझेदार की तलाश थी, जो चीन की जगह ले सके। यहीं पर न्यू इंडिया की एंट्री हुई। मोदी और मेलोनी की शानदार केमिस्ट्री दरअसल दुनिया को एक सीधा संदेश है कि इटली अब अपनी पूरी एशियाई रणनीति को बीजिंग से हटाकर नई दिल्ली पर शिफ्ट कर रहा है।

वैश्विक व्यापार के नक्शे पर नजर डालें तो भारत के लिए इटली की भौगोलिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है। भारत जब अपना सामान, टेक्नोलॉजी और एनर्जी यूरोप के बाजारों में भेजना चाहता है, तो उसके लिए भूमध्य सागर ही सबसे मुख्य रास्ता है, जिसके केंद्र में इटली स्थित है। इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर के जरिए इटली खुद को भारतीय व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित कर रहा है। इटली के बंदरगाहों को भारत के मैन्युफैक्चरिंग बूम से जोड़कर दोनों देशों ने आने वाले 50 सालों की आर्थिक सुरक्षा का इंतजाम कर लिया है, जो चीन की ट्रेड दादागीरी को सीधी चुनौती है।

इसके अलावा, दशकों से तैयार हथियार खरीदने वाले भारत के साथ मेलोनी सरकार ने एक नया और स्मार्ट गेम शुरू किया है। इटली अब पीएम मोदी के मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत की जमीन पर ही एडवांस रडार सिस्टम और मैरीटाइम डिफेंस जैसे क्षेत्रों में डिफेंस इक्विपमेंट्स का सह-उत्पादन करेगा। सोशल मीडिया पर दिखने वाली क्यूट और मजेदार मेलोडी सेल्फी तो सिर्फ एक पैकेजिंग है। इसके पीछे की असली हकीकत यह है कि यूरोप में अपनी पैठ मजबूत करने के लिए भारत को इटली की जरूरत है और चीन को आर्थिक व रणनीतिक टक्कर देने के लिए इटली को भारत का साथ चाहिए। दोनों देशों ने मिलकर ड्रैगन के खिलाफ जो चक्रव्यूह रचा है, उसने बीजिंग की रातों की नींद उड़ा दी है।

फर्जी नैरेटिव पर प्रहार, राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेकर संपन्न हुआ भाजपा प्रशिक्षण वर्ग

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का समापन मुरादनगर स्थित आईटीएस महाविद्यालय में उत्साह, अनुशासन और संगठनात्मक ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। समापन सत्र में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश के विरुद्ध सुनियोजित तरीके से फर्जी नैरेटिव गढ़कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से भ्रामक खबरों और झूठे प्रचार के माध्यम से भारत की छवि को कमजोर करने का षड्यंत्र किया जाता रहा है। भारत को पिछड़ा और अवैज्ञानिक राष्ट्र साबित करने की कोशिश की गई, जबकि पिछले लगभग 120 वर्षों में भारतीय वैज्ञानिकों, शोधकताओं और प्रतिभाओं ने विश्वभर में देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि विश्व की अनेक शीर्ष कंपनियों और वैश्विक संस्थानों में भारतीय मूल के लोग नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहे हैं। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर नई पहचान स्थापित की है तथा देश के विरुद्ध बनाए गए नकारात्मक नैरेटिव को प्रभावी ढंग से तोड़ा है। आज भारत तकनीक, उत्पादन क्षमता, डिजिटल क्रांति और आर्थिक शक्ति के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी ताकतों में तेजी से उभर रहा है। प्रशिक्षण वर्ग में कार्यकताओं को संगठन की कार्यपद्धति, अनुशासन, जनसंपर्क, डिजिटल संवाद, वैचारिक मजबूती और आगामी चुनावों की रणनीति से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यकताओं ने भाजपा की रीति-नीति और राष्ट्रवादी विचारधारा को और अधिक गहराई से आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अभियान संयोजक एवं विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, सदर विधायक संजीव शर्मा, अभियान के महानगर संयोजक एस.पी. सिंह, विधान परिषद सदस्य दिनेश गोयल तथा उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नरेंद्र कश्यप सहित प्रदेश, क्षेत्र और महानगर के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मामूली कहासुनी में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, धारदार हथियार चले, छह घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र के सारा गांव में बीती रात मामूली कहासुनी को लेकर दो पक्षों में जमकर संघर्ष हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से धारदार हथियार चले और जमकर पत्थरबाजी हुई, जिससे गांव में भगदड़ और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना में दोनों पक्षों के आधा दर्जन लोग घायल हो गए। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों के 12 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी सम्राट त्यागी और प्रमोद शर्मा के मकान आसपास स्थित हैं। प्रमोद शर्मा का आरोप है कि उसकी दुकान पर आने वाले लोगों के साथ सम्राट पक्ष के लोग अभद्र व्यवहार करते थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक संघर्ष में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद के दौरान दोनों पक्षों में लाठी-डंडों के साथ धारदार हथियारों का भी इस्तेमाल हुआ तथा जमकर पत्थरबाजी की गई। अचानक हुए संघर्ष से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और मौके पर भगदड़ मच गई। संघर्ष में सम्राट त्यागी, प्रमोद शर्मा, तुषार त्यागी, विजेंद्र और अमित समेत छह लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि पुलिस ने दोनों पक्षों के 12 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है तथा गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

धूमधाम से निकली मंगल कलश यात्रा, श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

मुरादनगर (शिखर समाचार)। विजय मंडी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ रविवार को भव्य मंगल कलश यात्रा के साथ हुआ। कथा आयोजन श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ समिति के तत्वावधान में किया जा रहा है। मंगल कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं, युवाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रद्धालु भक्ति गीतों और जयघोषों के साथ नगर भ्रमण करते हुए कथा स्थल पहुंचे। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

कथा के प्रथम दिवस कथावाचक मुकेश कुमार शास्त्री ने भागवत महात्म्य और आत्मदेव चरित्र का भावपूर्ण वर्णन करते हुए धर्म, भक्ति और संस्कारों का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य ज्ञान है। कथा श्रवण से मनुष्य के भीतर भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का संचार होता है तथा मानसिक शांति प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि कलियुग में श्रीमद्भागवत कथा मोक्ष प्राप्ति का सरल और श्रेष्ठ माध्यम है। कथा व्यक्ति को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है और समाज तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन की भावना जागृत करती है। कथा के दौरान प्रस्तुत भजनों पर श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर झूम उठे।

नमो भारत रैपिड ट्रेन से मोदीनगर पहुंचे सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, सैकड़ों लोगों ने थामा रालोद का दामन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बागपत-मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र से रालोद सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान की मौजूदगी में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में सैकड़ों व्यापारी और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने राष्ट्रीय लोक दल की सदस्यता ग्रहण की। सांसद ने पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों का फूलमाला और पटका पहनाकर स्वागत किया। दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित मोहन पार्क में आयोजित कार्यक्रम का आयोजन रालोद जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस दौरान सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान मेरठ से नमो भारत रैपिड ट्रेन में सवार होकर मोदीनगर पहुंचे। स्टेशन से वह ई-रिक्शा में बैठकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे, जिसे लेकर कार्यकताओं और स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। सांसद डॉ. सांगवान ने कहा कि रालोद में शामिल हुए सभी लोग संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता मोदीनगर को और अधिक विकसित बनाना है। इसके लिए मोदीनगर स्थित कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय को ट्रामा सेंटर में परिवर्तित कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हापुड़ रोड स्थित गांधी मैदान को खिलाड़ियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा। निवाड़ी क्षेत्र में जल्द ही केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की प्रक्रिया शुरू होगी। साथ ही क्षेत्र में नई सड़कों का निर्माण और जर्जर सड़कों की मरम्मत कराई जाएगी। सांसद ने कहा कि राज चौराहे के पास हापुड़ रोड रेलवे फाटक पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य जारी है और शीघ्र ही सीकरी रोड रेलवे फाटक पर भी रेलवे ओवरब्रिज का कार्य प्रारंभ होगा। रालोद जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने बताया कि पार्टी में मुकुल कुमार गर्ग, प्रदीप तायल, अश्वनी कौशिक, ठाकुर बलदेव सिंह, सुनील चावला, विकास नरूला, अतुल कंसल और पुष्पेंद्र त्यागी समेत सैकड़ों लोगों ने सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में अमरजीत सिंह बिडडी, डॉ. राजीव बालियान, डॉ. पूनम गर्ग, रणबीर दहिया, तेजपाल सिंह, तेजवीर सिंह डबाना, सत्येंद्र तोमर, राम भरोसे लाल मौर्य, योगेंद्र सिंह पतला, सुमन चौधरी, मनोज त्यागी, ललित सेन और अरुण दहिया सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

कमिश्नरेट गाजियाबाद में विशेष अग्नि सुरक्षा अभियान के तहत हाईराइज भवनों में मॉक ड्रिल

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कमिश्नरेट गाजियाबाद में 1 मई 2026 से संचालित विशेष अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत 23 और 24 मई को हाईराइज भवनों एवं अन्य महत्वपूर्ण परिसरों में व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। अभियान का उद्देश्य लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद राहुल पाल एवं अन्य प्रभारी अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंचकर विभिन्न प्रमुख भवनों और संस्थानों में मॉक ड्रिल कराई। जिन स्थानों पर अभियान चलाया गया उनमें वीवीआई एड्रेस सोसाइटी राजनगर एक्सटेंशन, शिखर एन्क्लेव सेक्टर-15 वसुंधरा, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड मैक ल्यूब प्लांट टीला मोड़, वी केयर हॉस्पिटल राजेंद्र नगर साहिबाबाद, शिप्रा रिवेरा सोसायटी इंदिरापुरम, रामप्रस्थ ग्रीन प्लैटिनम सोसायटी, सेवियर ग्रीन सीलई आवासीय सोसायटी क्रॉसिंग रिपब्लिक तथा गंगा यमुना हिंडन एन्क्लेव आवासीय सोसायटी सिद्धार्थ विहार सहित कई स्थान शामिल रहे। अभियान के दौरान अग्निशमन विभाग की टीम ने फायर टेंडरों के साथ भवनों के निकास मार्गों का निरीक्षण किया और अग्निशमन प्रणालियों की कार्यशीलता की जांच की। साथ ही उपस्थित लोगों को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण देकर आग से होने वाली जन-धन हानि के प्रति जागरूक किया गया। निरीक्षण में जिन भवनों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था में कमियां पाई गईं, उन्हें सुधार के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं। साथ ही भवन स्वामियों और संबंधित प्रबंधन को विद्युत सुरक्षा प्रणाली का ऑडिट कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि सभी भवनों में स्थापित अग्निशमन प्रणालियों को सदैव ऑटो मोड एवं कार्यशील अवस्था में रखा जाए तथा निकास मार्गों को पूरी तरह अवरोध मुक्त रखा जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी सुनिश्चित हो सके। कमिश्नरेट गाजियाबाद ने इसे जनसुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रतीक बताते हुए आम नागरिकों से अपील की है कि वे अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन कर स्वयं और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

पशु अवशेष के साथ मेयर ने पकड़ा 2 नाबालिक बच्चों को, पुलिस ने मदरसा संचालक को लिया हिरासत में

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ट्रांस हिंन्द क्षेत्र के निरीक्षण पर मेयर सुनीता दयाल निकली थी। इसी दौरान उन्होंने कनावनी गांव के पास कूड़े का ढेर लगा हुआ देखा। मेयर ने कूड़े के ढेर की जांच पड़ताल शुरू की। इसी दौरान दो नाबालिक बच्चे साइकिल पर एक कट्टा लेकर आ रहे थे। मेयर के आदेश पर जब लोगों ने कट्टे की जाँच की तो पाया कि उसमें अवशेष भरे हुए हैं। मेयर ने तुरंत इस संबंध की सूचना थाना इंदिरापुरम पुलिस को दी। सूचना मिलते ही इंदिरापुरम पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों नाबालिक बच्चों से पूछताछ शुरू की। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि यह दोनों नाबालिक बच्चे कनावनी गांव के मदरसे में पढ़ते हैं। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचे मदरसा संचालक को हिरासत में लिया और जाँच शुरू कर दी। मेयर सुनीता दयाल ने बताया कि वह क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने कूड़े का ढेर लगा हुआ देखा। उन्होंने कूड़ा फेंकने वालों की जांच जब शुरू की तो इसी दौरान दो बच्चे एक साइकिल पर आते हुए दिखाई दिए। जब उनकी जान शुरू की गई तो उनके पास एक कट्ठा था, जिसमें पशु अवशेष थे। वह यह अवशेष हिंडन नदी में फेंकने के लिए लाए थे। ऐसा घिनौना काम करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि पशु अवशेष की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

दिव्य योग संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष बने जितेंद्र शर्मा

शामली (शिखर समाचार) दिव्य योग संस्थान ट्रस्ट रजिस्टर्ड शामली के तत्वावधान में रविवार को नगर पालिका परिषद शामली में संस्था के सभी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ सदस्य रमेश बजाज ने की, जिसमें सर्वसम्मति से जितेंद्र शर्मा को निर्विरोध अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में संस्था के संरक्षक सरवन संगल ने अध्यक्ष पद के लिए जितेंद्र शर्मा के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका जयपाल सिंह ने अनुमोदन किया। इसके बाद उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से जितेंद्र शर्मा को पुनः निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। अध्यक्ष निर्वाचित होने पर सभी सदस्यों ने नवनियुक्त अध्यक्ष को फूलमालाएं पहनाकर शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इसके उपरांत नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें रमेश बजाज एवं विनोद शर्मा को मार्गदर्शक मंडल, सरवन संगल एवं रण कुमार शर्मा को संरक्षक, ऋषिपाल गोयल को उपाध्यक्ष, अजय शर्मा को महामंत्री, जयपाल सिंह को मंत्री, अरविंद मलिक को संगठन मंत्री, कविता गुप्ता को प्रचार मंत्री, शिक्षा शर्मा को कोषाध्यक्ष, सुभाष शर्मा को खाद्य मंत्री तथा उषा सिंह को महिला संयोजिका नियुक्त किया गया।

बैठक में रविंद्र कुमार, आदेश जैन और अंकित कुमार बंसल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सात दिवसीय शिशु वाटिका आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ

शामली (शिखर समाचार)। विद्या भारती द्वारा आयोजित सात दिवसीय प्रांतीय शिशु वाटिका नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ रविवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण के बीच हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय संगठन मंत्री डोमेश्वर साहू, क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रभारी शिव कुमार, प्रांतीय संयोजिका ममता शर्मा, प्रधानाचार्य संजय कुमार सैनी एवं प्रधानाचार्या पल्लवी ऐरन ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नन्हे बच्चों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुआ, जिसने उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया। प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए ममता शर्मा ने शिशु वाटिका की आवश्यकता, उद्देश्य एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा बाल शिक्षा में संस्कारयुक्त वातावरण की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। प्रथम सत्र में डोमेश्वर साहू ने शिशु वाटिका की संकल्पना पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला होती है। वहीं द्वितीय सत्र में शिव कुमार ने खेल एवं क्रिया आधारित शिक्षण पद्धति की जानकारी देते हुए बताया कि बालकों को सहज एवं रुचिकर वातावरण में शिक्षा प्रदान करना समय की आवश्यकता है। प्रशिक्षण वर्ग में विभिन्न विद्यालयों से लगभग 85 प्रशिक्षार्थी सहभागिता कर रहे हैं। आगामी सात दिनों तक विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें शिक्षण पद्धति, बाल मनोविज्ञान, संस्कार शिक्षा एवं संगठनात्मक गतिविधियों पर विशेष मार्गदर्शन दिया जाएगा। रात्रिकालीन सत्र में आचार्यों को विद्यालय की शिक्षण पद्धति, आचार संहिता एवं संगठनात्मक दायित्वों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अनुशासन एवं उत्साह का वातावरण बना रहा।

बिजनौर में जनगणना कार्य का महत्वपूर्ण चरण पूरा, जिलाधिकारी आवास को मिला क्रमांक सीएम 197

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद में चल रहे राष्ट्रीय जनगणना कार्य के अंतर्गत रविवार को एक महत्वपूर्ण चरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। इस विशेष अवसर पर प्रगणक रुचि चौधरी एवं पर्यवेक्षक विनोद यादव ने जिलाधिकारी जसजीत कौर की उपस्थिति में उनके कार्यकारी आवास पर भवन का जनगणना क्रमांक सीएम-157 अंकित किया। इसके साथ ही जिलाधिकारी के मुख्य आवास (जिलाधिकारी भवन) को जनगणना क्रमांक सीएम-197 आवंटित कर अभिलेखों में दर्ज किया गया। प्रशासन के अनुसार प्रत्येक भवन और आवासीय इकाई की सटीक पहचान सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे भविष्य में जनसंख्या आंकड़ों का सुव्यवस्थित संकलन और विश्लेषण किया जा सकेगा। इस अवसर पर लखनऊ निदेशालय के जनगणना प्रभारी जे.पी. यादव, नगर पालिका परिषद बिजनौर के अधिशासी अधिकारी विकास कुमार, कलेक्ट्रेट के जनगणना सहायक मुकेश कुमार, डॉ. आकाश कुमार अग्रवाल, अमित कुमार तथा राजीव समेत कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक किसी भी प्रकार के भ्रम में न आएं और जनगणना कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जनगणना से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि राष्ट्रहित का यह महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

9 माह की बच्ची को उछालते समय छत से गिरने पर गंभीर चोट, पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार) कोतवाली दादरी क्षेत्र के गौतमपुरी मोहल्ले में एक दर्दनाक हादसे में 9 माह की बच्ची छत से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बच्ची का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। मामले में मां की शिकायत पर पुलिस ने पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने महिला की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

आवश्यकता है

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चौधरी महेन्द्र सिंह गर्ल्स कालेज लांक शामली में BBA, BCA, BSc, Bio / Math कॉर्स हेतू अनुभवी प्रवक्ताओं की आवश्यकता है, योग्यता UGC NET/PHD वेतन UGC के नियमानुसार। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें।

मोबाइल नंबर 7248489696

संक्षिप्त समाचार

चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी किया गया कॉपर तार, बाइक व तमंचा बरामद

दादरी (शिखर समाचार) जारचा कोतवाली क्षेत्र में समाना नहर के समीप जांच के दौरान पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किया गया कॉपर तार, बाइक तथा तमंचा-कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया। प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि जारचा कोतवाली क्षेत्र में समाना नहर के पास पुलिस टीम जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान ऊंचा अमीरपुर गांव निवासी दुष्यंत बाइक पर सवार होकर आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की। बाइक पर रखे कट्टे में मिले कॉपर तार के संबंध में वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से एक तमंचा और कारतूस भी बरामद हुए। पुलिस उसे हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंची, जहां पूछताछ में उसने बताया कि 15 नवंबर 2025 को एनटीपीसी स्थित किर्लोस्कर कंपनी से कॉपर तार चोरी किया था और उसे ठिकाने लगाने जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 25 किलोग्राम कॉपर तार, एक बाइक तथा तमंचा-कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में पूर्व से सात मुकदमे दर्ज हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

दादरी (शिखर समाचार) कोतवाली दादरी क्षेत्र के मथुरापुर गांव के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक ने उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कोतवाली दादरी क्षेत्र के चक्रसैनपुर गांव निवासी मोहित भाटी अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका भाई चाहत भाटी 19 मई को ड्यूटी से बाइक द्वारा घर लौट रहा था। जब वह मथुरापुर गांव के समीप पहुंचा, तभी विपरीत दिशा से आए एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में मृतक के भाई की तहरीर पर कोतवाली दादरी में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी चालक और वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

दुर्घटना में बाइक चालक व मासूम बच्ची की मौत, महिला घायल

दादरी (शिखर समाचार) कोतवाली दादरी क्षेत्र में नगर बाईपास पर हुए सड़क हादसे में बाइक चालक और एक मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला का अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना के तीन दिन बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ कोतवाली दादरी में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस आरोपी वाहन चालक की तलाश में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा के अनुसार, बुलंदशहर जनपद के सिकंदराबाद निवासी रफीक का परिवार गाजियाबाद में रहता है। 20 मई को गुलावठी निवासी उनके दामाद शहजाद, अपने मामू की लड़की इल्मा और उसकी बेटी इनाया को बाइक से सिकंदराबाद से गाजियाबाद लेकर जा रहे थे। बताया गया कि जब वे कोतवाली दादरी क्षेत्र के नगर बाईपास स्थित रेलवे लाइन पुल के समीप पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक शहजाद और मासूम इनाया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इल्मा गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

मानव अधिकार संघ मेरठ के अध्यक्ष पर हमला, जातिसूचक शब्दों का आरोप, मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार) बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के दुजाना गांव में मानव अधिकार संघ मेरठ के अध्यक्ष के साथ कथित रूप से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एक नामजद और चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि दुजाना गांव निवासी मदन सिंह अपने परिवार के साथ रहते हैं और मानव अधिकार संघ मेरठ के अध्यक्ष हैं। आरोप है कि 15 मई की शाम वह गांव के मुख्य चौक से गुजर रहे थे, तभी गांव के बालू ने शराब के नशे में उनका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि इस दौरान सार्वजनिक रूप से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई, जिससे वह घायल हो गए। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद बालू अपने चार अज्ञात साथियों के साथ लाठी-डंडों से लैस होकर उनके घर पहुंचा। वहां पत्नी हेमलता तथा पुत्रियों शीतल और सिमी के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज की गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि पूर्व में भी उनके भाई के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर धमकी दी गई थी। पीड़ित परिवार ने भय का माहौल बताते हुए गांव छोड़ने की मजबूरी जताई है। पुलिस ने बालू और चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती का कहर

सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने सरकार पर दबाव बढ़ाया

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में बढ़ती बिजली कटौती और खराब आपूर्ति व्यवस्था को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने सरकार पर दबाव बढ़ाया है। भाजपा विधायकों से लेकर कांग्रेस नेताओं तक ने मुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री को पत्र लिखकर जनता की परेशानियों का मुद्दा उठाया है। नेताओं का कहना है कि भीषण गर्मी के बीच लगातार बिजली बाधित होने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है और जनता में भारी आक्रोश है।

लखनऊ उत्तर से भाजपा विधायक नीरज बोरा ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को पत्र भेजकर कहा कि लगातार हो रही बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। उन्होंने मांग की कि आपूर्ति व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए। साथ ही अपने कैंप कार्यालय में मुख्य अभियंता को भेजने की मांग भी की, ताकि वहां पहुंचने वाली जनता को वास्तविक स्थिति की जानकारी दी जा सके।

वहीं, सरोजनीनगर से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने भी ऊर्जा मंत्री को पत्र लिखकर कहा कि बार-बार बिजली बाधित होना, लो वोल्टेज, ट्रांसफार्मरों का ओवरलोड होना, फीडर ट्रिपिंग और अंडरग्राउंड केबल फॉल्ट जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह समस्या हर साल सामने आती है, इसलिए इसका स्थायी समाधान निकालने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई जानी चाहिए। विधायक ओपी श्रीवास्तव ने भी ऊर्जा मंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने लखनऊ पूर्व विधानसभा क्षेत्र में खराब बिजली व्यवस्था पर चिंता जताई। विधायक ने जर्जर लाइनों और ट्रांसफार्मरों की तत्काल मरम्मत की मांग की है।

बिजली कटौती से बेहाल हैं लोग : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी बिजली संकट को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लोग बिजली कटौती से बेहाल हैं। लोगों को रातभर जागना पड़ रहा है। बिजली न होने से पेयजल संकट गहरा गया है, पंपसेट बंद पड़े हैं और बिजली आधारित लघु उद्योग प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने ऊर्जा मंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आपूर्ति व्यवस्था में सुधार की मांग की तथा चेतावनी दी कि हालात नहीं सुधरे तो कांग्रेस सड़क पर आंदोलन करेगी।

व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार हो रहा प्रयास : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने अत्यधिक गर्मी से मांग बढ़ने की बात कही है। उन्होंने दावा किया कि विभाग व्यवस्था सुधारने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि कराई जा रही है और निर्धारित रोस्टर के अनुसार आपूर्ति सुनिश्चित है। उन्होंने आजमगढ़ के सठियांव में बिजली कैंप का दौरा कर आम जनता से संवाद भी किया।

पावर कॉर्पोरेशन का बिजली व्यवस्था सुचारु होने का दावा : पावर कार्पोरेशन के निदेशक (वितरण) ज्ञानेंद्रधर द्विवेदी ने बयान जारी किया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में बिजली व्यवस्था सुचारु बनी हुई है। अधिकारियों को बाधित बिजली की अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश हैं। खराब ट्रांसफार्मर को कम समय में बदलने का प्रयास किया जा रहा है। आवश्यकतानुसार पर्याप्त सामग्री और गैंग उपलब्ध होने का भी दावा किया गया।

कमिश्नर की फटकार : आम आदमी का फोन नहीं उठाया तो नपेंगे अफसर, बनेगा कंट्रोल रूम– 9415737209 पर करें संपर्क

गोरखपुर , एजेंसी। शहर में लगातार हो रही बिजली कटौती और फाल्ट की बढ़ती शिकायतों पर कमिश्नर अनिल ढींगरा ने सख्त रुख अपनाया है। शुक्रवार को आयुक्त सभागार में बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों और आम लोगों के फोन तक रिसीव नहीं किए जा रहे हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि अभियंता, एसडीओ, एई और जेई जनता के फोन नहीं उठाएंगे तो उनके खिलाफ शासन स्तर पर कठोर कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी।

डीएम दीपक मीणा के साथ विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, एसडीओ, सहायक अभियंता और अवर अभियंताओं की बैठक में उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि अनावश्यक बिजली कटौती किसी भी हालत में न की जाए। फाल्ट की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित हो। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि बढ़ती गर्मी और ओवरलोडिंग के कारण शहर के कई इलाकों में रात के समय लगातार फाल्ट हो रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारी समय पर समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं कमिश्नर ने मुख्य अभियंता पंकज अग्रवाल और अधीक्षण अभियंता रंजीत चौधरी को निर्देश दिया कि जोनल कार्यालय में तत्काल कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए।

यहां एसडीओ या एई स्तर के अधिकारी, मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारी की 24 घंटे ड्यूटी लगाई जाएगी। कंट्रोल रूम का नंबर 9415737209 सार्वजनिक करने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि आम लोग सीधे शिकायत दर्ज करा सकें। उन्होंने कहा कि रिस्पांस टाइम कम किया जाए और फाल्ट ठीक करने के लिए इमरजेंसी गैंग की संख्या बढ़ाई जाए। ट्रांसफार्मर खराब होने पर तत्काल बदले जाएं। आंधी-पानी के मौसम को देखते हुए अभी से तैयारियां रखने को भी कहा गया। डीएम दीपक मीणा ने भी अधिकारियों को मोबाइल ऑन रखने और जनता के फोन अनिवार्य रूप से रिसीव करने के निर्देश दिए।

आगरा में टूटा रिकॉर्ड; अगले तीन दिन लू का रेड अलर्ट

आगरा, एजेंसी। पूरे प्रदेश में इस समय गर्मी का भीषण सितम जारी है। आगरा प्रदेश का पांचवां सबसे गर्म शहर रिकॉर्ड किया गया। विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी के साथ ही लू चलते रहने का अनुमान जारी किया है।

सूर्यदेव के तीखे तेवरों से आम जनजीवन पूरी तरह त्रस्त हो चुका है। इसके बाद भी अभी फिलहाल राहत के आसार नहीं दिख रहे। शुक्रवार को शहर का अधिकतम तापमान 45.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसकी वजह से दिनभर लोगों को चिलचिलाती धूप और लू के थपेड़ों की दोहरी मार झेलनी पड़ी।

भीषण लू के कारण दोपहर के समय सड़कों से लेकर बाजारों तक सन्नाटा पसरा रहा। उधर, राज्य में सबसे ज्यादा तपिश बांदा में रही, जहां पारा 46.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, प्रयागराज 46.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ दूसरे स्थान पर रहा। झांसी व उरई में 45.4 डिग्री तापमान रहा। मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए अनुमान जताया है कि अगले तीन दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी का यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा, जिससे फिलहाल गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है।

तपिश बढ़ने से दोपहर में बाजारों में सन्नाटा : भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के कारण अब बाजारों के रंग-ढंग बदलने लगे हैं। मौसम की तपिश बढ़ने के साथ ही दोपहर के समय बाजारों में पूरी तरह सन्नाटा छाने लगा है। तपती धूप और लू के थपेड़ों के डर से लोग दोपहर में घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं, जिसके चलते कई जगह तो दुकानदार खुद भी दोपहर में दुकानें बंद कर आराम करना ज्यादा बेहतर समझ रहे हैं। इसके विपरीत, अब सुबह और शाम के समय ही बाजारों में रौनक देखने को मिल रही है। लोग जरूरी खरीदारी के लिए या तो सुबह जल्दी निकल रहे हैं या फिर सूरज ढलने के बाद शाम को बाजारों का रुख कर रहे हैं।

मुस्कान के साहिल से थे संबंध, मेरे भाई की हत्या कर छिपा दिया शव', बबलू ने बताया एक-एक सच

मेरठ, एजेंसी। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र के पति-पत्नी के भरोसे का खून करने वाले बहुचर्चित सौरभ हत्याकांड में शुक्रवार को जिला न्यायालय में फाइनल बहस शुरू हो गई। अभियोजन पक्ष ने न्यायालय को बताया कि सौरभ के भाई ने प्राथमिकी में कहा था कि उसकी भाभी मुस्कान रस्तोगी के साहिल शुक्ला से संबंध थे। उसे आशंका थी कि उसके भाई सौरभ राजपूत की हत्या कर दोनों ने शव छिपा दिया था। इस केस में अब 27 मई को सुनवाई होगी और बहस जारी रहेगी।

बृहस्पतिवार को चार्ज संभालने वाले जिला जज अरविंद मिश्र की अदालत में अभियोजन पक्ष की ओर से शासकीय अधिवक्ता ने न्यायालय में फाइनल बहस के प्रथम चरण में प्राथमिकी की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुरी थाने में 18 मार्च 2025 को सौरभ के भाई बबलू ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

बबलू ने कहा था कि उनके भाई सौरभ ने मुस्कान से प्रेम विवाह किया था। सौरभ ने उसे बताया था कि वर्ष 2019 से उसकी पत्नी मुस्कान के साहिल शुक्ला से संबंध हैं। सौरभ ने कहा था कि मुझे मुस्कान और साहिल से जान का खतरा बना हुआ है। बबलू ने कहा कि वह और उसके पिता मुस्कान को समझाते रहते थे। तीन मार्च से सौरभ का कोई अता-पता नहीं था।

बबलू ने आशंका जताई थी कि मुस्कान और साहिल ने उसके भाई की हत्या कर शव छिपा दिया है। इसके अलावा अभियोजन पक्ष ने कोर्ट को बताया गया कि 22 गवाहों ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बयान दिए हैं। उन्होंने गवाहों और साक्ष्यों के संबंध में कोर्ट को जानकारी दी।

ये है नीले ड्रम में शव के टुकड़े भरने की वारदात

ब्रह्मपुरी निवासी सौरभ राजपूत लंदन के एक मॉल में काम करता था। इससे पहले वह मर्चेंट नेवी में काम कर चुका था। वह बेटी पीहू और पत्नी मुस्कान रस्तोगी का जन्मदिन मनाने लंदन से 24 फरवरी 2025 को अपने घर आया था। सौरभ ने 25 फरवरी को बेटी पीहू और 27 फरवरी को पत्नी मुस्कान रस्तोगी का जन्मदिन मनाया था। इसके बाद तीन मार्च 2025 की रात को उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर सीने में चाकू घोंपकर और छुरी से गर्दन काटकर उसकी हत्या कर दी थी।

हत्या के बाद दोनों ने शव के टुकड़े कर उसे प्लास्टिक के नीले ड्रम में डाले और ऊपर से सीमेंट का घोल डालकर सील कर दिया था। वारदात के बाद पांच मार्च को दोनों घूमने के लिए हिमाचल प्रदेश चले गए थे। रुपये खत्म होने पर 17 मार्च को दोनों मेरठ लौट कर आए थे। 18 मार्च को आरोपियों की निशानदेही पर नीला ड्रम बरामद किया। खून से सने कपड़े, वारदात में प्रयोग की गई छुरी आदि बरामद किए गए। 19 मार्च पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया था। तभी से दोनों जिला कारागार में बंद हैं। मुस्कान ने जेल में बेटी को भी जन्म दिया है।

365 दिनों में पॉक्सो समेत महिला अपराध के 480 केस दर्ज, निस्तारण सिर्फ 33 प्रतिशत का

वाराणसी , एजेंसी। हाल ही में जारी एनसीआरबी की रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश महिला अपराध से जुड़े मामलों में राष्ट्रीय औसत से बेहतर रहा लेकिन महिलाओं से जुड़े मामलों में न्यायिक प्रक्रिया की रफ्तार अभी भी धीमी है। वाराणसी में एक साल में पॉक्सो समेत महिला अपराध के 480 से ज्यादा मामले कोर्ट में आए।

वहीं, पॉक्सो से जुड़े करीब तीन हजार मामले अभी भी कोर्ट में लंबित हैं। निस्तारण की रफ्तार की बात करें तो यह करीब 33 प्रतिशत रही। अदालतों में करीब एक हजार मामलों का निस्तारण हुआ। बीते एक वर्ष में विभिन्न थानों में पॉक्सो एक्ट, दुष्कर्म, छेड़खानी, घरेलू हिंसा और साइबर उत्पीड़न समेत महिला अपराध से जुड़े 480 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए। कोर्ट में पहुंचे आंकड़े इसकी पुष्टि कर रहे हैं।

न्यायिक प्रक्रिया में देरी की वजह जांच, फॉरेंसिक रिपोर्ट और गवाहों की अनुपस्थिति बताई गई। इन मामलों में सबसे ज्यादा शिकायतें शहरी क्षेत्रों के सिगरा, लंका, कैंट, भेलूपुर और शिवपुर थाना क्षेत्रों से सामने आईं, जबकि ग्रामीण इलाकों में रोहनिया, चोलापुर और बड़ागांव क्षेत्रों में बालिकाओं से जुड़े अपराधों में वृद्धि दर्ज की गई।

वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में संचालित विशेष पॉक्सो अदालतों में वर्तमान समय में लगभग 3000 मामले लंबित बताए जा रहे हैं। इनमें कई मामले दो से तीन वर्ष पुराने हैं। दोष सिद्धि की दर लगभग 28 से 30 प्रतिशत रही।

कई मामलों में गवाहों के मुकरने, समझौते के दबाव और तकनीकी साक्ष्यों की कमी के कारण अभियोजन कमजोर पड़ा। अधिकांश मामलों में चार्जशीट दाखिल होने में देरी और मेडिकल रिपोर्ट लंबित रहने से ट्रायल प्रभावित होता है। हालांकि दुष्कर्म और अन्य घोर अपराधों में पुलिस ने कई मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं, कुछ मामलों में ठोस पैरवी और मॉनिटरिंग की वजह से अदालत ने रिकॉर्ड समय में सजा भी सुनाई।

पॉक्सो के मामलों में ठोस पैरवी की जा रही है। कुछ मामलों में अदालत ने रिकॉर्ड समय में फैसला सुनाया है। ज्यादातर मामले गवाहों की गैरमौजूदगी, साक्ष्यों में देरी, फॉरेंसिक रिपोर्ट और मेडिकल साक्ष्य समय पर कोर्ट में नहीं पहुंचने की वजह से लंबित हो जाते हैं। पॉक्सो के एक-दो मामले रोज कोर्ट में दर्ज हो रहे हैं। - संतोष कुमार सिंह, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता

2018 के मामले में आठ साल बाद आया फैसला

केस 1 : सारनाथ थाना क्षेत्र में साल 2018 में दर्ज पॉक्सो एक्ट के मामले में मई 2026 में फैसला आया। न्यायिक फैसले में विलंब की वजह विवेचना, साक्ष्य संकलन और गवाहों की समय पर मौजूदगी नहीं होना रही। इस मामले में आरोपी को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

केस 2 : भेलूपुर में छह साल की बच्ची का यौन शोषण भेलूपुर थाना क्षेत्र में एक बच्ची से यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया। परिवार की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, लेकिन दो महीने बाद भी जांच में अपेक्षित तेजी नहीं आई। ऐसे में केस धीमी गति से चल रहा है।

केस 3 : कैंट क्षेत्र में साइबर ब्लैकमेलिंग कैंट थाना क्षेत्र में कॉलेज छात्रा की फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई। आरोपी युवक ने पैसे की मांग भी की। साइबर सेल की मदद से आरोपी गिरफ्तार हुआ। पुलिस ने आईटी एक्ट और महिला उत्पीड़न की धाराओं में कार्रवाई की।

बरेली में हेलमेट लगाकर कार चला रहे एसयूवी मालिक, वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

बरेली, एजेंसी। बरेली के हाफिजगंज इलाके में एक कार सवार को बिना हेलमेट दिखाकर दरोगा ने चालान कर दिया। अब वह हेलमेट लगाकर कार चला रहे हैं और सांकेतिक विरोध जता रहे हैं। शहर निवासी निरंजन यदुवंशी ने बताया कि वह अपनी एसयूवी से हाफिजगंज थाना क्षेत्र से होकर आ रहे थे। उस वक्त कार में उनके बच्चे भी थे। वह सीट बेल्ट भी लगाए थे। आरोप लगाया कि एक दरोगा ने उन्हें रोका और कार चेक की। कागजात और सभी मानक पूरे थे। आरोप लगाया कि उनसे रिश्वत मांगी गई। इन्कार करने पर दरोगा ने उनके साथ अभद्रता की और चालान काट दिया।

उन्होंने बताया कि उनकी कार पर एक हजार रुपये का नो हेलमेट में चालान किया गया है। तब से वह इतने खौफ में हैं कि अब वह अपनी कार के अंदर भी हेलमेट पहनकर चलते हैं। रोज वह इतना जुर्माना नहीं भर सकते, इसलिए हेलमेट पहनना मजबूरी बन गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से ऐसे पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बद्रीनाथ-केदारनाथ में बाइक, बरेली में कटा चालान : शहर निवासी एक युवक की बाइक बद्रीनाथ-केदारनाथ में घूम रही थी। उसी दौरान बरेली में बाइक का चालान काट दिया गया। पीड़ित ने एसपी यातायात के दफ्तर में शिकायत की है। फर्जी नंबर प्लेट इस्तेमाल करने वाले गिरोह की भूमिका पर भी संदेह जताया है।

बिथरी चैनपुर के गांव बिचपुरी निवासी आकाश मौर्य ने शिकायत में बताया है कि वह तीन से 12 मई तक अपनी बाइक से केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा पर गए थे। इस बीच उनके मोबाइल फोन पर मेसेज आया जिसमें बताया गया कि उनकी बाइक का सात मई को बरेली के झुमका चौराहे पर 11:55 बजे चालान हुआ है। इससे आकाश काफी परेशान हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब उनकी बाइक यहां थी ही नहीं तो चालान कैसे कट सकता है? फिलहाल यह मामला जांच का विषय बन गया है।

गंगनहर में नहाने आए दो गुट भिड़े, धक्के से विवाद

फिर डंडे-बल्लियां लेकर एक-दूजे पर टूट पड़े लड़के

मेरठ, एजेंसी। सरधना क्षेत्र की दौराला गंगनहर चौकी के पास शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नहर में नहाने के दौरान युवकों के दो गुट आपस में भिड़ गए। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट तथा लाठी-डंडे चले। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

धक्का लगने पर शुरू हुआ विवाद : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर के समय बड़ी संख्या में युवक गंगनहर में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान धक्का लगने की बात को लेकर दो युवकों के बीच विवाद शुरू हो गया। पहले दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला बढ़ता चला गया। बताया जा रहा है कि विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के युवकों ने एक-दूसरे पर हमला बोल दिया और हाथापाई शुरू हो गई।

डंडे और बल्लियां लेकर एक-दूसरे पर टूट पड़े : आरोप है कि झगड़े के दौरान कुछ युवकों ने आसपास पड़ी डंडियां और बल्लियां उठा लीं और एक-दूसरे पर हमला कर दिया। वायरल वीडियो में कई युवक खुलेआम मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं।

घटना के दौरान नहर किनारे मौजूद लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। कई लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक दोनों पक्षों के युवक एक-दूसरे से भिड़ते रहे। सूत्रों के अनुसार मारपीट में कुछ युवकों को चोटें भी आई हैं, हालांकि किसी गंभीर घायल की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वीडियो वायरल होते ही हरकत में आई पुलिस : घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को हिरासत में ले लिया है।

अब पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर अन्य शामिल युवकों की पहचान करने में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि पहचान पूरी होने के बाद संबंधित लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों की पहचान कराई जा रही है।

यमुना को ऑक्सीजन बैंक बनाने का संकल्प, पांच लाख पौधे लगाएगा नोएडा लोकमंच

नोएडा (शिखर समाचार)। पर्यावरण संरक्षण और यमुना नदी के प्राकृतिक स्वरूप को बचाने की दिशा में नोएडा लोकमंच ने एक महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है। संस्था ने यमुना नदी के किनारे बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कर एक विशाल ऑक्सीजन बैंक विकसित करने का संकल्प लिया है। इस अभियान के तहत सेक्टर-14ए से लेकर ग्रेटर नोएडा तक यमुना तटवर्ती क्षेत्र में लगभग पांच लाख पौधे लगाने की योजना बनाई गई है। इस संबंध में लोकमंच के महासचिव महेश सक्सेना ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को तीसरा पत्र भेजकर अभियान के लिए सहयोग और आवश्यक अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया है। इससे पहले लोकमंच द्वारा सांसद, विधायक, नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा अन्य अधिकारियों को भी पत्र भेजे जा चुके हैं।

शनिवार को सेक्टर-15 स्थित लोकमंच कार्यालय में आयोजित बैठक में यमुना नदी के बदलते स्वरूप, बढ़ते प्रदूषण और उसके संरक्षण के मुद्दों पर गंभीर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि यमुना केवल एक नदी नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय धरोहर है, जिसके संरक्षण के लिए समाज और प्रशासन दोनों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

बैठक में यमुना तट को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने तथा बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। सदस्यों का मानना है कि यदि यमुना किनारे लाखों पेड़ लगाए जाते हैं तो इससे क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ेगा, वायु गुणवत्ता में सुधार होगा और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूती मिलेगी। साथ ही भूजल स्तर सुधारने और प्रदूषण नियंत्रण में भी सहायता मिलेगी।

लोकमंच के पदाधिकारियों के अनुसार यह अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे जनभागीदारी से जोड़कर जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा। वृक्षारोपण से मिट्टी के कटाव को रोकने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी। संस्था का लक्ष्य पहले चरण में पांच लाख पौधे लगाकर उनकी नियमित देखरेख सुनिश्चित करना है, ताकि आने वाले वर्षों में यमुना तट एक सघन हरित क्षेत्र के रूप में विकसित हो सके।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यमुना संरक्षण और हरित विकास से जुड़े सुझावों का विस्तृत प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा जाए। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में अभियान को सरकारी सहयोग के साथ व्यापक स्तर पर लागू करने की मांग की गई है। लोकमंच का मानना है कि प्रशासनिक सहयोग मिलने पर यह परियोजना प्रदेश के सबसे बड़े पर्यावरणीय अभियानों में शामिल हो सकती है।

बैठक में सीबी झा, दीपिका ठाकुर, डॉ. उमेश, इंदिरा चौधरी, लिका सक्सेना, महेश सक्सेना, मुक्ता गुप्ता, प्रदीप वोहरा, आरएन श्रीवास्तव, रामशरण गौड़, एसके जैन, संतोष ठाकुर, सुरेश अग्रवाल, विभा बंसल, विनोद शर्मा और रेनु छिब्बर सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित रहे।

लोकमंच का यह अभियान यदि सफल होता है तो यमुना तट पर विकसित होने वाला यह 'ऑक्सीजन बैंक' न केवल पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बनेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

धामपुर की बेटी आरजू प्रजापति बनीं कोटक महिंद्रा बैंक में डिप्टी मैनेजर

बिजनौर (शिखर समाचार)। धामपुर नगर के मोहल्ला पहाड़ी दरवाजा निवासी आरजू प्रजापति ने अपनी मेहनत, लगन और कार्यकुशलता के बल पर बैंकिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कोटक महिंद्रा बैंक की नोएडा शाखा में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत आरजू को उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के आधार पर पदोन्नत कर डिप्टी मैनेजर बनाया गया है। आरजू प्रजापति क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार दिनेश कुमार प्रजापति की पुत्री हैं, जो विभिन्न प्रतिष्ठित समाचार चैनलों से जुड़े हुए हैं। चार भाई-बहनों में आरजू ने हमेशा अनुशासन, परिश्रम और समर्पण के बल पर अपनी अलग पहचान बनाई है। आरजू की इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी उपलब्धि से धामपुर क्षेत्र में भी गर्व और उत्साह का वातावरण है।

आरजू प्रजापति

बैंड-बाजों के साथ शामली पहुंचे आचार्य विनिश्चय सागर, श्रद्धालुओं ने की पुष्पवर्षा

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। कस्बा जलालाबाद से रविवार को पूज्य वाक्ककेसरी आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महामुनिराज का बैंड-बाजों के साथ भव्य मंगल प्रवेश शामली स्थित दिगंबर जैन धर्मशाला में हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर आचार्य श्री का भावभीना स्वागत किया। पूरे नगर में धार्मिक उल्लास और भक्ति का वातावरण बना रहा। रविवार को आचार्य श्री का दसवां दीक्षा दिवस भी शामली में अत्यंत श्रद्धा एवं भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शामली सहित पानीपत, करनाल, दिल्ली, सरूरपुर, बड़ौत और कैराना समेत विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और प्रवचन सुनकर धर्म लाभ प्राप्त किया। अपने मंगल प्रवचन में आचार्य विनिश्चय सागर महामुनिराज ने कहा कि जीवन को महान बनाने के लिए केवल घर, साधन और बाहरी सुख-सुविधाओं को सजाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व और जीवन मूल्यों का विकास करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपने घर को सुंदर बनाने में बहुत परिश्रम करता है, लेकिन यदि उसी प्रयास का कुछ भाग अपने जीवन को संवारने में लगाए तो उसका जीवन श्रेष्ठ बन सकता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य की योग्यता ही उसके जीवन का निर्माण करती है। जीवन में परिवर्तन केवल स्थान बदलने से नहीं, बल्कि विचारों और व्यवहार में बदलाव लाने से आता है। शिक्षा और सही समझ व्यक्ति को हर परिस्थिति में सहज व्यवहार और संवाद करना सिखाती है। कार्यक्रम के दौरान शामली जैन समाज के श्रद्धालुओं ने गुरु आशीर्वाद प्राप्त कर भक्ति एवं उल्लास के साथ आयोजन का आनंद लिया।

बीएसएम स्कूल में टैलेंट सीजन 1 ऑडिशन का दूसरा चरण संपन्न, 30 छात्र छात्राओं का चयन

शामली (शिखर समाचार) शहर के बीएसएम स्कूल में रविवार को टैलेंट सीजन-1 ऑडिशन के द्वितीय चरण का भव्य एवं आकर्षक आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर ऊर्जा, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और तालियों की गूंज से सराबोर रहा।

कार्यक्रम में करनाल से आए शो के प्रोड्यूसर संजीव सिसोदिया निर्णायक मंडल में शामिल रहे, जबकि मुंबई से आए शो के डायरेक्टर एवं अभिनेता-कोरियोग्राफर जैक साइबर ने कार्यक्रम का सफल निर्देशन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राहुल चौधरी, प्रबंधक छाया सिंह, चेयरमैन सूर्यवीर सिंह एवं उप प्रधानाचार्या आशु पंडित ने सभी विशिष्ट अतिथियों और निर्णायकों का फूलमालाओं से स्वागत किया। ऑडिशन के दौरान प्रतिभागियों ने डांस, अभिनय, मॉडलिंग, संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों की कला, आत्मविश्वास और मंच संचालन शैली ने दर्शकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम के दौरान उत्साह और रोमांच का माहौल बना रहा।

निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दूसरे चरण के उपरांत चयनित प्रतिभागियों को आगामी टीवी राउंड के लिए मानव प्रोडक्शन के कार्यालय में ले जाया जाएगा, जहां वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

विद्यालय के 30 छात्र-छात्राओं तथा कुछ शिक्षकों का चयन अगले चरण के लिए किया गया। वहीं विद्यालय की छात्राओं मुग्धा और अंबिका को सीधे टीवी शो के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि 26 मई को विद्यालय में इंडिया डांस शो के अंतर्गत एक भव्य डांस कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

अखिल भारतीय अग्रवाल समाज का अधिष्ठापन एवं सदस्य सम्मान समारोह संपन्न

शामली (शिखर समाचार) अखिल भारतीय अग्रवाल समाज द्वारा शनिवार देर शाम महाराजा अग्रसेन भवन में अधिष्ठापन एवं सदस्य सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में संस्था के सत्र 2026-27 के लिए नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पदभार ग्रहण कराया गया।

संस्था के संरक्षक अरविंद संगल ने अध्यक्ष पद का दायित्व चंचल गोयल, महामंत्री पद का दायित्व राहुल कुच्छल तथा कोषाध्यक्ष पद का दायित्व शुभम तायल को सौंपा। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने समाज में एकता, सहयोग एवं संगठन की मजबूती पर बल देते हुए सामाजिक समरसता को बनाए रखने का आह्वान किया।

समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और उपस्थित सदस्यों ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नरेंद्र अग्रवाल, मनोज गर्ग, कृष्ण कुमार गोयल, अशोक गोयल, संदीप मित्तल, राकेश गर्ग, विशाल गुप्ता, सचिन मित्तल, विवेक बंसल, निर्भय संगल, गौरव गोयल, प्रदीप संगल, अखिल तायल तथा संजय अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ध्रुव और प्रह्लाद की भक्ति से मिला श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश

शामली (शिखर समाचार) नारायण कुटुंब ट्रस्ट के तत्वावधान में शहर के हनुमान धाम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर कथा व्यास आचार्य चंचल शर्मा ने बाल भक्त ध्रुव और भक्त प्रह्लाद के प्रेरणादायी प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। आचार्य चंचल शर्मा ने कहा कि परमात्मा की प्राप्ति किसी बाहरी आडंबर से नहीं, बल्कि निष्कपट प्रेम, श्रद्धा और सच्ची भक्ति से होती है। उन्होंने कहा कि भक्ति केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि जीव और परमात्मा के मध्य आत्मिक प्रेम का दिव्य संबंध है। जब मनुष्य अपने हृदय को अहंकार, छल और कपट से मुक्त कर प्रभु का स्मरण करता है, तब भगवान स्वयं उसके जीवन में प्रकट होने लगते हैं।

उन्होंने कहा, निर्मल मन जन सो मोहि पावा, मोहि कपट छल छिद्र न भावा। आचार्य ने बताया कि भगवान को केवल निर्मल हृदय और सच्चे प्रेम से ही प्राप्त किया जा सकता है। बालक ध्रुव ने अल्पायु में कठोर तप और अखंड भक्ति के माध्यम से भगवान श्रीहरि के दर्शन प्राप्त किए, जबकि भक्त प्रह्लाद ने विपरीत परिस्थितियों में भी नारायण भक्ति का त्याग नहीं किया। कार्यक्रम का संचालन उत्तम नामदेव ने किया। इस अवसर पर सत्यपाल सिंह, सुखबीर भटनागर, विक्रांत, हितेश नवानी, अन्नू मलिक, क्रिश सूर्यदेव तथा समाजसेवी यशपाल पंवार सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण देश के लिए गंभीर चिंता का विषय : अशोक कुमार

शामली (शिखर समाचार)। क्रांतिकारी नागरिक दल के पदाधिकारियों की बैठक रविवार को शहर स्थित हनुमान टीला लाइब्रेरी में आयोजित की गई। बैठक में राजनीति के बढ़ते अपराधीकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए दल के अध्यक्ष अशोक कुमार ने कहा कि राजनीति में बढ़ता अपराधीकरण देश और समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा कारण राजनीति में विचारधारा की प्रतिस्पर्धा समाप्त होकर लूट-खसोट और गुंडागर्दी की होड़ लगना है। इसी वजह से शिक्षित एवं सज्जन लोग राजनीति से दूरी बनाने लगे हैं और राजनीति अपराधियों की शरणस्थली बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि इस समस्या से मुक्ति पाने के लिए आवश्यक है कि शिक्षित एवं सज्जन व्यक्ति राजनीति में सक्रिय भागीदारी करें। साथ ही चुनाव के समय मतदाता भी शिक्षित, ईमानदार और योग्य उम्मीदवार को ही अपना समर्थन दें, चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल से संबंधित क्यों न हो।

बैठक में विनोद अत्री, महेश सिरोही, रामकिशोर गर्ग, शिवकुमार शर्मा, ओमवीर तेजन सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

नगर पालिका कर्मचारियों का धरना चौथे दिन भी जारी, 25 मई को हड़ताल की चेतावनी

शामली।(शिखर समाचार) नगर पालिका के पार्क में रविवार को चौथे दिन भी स्वायत शासन कर्मचारी महासंघ एवं उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के संयुक्त तत्वावधान में कर्मचारियों का शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन जारी रहा। कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन करते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

धरनारत कर्मचारियों ने घोषणा की कि सोमवार 25 मई को नगर पालिका के अंतर्गत सफाई कार्य सहित कार्यालय का समस्त कार्य बंदी हड़ताल पर रहेगा। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि हड़ताल के दौरान उत्पन्न होने वाली स्थिति की जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन एवं शासन की होगी।

धरने के दौरान कर्मचारियों ने नगर पालिका के बढ़ते क्षेत्रफल को देखते हुए 100 आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की मांग उठाई। इसके अलावा डोर-टू-डोर सफाई कर्मचारियों को शासनादेश के अनुसार बढ़ा हुआ वेतन देने, आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को 18 हजार रुपये मासिक वेतन प्रदान करने तथा संविदा सफाई कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिए जाने की मांग की गई।

धरना-प्रदर्शन में स्वायत शासन कर्मचारी महासंघ यूनियन के अध्यक्ष अमित तेश्वर, महासचिव विनोद निर्वाल, उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ शाखा यूनियन अध्यक्ष प्रवीण कुमार वाल्मीकि, अश्वनी तेश्वर, राजन पाहिवाल, जितेंद्र टांक, धर्मेंद्र झंझोट, जोगेश पाहिवाल, जितेंद्र चन्द्रा, दीपक चन्द्रा, सचिन तेश्वर एवं संजय बिडला सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

नाबालिग की हत्या का नहीं लगा कोई सुराग, पुलिस टीम बनाकर तलाश में जुटी

जेवर (शिखर समाचार) जेवर क्षेत्र में दो दिन पहले हुई एक किशोर की हत्या के मामले में अभी तक पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। पुलिस ने कई टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। गांव से फरार चल रहे युवकों की भी तलाश की जा रही है। पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

क्षेत्र के एक गांव से गुरुवार को 14 वर्षीय किशोर अचानक लापता हो गया था। शुक्रवार रात उसका शव गांव से कुछ दूरी पर बने एक कमरे में मिला। बताया जा रहा है कि उस कमरे में गांव के कुछ युवक अक्सर हुक्का पीने जाया करते थे। परिजनों ने किशोर के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने का आरोप लगाया है।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं हुक्का पीने वाले कुछ युवक गांव से फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस हाल ही में गांव छोड़कर जाने वाले लोगों की भी जानकारी जुटा रही है।

हत्याकांड के खुलासे के लिए पुलिस पूरी रात मृतक के साथ रहने वाले लोगों और संदिग्ध युवकों से पूछताछ करती रही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

बताया गया है कि मृतक किशोर को भी हुक्का पीने का शौक था और वह कभी-कभी वहां जाया करता था। गांव के कुछ युवकों ने एक खाली पड़े मकान को हुक्का पीने का अड्डा बना रखा था। शुक्रवार रात उसी स्थान पर किशोर का शव पड़ा मिला।

मासूम किशोर की बेरहमी से हुई हत्या के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों की नजर अब पुलिस कार्रवाई पर टिकी हुई है और लोग जल्द से जल्द हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

अनुशासन, सेवा, समर्पण और कठोर मेहनत से ही सफलता का होता है मार्ग प्रशस्त : पंडित आदेश फौजी

हल्द्वानी (शिखर समाचार)। नगर निगम सभागार में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में 151 से अधिक प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ एवं मेरी आवाज सुनो फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। समारोह की अध्यक्षता डॉ. रेनू शरण ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बी.सी. खंडूरी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देकर किया गया।

समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को पदक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में डॉ. रेनू शरण ने कहा कि युवा राष्ट्र का भविष्य हैं और विकसित भारत के निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को मिला यह सम्मान उनके अनुशासन, समर्पण और कठिन परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. आर.डी. शर्मा का आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि महापौर गजराज सिंह बिष्ट ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए संस्था की सराहना की। विशिष्ट अतिथि एवं संस्था के राष्ट्रीय महासचिव पंडित आदेश फौजी ने कहा कि अनुशासन, सेवा, समर्पण और कठोर मेहनत से ही सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने आयोजकों को पटका पहनाकर तथा भगवान परशुराम की प्रतिमा एवं मतदाता ही राष्ट्र निमार्ता पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन मीना जोशी एवं कविता तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। मंचासीन अतिथियों का स्वागत जिलाध्यक्ष मीना राणा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। समारोह में नैनीताल जनपद के संस्कृत विद्यालयों तथा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र बोर्ड के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर तन्नु शुक्ला, प्रदीप शर्मा, अशोक पांडे, दीपक शर्मा, सुमित बाल्मीकि, योगेश गोस्वामी, सुमन पाठक, विधा जोशी, संगीता गुप्ता, गीता पांडे, रेनू रौतेला सहित संस्था के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

संपादकीय

होर्मुज से उठती उम्मीद की किरण और दुनिया की नई कूटनीतिक परीक्षा

दुनिया इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध और शांति के बीच की दूरी केवल कुछ कूटनीतिक फैसलों पर टिकी हुई दिखाई देती है। पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव, ईरान और अमेरिका के बीच खिंचाव, इजराइल गाजा संघर्ष और वैश्विक तेल बाजार की अस्थिरता के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान कि ईरान के साथ समझौता काफी हद तक तय हो चुका है, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक नई हलचल पैदा कर चुका है। विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट को फिर से पूरी तरह खोलने की संभावना ने दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक समीकरणों को नई दिशा देने की उम्मीद जगा दी है। होर्मुज स्ट्रेट केवल समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि दुनिया की आर्थिक धड़कन माना जाता है। वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। पिछले कुछ वर्षों में ईरान और पश्चिमी देशों के बीच तनाव बढ़ने के कारण इस क्षेत्र में बार-बार सैन्य गतिविधियां तेज हुईं, जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई और तेल की कीमतों में अस्थिरता बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध के बाद पहले ही ऊर्जा संकट से जूझ रही दुनिया के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक थी। ऐसे में यदि अमेरिका और ईरान के बीच किसी प्रकार की सहमति बनती है और होर्मुज स्ट्रेट सुरक्षित एवं निर्बाध रूप से खुलता है, तो इसका सीधा सकारात्मक प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। हालांकि यह भी सच है कि केवल राजनीतिक बयानबाजी से शांति स्थापित नहीं होती। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने जिस सावधानी के साथ यह कहा कि दोनों देशों के रुख में कुछ नरमी जरूर आई है, लेकिन मुख्य मुद्दों पर अभी अंतिम सहमति नहीं बनी है, वह इस पूरे घटनाक्रम की वास्तविकता को सामने रखता है। परमाणु कार्यक्रम, आर्थिक प्रतिबंध, क्षेत्रीय सैन्य गतिविधियां और इजराइल के साथ अमेरिकी संबंध जैसे कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वर्षों से दोनों देशों के बीच गहरा अविश्वास बना हुआ है। इसलिए किसी भी संभावित समझौते को लेकर अत्यधिक उत्साह दिखाना अभी जल्दबाजी होगी।

दरअसल अमेरिकी राजनीति में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बाद विदेश नीति का स्वरूप भी तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है। ट्रंप हमेशा से खुद को एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं, जो कठिन अंतरराष्ट्रीय संघर्षों को डील के जरिए हल करने में विश्वास रखते हैं। उत्तर कोरिया से लेकर मध्य-पूर्व तक उनकी रणनीति अक्सर परंपरागत कूटनीति से अलग रही है। अब ईरान के साथ संभावित समझौते को भी वे अपनी बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करना चाहेंगे, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिका के भीतर महंगाई, ऊर्जा कीमतें और वैश्विक नेतृत्व की छवि जैसे मुद्दे चर्चा में हैं।

~ मौलिक चिंतन ~

धनहीनता से बड़ा कंगलापन,
बुद्धिहीनता है।

© विनय संकोची

तपती धरती आग उगलता आसमान झुलसता जनजीवन

मनोज कुमार अग्रवाल

देश तप रहा है उत्तर प्रदेश के बांदा और महाराष्ट्र के वर्धा दोनों ही शहरों में भीषण गर्मी का रिकार्ड बनाया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बांदा में अधिकतम तापमान 48.2त्उ तक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है, जबकि वर्धा में भी पारा 47.1त्उ के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।बांदा और वर्धा में गर्मी की स्थिति:बांदा (उत्तर प्रदेश) हाल ही में बांदा में तापमान 48त्उ के पार पहुंच गया, जिससे यह क्षेत्र भारत और एशिया के सबसे गर्म स्थानों में शामिल हो गया है।वर्धा (महाराष्ट्र) विदर्भ क्षेत्र में स्थित वर्धा शहर भी इस भीषण लू की चपेट में है, जहां तापमान 47.1त्उ तक पहुंच गया है इससे पहले राजनांदगांव काा तापमान रिकार्ड बना चुका है लगता है देर-सवेर देश के सभी शहर कस्बे ऐसा ही रिकार्ड बनाएंगे मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, रेगिस्तानी और पश्चिमोत्तर इलाकों से आ रही गर्म हवाओं (लू) और आसमान साफ होने के कारण धूप की प्रचंडता से इन क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश इस समय ऐसी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, जिसने सामान्य जनजीवन को हिला दिया है। जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अय सामान्य मौसमी बदलाव से आगे बढ़कर जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। अगर देखा जाए, यह केवल मौसम की सामान्य मार नहीं है, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाएं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग छांव की तलाश करते हैं। लेकिन इस बार गर्मी का स्वरूप ज्यादा तीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। है। चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास, घबराहट, सिरदर्द, पेट दर्द, बेहोशी और शरीर का तापमान बढ़ना इसके शुरूआती संकेत हो सकते हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यही स्थिति हीट स्ट्रोक में बदल सकती है, जो जानलेवा साबित हो सकत्ती है। सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, पहले से बीमार लोगों, मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों को होता है। ये लोग अक्सर मजबूरी में तपती धूप में काम करते हैं। इनके पास न तो पर्याप्त छांव होती है, न ठंडा पानी और न आराम की सुविधा। ऐसे में केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं है, इनके लिए स्थानीय स्तर पर ठोस व्यवस्था भी जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से से एडवाइ एडवाइजरी जारी की जा रही है। अस्पतालों में हीटस्ट्रोक कक्ष, ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट्स, आइस पैक, ठंडे तरल पदार्थ और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की व्यवस्था की जा रही है। यह स्वागत योग्य कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहेंगी या जमीन पर भी दिखाई देंगी? हर जिला अस्पताल, उप-जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के इलाज की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। एंबुलेंस कर्मियों को भी हीट स्ट्रोक की स्थिति में तत्काल राहत राहत देने का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को वाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, श्रमिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी छांव, पानी के टैंकर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जा सकते हैं। स्कूलों, खेल आयोजनों और सामूहिक कार्यक्रमों के समय में बदलाव जरूरी है। इस भीषण गर्मी को केवल मौसमी घटना मानकर भूल जाना बड़ी भूल होगी। लगातार बढ़ता तापमान, शहरी इलाकों में कंक्रीट का फैलाव, पेड़ों की कटाई, जल स्त्रोतों का सिकुड़ना और प्रदूषण ये सभी मिलकर गर्मी को और घातक बना रहे हैं। शहरों में गर्मी गांवों की तुलना में अधिक महसूस होती है, क्योंकि वहां कंक्रीट, डामर और बंद स्थान तापमान को और बढ़ा देते हैं। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। यदि शहरों में हरियाली नहीं बढ़ाई गई, जल संरक्षण नहीं किया गया और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आने वाले वर्षों में गर्मी और भी भयावह रूप ले सकती है। हमें सड़क चौड़ी करने से पहले पेड़ों के महत्व को समझना होगा। विकास का अर्थ केवल इमारतें और पलाईओवर नहीं है, बल्कि रहने योग्य शहर भी है। देश में 25 मई से नौतपा शुरू होने जा रहा है। परंपरागत रूप से नौतपा को साल के सबसे गर्म दिनों में माना जाता है। इस दौरान सूर्य की तपिश और लू का असर बढ़ जाता है। इस बार नौतपा से पहले ही कई राज्यों में गर्मी असहनीय हो चुकी है। ऐसे में आने वाले दिनों के लिए सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। नौतपा को केवल धार्मिक या परंपरागत दृष्टि से देखने के बजाय स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन के नजरिए से भी समझना चाहिए। प्रशासन को इस अवधि में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। अस्पतालों को तैयारी, पानी की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। बढ़ती गर्मी के कारण बिजली उपकरणों पर दवाव बढ़ता है, जिससे अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों में आग का खतरा भी बढ़ सकता है।

यहां आपको बता दें कि हाल ही में लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण शोध किया है, जो जलवायु परिवर्तन के बारे में हमारी समझ को और गहरा करता है। अर्थ फ्यूचर नामक पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में बताया गया है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे पर्माफ्रॉस्ट (जमी हुई मिट्टी) पिघल रही है। यह पिघलना केवल एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इससे वातावरण में खतरनाक गैसों का उत्सर्जन तेजी से बढ़ सकता है।

पर्माफ्रॉस्ट वह मिट्टी होती है जो कई वर्षों तक जमी रहती है। यह मुख्य रूप से आर्कटिक क्षेत्रों में पाई जाती है। इस मिट्टी के अंदर बहुत बड़ी मात्रा में कार्बन और अन्य गैसें फंसी रहती हैं। जब यह मिट्टी जमी रहती है, तब ये गैसें बाहर नहीं निकल पातीं। इसलिए पर्माफ्रॉस्ट को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच माना जाता है।

गर्मी से बचाव के उपाय कठिन नहीं हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से अपनाना जरूरी है। लोगों को बार-बार पानी पीना चाहिए, भले ही प्यास न लगी हो। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने चाहिए। सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकना चाहिए। खाली पेट धूप में बाहर नहीं निकलना चाहिए। शराब, बहुत अधिक चाय-कॉफी और अत्यधिक तले-भुने भोजन से बचना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय पानी की बोतल जरूर रखनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चकर आए, तेज कमजोरी महसूस हो, शरीर गर्म हो जाए या बेहोशी जैसी स्थिति दिखे तो उसे तुरंत छांच या ठंडी जगह पर ले जाना चाहिए। कपड़ों को डीला करना चाहिए, शरीर पर ठंडा पानी डालना चाहिए और तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। भीषण गर्मी अब केवल असुविधा नहीं, जीवन और मृत्यु का प्रश्न बनती जा रही है। सरकार, प्रशासन, समाज और नागरिक सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। मौसम विभाग की चेतावनी को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। हर परिवार को अपने चच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हर मोहल्ले, पंचायत और वार्ड स्तर पर जागरूकता अभियान चलना चाहिए। गर्मी की यह मार हमें एक बड़ा संदेश दे रही है। प्रकृति के साथ खिलवाड़, शहरों का अनियोजित विस्तार और पर्यावरण की उपेक्षा अब सीधे हमारे स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। आज जरूरत है कि हम केवल गर्मी से बचने की तैयारी न करें, बल्कि भविष्य को ठंडा और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी गंभीर कदम उठाएं, क्योंकि यदि आज हमने चेतावनी नहीं समझी, तो आने वाला समय और भी अधिक तपिश लेकर आएगा।इसलिए सिर्फ जागरूकता और बचाव ही जीवन रक्षक हैं।

इबोला का नया वैश्विक खतरा- कोरोना के बाद दुनियाँ फिर एक भयावह स्वास्थ्य संकट की दहलीज पर?

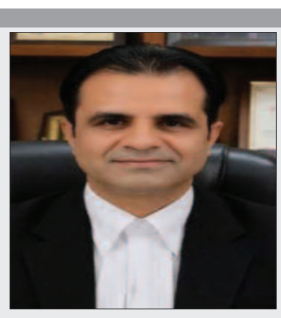

किशन सनमुखदास भावनानी

फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

डब्ल्यूएचओ ने पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किया -भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 28 से 31 मई,2026 स्थगित-समग्र व्यापक विश्लेषण...

इबोला- दुनियाँ में भय का पर्याय-संक्रमण की बढ़ती रफ्तार, बड़े शहरों तक पहुंचना, अंतरराष्ट्रीय स्तरपर गंभीर चिंता का विषय व संभावित वैश्विक चुनौती...

दुनियाँ नें इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, वर्तमान स्ट्रेन के लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन व सुनिश्चित उपचार उपलब्ध नहीं, संक्रमण को नियंत्रित करना वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती...

वैश्विक स्तरपर कोरोना महामारी के भयावह दौर को दुनियाँ अभी पूरी तरह भूल भी नहीं पाई थी कि एक बार फिर मानव सभ्यता के सामने एक नए वैश्विक स्वास्थ्य संकट की आशंका गहराने लगी है। इस बार खतरे का नाम है,इबोला वायरस।अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों, वैज्ञानिकों और सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वर्ल्ड हेल्थ आगेर्नाइजेशन ने 17 मई 2026 को इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित कर दिया। भारत ने भी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए भारत सरकार और अफ्रीकी संघ ने चौथे भारत- अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया है।यह सम्मेलन 28 से 31 मई, 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाला थायह वही श्रेणी है जिसे वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में सबसे उच्च चेतावनी स्तरों में माना जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दुनियाँ की चिंता केवल संक्रमण के फैलाव को लेकर नहीं है,बल्कि इस बार सामने आए इबोला के दुर्लभ बुंडीबुग्यो स्ट्रेन को लेकर है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत वैक्सीन या प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि वैज्ञानिक समुदाय इसे केवल एक क्षेत्रीय बीमारी नहीं, बल्कि संभावित वैश्विक चुनौती के रूप में देख रहा है।डब्ल्यूएचओ प्रेसिडेंट ने चेतावनी देते हुए कहा कि कांगो और युगांडा में संक्रमण की बढ़ती रफ्तार तथा इसका बड़े शहरों तक पहुंचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से युगांडा की राजधानी कम्पाला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संदिग्ध मामलों की उपस्थिति ने इस संकट को और संवेदनशील बना दिया है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति अभी महामारी अर्थात पेंडेमिक की श्रेणी में नहीं पहुंची है, लेकिन संक्रमण की प्रकृति और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए वैश्विक स्तर पर अलर्ट जारी किया गया है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने यह अनुभव किया था कि यदि किसी संक्रमण को शुरूआती चरण में नियंत्रित नहीं किया जाए तो वह कुछ ही महीनों में संपूर्ण विश्व को अपनी चपेट में ले सकता है। यही कारण है कि इस बार अंतरराष्ट्रीय समुदाय अधिक सटीकता से सतर्क दिखाई दे रहा है।

साथियों बात अगर हम इबोला वायरस को समझने की करें तो कोई नया वायरस नहीं है,लेकिन इसका नाम आज भी दुनिया में भय का पर्याय माना जाता हैवैज्ञानिक रूप से इसे इबोला ऑर्थोएबोलावायरस कहा जाता है। इसकी पहचान पहली बार वर्ष 1976 में अफ्रीका के जैरे, जिसे आज डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है, और सूडान में हुई थी। उस समय यह बीमारी अत्यधिक घातक साबित हुई थी और बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी। बाद के वर्षों में भी अफ्रीका के कई देशों में इसके छोटे-बड़े प्रकोप सामने आए, लेकिन वर्ष 2014-16 में पश्चिमी अफ्रीका में फैले इबोला संकट ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। उस महामारी में हजारों लोगों की मौत हुई और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरियां उजागर हो गई थीं। वर्तमान में फैला बुंडीबुग्यो स्ट्रेन उसी वायरस का एक दुर्लभ रूप है, जो पहले की तुलना में कम ज्ञात है और जिसके उपचार संबंधी संसाधन गंभीरता से बेहद सीमित हैं।

साथियों विशेषज्ञों के अनुसार इबोला वायरस मुख्य रूप से संक्रमित जंगली जानवरों से इंसानों में पहुंचता है। विशेष रूप से फ्रूट बैट यानी चमगादड़ों को इसका प्राकृतिक वाहक माना जाता है। इसके बाद यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों जैसे खून, उल्टी, लार, पसीना, वीर्य या मल,के संपर्क में आने से दूसरे लोगों तक फैलता है। यह वायरस हवा के माध्यम से नहीं फैलता, लेकिन संक्रमित व्यक्ति की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य, स्वास्थ्यकर्मी और अंतिम संस्कार से जुड़े लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। यही कारण है कि अफ्रीका के कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक अंतिम संस्कार प्रथाएं संक्रमण फैलने का प्रमुख कारण बन जाती हैं। दूषित सुई, संक्रमित मेडिकल उपकरण और संक्रमित जंगली जानवरों के मांस के सेवन से भी संक्रमण का खतरा बहुत तेजी के साथ बढ़ जाता है।

साथियों इबोला के लक्षण अत्यंत गंभीर और भयावह हो सकते हैं। वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर अचानक तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसके बाद स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, त्वचा पर चकत्ते और लीवर-किडनी संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। गंभीर मामलों में शरीर के अंदरूनी अंगों में रक्तस्त्राव शुरू हो जाता है तथा मुंह, नाक और मसूड़ों से खून आने लगता है। यही कारण है कि इसे दुनिया के सबसे घातक वायरसों में गिना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विभिन्न स्ट्रेनों में इसकी मृत्यु दर 30 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक देखी गई है। वर्तमान बुंडीबुग्यो स्ट्रेन में भी मृत्यु दर 30 से 50 प्रतिशत के बीच आंकी जा रही है, जो इसे अत्यंत खतरनाक बनाती है।वर्तमान प्रकोप की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस बार संक्रमण उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा जहां स्वास्थ्य ढांचा मजबूत निगरानी रख सकता था। कांगो और युगांडा में सैकड़ों संदिग्ध मामले सामने आए हैं और 130 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं अधिक हो सकते हैं, क्योंकि अफ्रीका के कई दूरदराज इलाकों में मेडिकल रिपोर्टिंग और परीक्षण व्यवस्था अभी भी सीमित है। बड़े शहरों और अंतरराष्ट्रीय यात्रा नेटवर्क से जुड़े क्षेत्रों तक संक्रमण पहुंचना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है। यदि यह वायरस सीमा पार व्यापक रूप से फैलता है तो अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ सकता है।

साथियों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संकट को लेकर वैश्विक सहयोग और त्वरित निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि दुनिया को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि वर्तमान स्ट्रेन के लिए न तो कोई स्वीकृत वैक्सीन उपलब्ध है और न ही कोई सुनिश्चित उपचार। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाओं और वैक्सीन पर शोध चल रहा है, लेकिन अभी वे व्यापक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति कोरोना महामारी के शुरूआती दौर की याद दिलाती है, जब पूरी दुनिया इलाज और वैक्सीन की खोज में जुटी हुई थी। वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि यदि संक्रमण को अभी नियंत्रित नहीं किया गया तो यह वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी सटीक चुनौती बन सकता है।

साथियों, भारत भी इस वैश्विक खतरे को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गया है। 21 मई 2026 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की। इसके तहत कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर विशेष स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। दिल्ली सहित देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर मेडिकल टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों की यात्रा इतिहास की जांच की जा रही है तथा बुखार, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द या ब्लीडिंग जैसे लक्षण पाए जाने पर तुरंत स्वास्थ्य डेस्क को सूचित करना अनिवार्य किया गया है। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रभावित देशों से आने वाले लोग यदि 21 दिनों के भीतर किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस करें तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें और डॉक्टरों को अपनी यात्रा का पूरा विवरण दें।

साथियों, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्यसचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भीआयोजित की गई, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, लैब टेस्टिंग सुविधाओं और आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 22 मई 2026 की रात तक भारत में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। इसके बावजूद सरकार किसी भी प्रकार की लापरवाही के पक्ष में नहीं है। कोरोना महामारी के अनुभव ने भारत सहित दुनिया को यह सिखाया है कि वैश्विक संक्रमणों के मामले में शुरूआती सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव होती हैवैश्विक स्तर पर इबोला का यह नया संकट केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव भी पैदा कर सकता है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने देखा था कि किस प्रकार एक वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को ठप कर दिया,करोड़ों लोगों की नौकरियां चली गईं और स्वास्थ्यप्रणालियां चरमरा गईं। यदि इबोला का वर्तमान प्रकोप अनियंत्रित होता है तो अफ्रीका के कई देशों में मानवीय संकट गहरा सकता है। वहां पहले से मौजूद गरीबी, कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं, राजनीतिक अस्थिरता और सीमित संसाधन इस चुनौती को और गंभीर बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि सहयोग का है।

साथियों, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन जंगलों की कटाई और मानव गतिविधियों का विस्तार ऐसे वायरसों के उभरने की संभावना बढ़ा रहा है। जब इंसान जंगली क्षेत्रों में अधिक हस्तक्षेप करता है तो वन्यजीवों से इंसानों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। कोरोना, निपाह, सार्स और अब इबोला जैसे वायरस इसी व्यापक पारिस्थितिक असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए केवल चिकित्सा समाधान पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संतुलन पर भी गंभीरता से काम करना होगा।अभी पूरी दुनिया के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह कोरोना महामारी से मिले सबक को कितनी गंभीरता से लागू करती है। इबोला का यह प्रकोप अभी सीमित क्षेत्रों में है, लेकिन इसकी घातक प्रकृति इसे अत्यंत संवेदनशील बना देती है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों, सरकारों और वैज्ञानिक समुदाय के बीच समन्वय,त्वरितनिगरानी सीमाओं पर सतर्कता और जनता में जागरूकता ही इस संकट को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका हो सकता है। अफवाहों और भय के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों और सावधानियों पर आधारित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

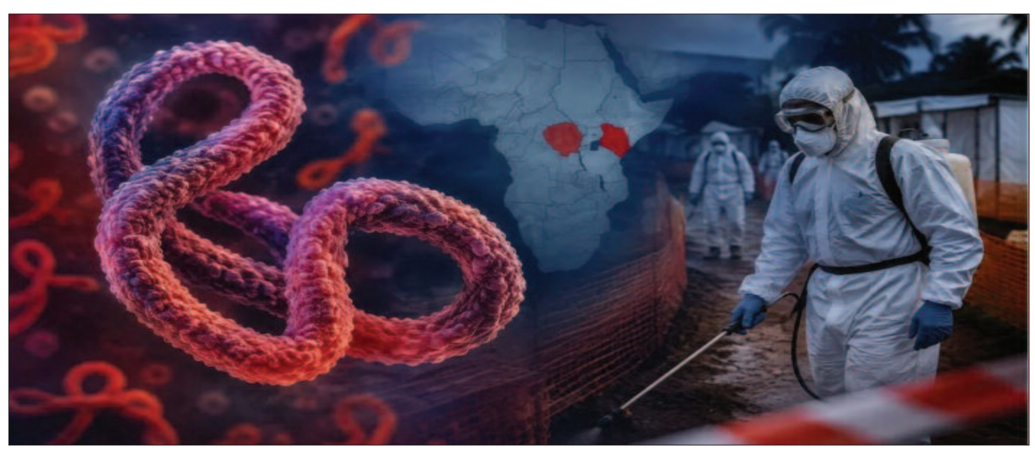

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।

अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया। उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।

समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।

कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओं को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत: उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।

मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।

कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना

हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत: ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाईं? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''

यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।

विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत: उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत: व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत: उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत: यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत: सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन: पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

आईटीआर फाइलिंग में एआई की एंट्री, जरा सी चूक भी बुला सकती है मुसीबत

-आयकर विभाग ने आईटीआर जांच के लिए एआई और ऑटोमैटिक डेटा मैचिंग सिस्टम शुरू किया

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग ने आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑटोमैटिक डेटा मैचिंग सिस्टम को लागू कर दिया है। इसका सीधा मकसद हर आय और लेन-देन पर बारीकी से नजर रखना है। ऐसे में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ढ्ढञ्जक्र भरते समय की गई कोई भी छोटी चूक आपको टैक्स नोटिस का शिकार बना सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एआईएस (एनुअल इंफारमेंशन स्टेटमेंट) को ध्यान से जांचना अब बेहद जरूरी है। इसमें आपकी सैलरी, बैंक ब्याज, निवेश, प्रॉपर्टी और टीडीएस की पूरी जानकारी होती है। इसे फॉर्म 16, फॉर्म 26एएस, बैंक स्टेटमेंट जैसे अपने अन्य दस्तावेजों से मिलाकर ही आईटीआर फाइल करें। एआईएस और आपके आईटीआर में थोड़ा भी अंतर पाए जाने पर विभाग तुरंत नोटिस भेज सकता है। सैलरी का गलत विवरण, बैंक ब्याज छिपाना या टीडीएस का गलत दावा आम गलतियां हैं। शेयर, म्यूचुअल फंड या प्रॉपर्टी बिक्री से हुए कैपिटल गेन को सही दिखाना अनिवार्य है। कारोबारियों के लिए जीएसटी रिटर्न और आईटीआर आंकड़ों का मिलान महत्वपूर्ण है, एआई सिस्टम किसी भी विसंगति को तुरंत पकड़ेगा। इसलिए हर जानकारी सटीक व स्पष्ट दें

कपास आयात शुल्क हटाने पर सरकार गंभीर

कपड़ा उद्योग को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली ।

कच्चे कपास के आयात पर लगने वाले 11 प्रतिशत सीमा शुल्क को हटाने की मांग पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में विभिन्न मंत्रालयों के बीच परामर्श अंतिम चरण में है, जिससे घरेलू कपड़ा उद्योग को बढ़ती लागत के बोझ से राहत मिलने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय और कृषि मंत्रालय इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर गहन चर्चा कर रहे हैं। घरेलू कपड़ा उद्योग लंबे समय से आयात शुल्क हटाने की मांग कर रहा है ताकि कपास की बढ़ती कीमतों से उद्योग पर बढ़ रहे लागत के बोझ को कम किया जा सके। अधिकारी ने संकेत दिया कि परामर्श प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है और निकट भविष्य में इस पर अंतिम निर्णय होने की प्रबल संभावना है। हाल ही में परिधान उद्योग और निर्यातकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन तथा कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर इस शुल्क को हटाने की जोरदार मांग उठाई थी। उद्योग के अनुसार चालू वर्ष में कपास की अनुमानित आवश्यकता लगभग 337 लाख गांठ (एक गांठ 170 किलोग्राम) है, जबकि 2025-26 सत्र में आवक केवल 292.15 लाख गांठ रहने का अनुमान है।

पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी, कुछ शहरों में गिरावट

महानगरों में स्थिरता ग्लोबल उतार-चढ़ाव के बीच चेन्नई में महंगा हुआ तेल

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने रे विवार को पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। ग्लोबल मार्केट में जारी उतार-चढ़ाव और देश के टैक्स स्ट्रक्चर के बीच आम उपभोक्ताओं को मिला-जुला अनुभव मिला है। जहां दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में कीमतें पूरी तरह स्थिर बनी हुई हैं, वहीं पटना, नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली है। दूसरी ओर चेन्नई में तेल थोड़ा महंगा हुआ है। देश के चार बड़े महानगरों दिल्ली में पेट्रोल 99.51 प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर के पुराने भाव पर ही मिल रहा है। इसी तरह मुंबई में भी पेट्रोल 108.45 प्रति लीटर और डीजल 95.02 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। राहत की बात यह है कि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 53 पैसे सस्ता होकर 110.47 और डीजल 50 पैसे गिरकर 96.53 रुपए प्रति लीटर पर आ गया है।

कतर की कंपनी ने अडाणी ग्रुप के 48.05 लाख शेयर बिड़ला म्यूचुअल फंड को बेचे

आज शेयर बाजारों में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली।

कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी से संबद्ध कतर होल्डिंग एलएलसी ने खुले बाजार में सौदे के जरिए अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के 48.05 लाख शेयर 643 करोड़ रुपए में बिड़ला म्यूचुअल फंड को बेच दिए हैं। एसई पर थोक सौदों के बारे में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कतर होल्डिंग एलएलसी ने शुक्रवार को 48,05,974 शेयरों को 1,339 रुपए प्रति शेयर के औसत भाव पर बेचा। यह कंपनी में 0.40 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। इस दौरान बिड़ला म्यूचुअल फंड ने इतने ही शेयर उसी कीमत पर खरीद लिए। इस खबर के सामने आने के बाद अब सोमवार को शेयर बाजारों में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर फोकस में रहेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने तिमाही नतीजों का ऐलान पिछले महीने किया था। कंपनी ने दी जानकारी में बताया था कि जनवरी से मार्च 2026 के दौरान कुल नेट प्रॉफिट 723 करोड़ रुपए है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 1.3 फीसदी का इजाफा हुआ। एक साल पहले इसी मार्च तिमाही में अडाणी ग्रुप की इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 714 करोड़ रुपए रहा था। जनवरी से मार्च 2026 में कंपनी की इनकम 7588.08 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले मार्च क्वार्टर के दौरान कंपनी की कुल कमाई 6596.39 करोड़ रुपए रहा। बता दें वित्त वर्ष 2026 में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का नेट प्रॉफिट 2392.75 करोड़ रहा था। यानी पिछले वित्त वर्ष की तुलना में दो गुना ज्यादा। तब कंपनी का नेट प्रॉफिट 921.69 करोड़ रुपए रहा था। शुक्रवार को अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर बीएसई में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 1368 रुपए के स्तर पर बंद हुए थे।

रेलवे को मिलेगी रफ्तार! आईआरएफसी जुटाएगी 2 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) ने चालू वित्त वर्ष में रेलवे परियोजनाओं के विस्तार के लिए बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के जरिये 2 अरब डॉलर जुटाने की योजना बनाई है। यह धनराशि मुख्य रूप से जापानी येन में जुटाई जाएगी और कंपनी के 70,000 करोड़ रुपये के संसाधन जुटाने के कार्यक्रम का एक अहम हिस्सा है। आईआरएफसी के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने पहले ही बैंकों के एक समूह के साथ 1.1 अरब डॉलर के बराबर जापानी येन में ईसीबी ऋण जुटाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। परियोजनाओं की मजबूत पाइपलाइन को देखते हुए जून तिमाही के भीतर ही धनराशि का वितरण शुरू होने की उम्मीद है। यह ऋण पांच वर्ष की अवधि के लिए लिया गया है और इसका उपयोग रेलवे क्षेत्र से जुड़ी या ईसीबी दिशानिर्देशों के तहत अनुपालन वाली अन्य परियोजनाओं के वित्तपोषण में किया जाएगा। रेल मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न कंपनी आईआरएफसी ने चालू वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये की ऋण स्वीकृति और लगभग 40,000 करोड़ रुपये के ऋण वितरण का लक्ष्य रखा है।

निर्यात बढ़ाने को एफटीए का प्रभावी कार्यान्वयन जरूरी: विशेषज्ञ

भारत में उपयोग दर 25 फीसदी पर, अब हस्ताक्षर से ज्यादा लागू करने पर हो ध्यान

नई दिल्ली ।

विशेषज्ञों का मानना है कि मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के मोर्चे पर भारत की अगली प्राथमिकता उनके व्यावहारिक कार्यान्वयन और निर्यातकों को इनका इस्तेमाल सिखाने की होनी चाहिए। कई बड़े एफटीए पर हस्ताक्षर के बावजूद, असली चुनौती उनका सही उपयोग सुनिश्चित करना है। विशेषज्ञों के अनुसार सरकार और उद्योग को अब एफटीए पर हस्ताक्षर से एफटीए के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। वर्तमान में भारत में एफटीए की उपयोग दर लगभग 25 प्रतिशत है, जो विकसित देशों के 70-80 प्रतिशत से काफी कम है, जिससे भारतीय निर्यातक पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे। एक कंसल्टिंग फर्म ने कहा कि एफटीए के लाभ सीमा शुल्क स्तर पर इस्तेमाल हों और निर्यात बढ़ाएं। भारत ने अनेक महत्वपूर्ण बाजारों से करार किए हैं, जो वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में नए व्यापारिक रास्ते खोल सकते हैं। विशेषज्ञों ने कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग, फार्मा जैसे क्षेत्रों को उत्पादन से जुड़ी (पीएलआई) जैसी योजनाओं का अतिरिक्त समर्थन तथा अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता व हरित नियमों (विशेषकर यूरोपीय बाजारों के लिए) के अनुरूप घरेलू प्रमाणन प्रणाली मजबूत करने का सुझाव दिया है।

सन फार्मा: गिरावट में खरीदारी का मौका? नई दवा और बुलंद टारगेट से चमकेगा शेयर

शेयर ने छुआ 52-वीक हाई, शुक्रवार को दिखी मुनाफावसूली

नई दिल्ली।

फार्मा सेक्टर की दिग्गज कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज के शेयरों ने हाल ही में अपने 52-वीक हाई को छुआ, लेकिन सप्ताह के अंत में हुई हल्की मुनाफावसूली ने निवेशकों के मन में सवाल खड़े कर दिए। हालांकि, बाजार विशेषज्ञ इसे खरीदारी के एक बेहतरीन अवसर के रूप में देख रहे हैं। कंपनी की नई डायबिटीज और मोटापे की दवा सेमाग्लूटाइड (जीएलपी-1) के सफल क्लीनिकल ट्रायल और ब्रोकरेज फर्म एचडीएफसी सिक्योरिटीज की बाय रेटिंग के साथ बढ़ाए गए टारगेट प्राइस ने निवेशकों के लिए सुनहरे भविष्य का संकेत दिया है। सन फार्मा के शेयर ने इस हफ्ते 1917.15 रुपये के 52-वीक हाई को छुआ, जो इसके ऑल-टाइम हाई से केवल 4 फीसदी नीचे है। शुक्रवार को 2.43 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 1,845.20 रुपये पर बंद होने के बावजूद, विश्लेषक इसे लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक आकर्षक प्रवेश बिंदु मान रहे हैं। कंपनी के लिए सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट इसकी नई दवा सेमाग्लूटाइड मानी जा रही है। यह दवा डायबिटीज और मोटापे के इलाज में वैश्विक स्तर पर काफी प्रभावी साबित हुई है। सन फार्मा द्वारा विकसित इसका ओरल सॉलिड फॉर्म (खाने वाली गोली) अपने क्लीनिकल ट्रायल सफलतापूर्वक पूरे कर चुका है और अब भारतीय ड्रग रेगुलेटर से अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा है। यह दवा घरेलू बाजार में कंपनी के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। चौथी तिमाही के शानदार नतीजों के

बाद, ब्रोकरेज हाउस एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने सन फार्मा पर अपनी बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए टारगेट प्राइस को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,120 रुपये प्रति शेयर कर दिया है। ब्रोकरेज के अनुसार, कंपनी के ग्रॉस मार्जिन में 118 बेसिस पॉइंट का प्रभावशाली सुधार देखा गया है। हालांकि कर्मचारियों की सैलरी और रिसर्च पर हुए खर्च के कारण ऐ बिटा ग्रोथ 3 फीसदी तक सीमित रही, लेकिन कंपनी का ग्लोबल स्पेशियलिटी बिजनेस 20त्न और भारतीय कारोबार 15त्न की दर से बढ़ा है। इलुम्या, सेक्वा और विनलेवी जैसे प्रमुख ब्रांड्स की मजबूत वैश्विक मांग अमेरिकी बाजार में संभावित सुस्ती के प्रभाव को बेअसर करने में सक्षम है। ऐसे में, विश्लेषकों का मानना है कि सन फार्मा लंबी अवधि के निवेशकों को बंपर रिटर्न देने की राह पर है।

सोना 3 लाख तो चांदी 5 लाख रुपए के जा सकती है पार, बढ़ी टेंशन

रॉबर्ट कियोसाकी ने गोल्ड-सिल्वर की कीमतों को लेकर की भविष्यवाणी

नई दिल्ली।

'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने एक बार फिर से गोल्ड और सिल्वर की कीमतों को लेकर भविष्यवाणी की है। साथ ही उन्होंने शेयर बाजार में आने वाले समय में भारी गिरावट की बात कही है, जिसकी वजह से चर्चाओं का बाजार गर्म है। सोशल मीडिया पोस्ट में रॉबर्ट कियोसाकी ने लिखा- दिग्गज मार्केट विश्लेषक जिम रिकार्ड्स का मानना है कि गोल्ड का रेट 1000 डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच सकता है। वहीं, चांदी का रेट 200 डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच सकता है। इस समय सोने का रेट 4500 डॉलर प्रति आउंस है। वहीं, चांदी का रेट 75 डॉलर प्रति आउंस है यानी घरेलू बाजार में सोने का रेट 300000 रुपए और चांदी का रेट 500000 रुपए के पार जा सकता है। ईंधन की कीमतों में जारी तेजी की वजह से दुनिया भर में महंगाई बढ़ गई है, जिसका असर वहां के शेयर बाजारों पर भी दिख रहा है। वैश्विक अस्थिरता की वजह से शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। भारतीय शेयर बाजार में इससे अछूता नहीं है। रॉबर्ट कियोसाकी अपने पोस्ट में लिखते हैं कि अच्छे निवेशक भविष्य को देख लेते हैं और उसी हिसाब से एक्शन लेते हैं। रॉबर्ट कियोसाकी की नई भविष्यवाणी की वजह से एक बार फिर से टेंशन बढ़ गई है। इस बात की बहस छिड़ गई है कि क्या आने

वाले समय में एक बार फिर से दुनिया मंदी की ओर बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को सर्राफा बाजार में 24 कैरेट गोल्ड का रेट 158117 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 23 कैरेट गोल्ड का रेट 157484 रुपए, 22 कैरेट गोल्ड का रेट 144835 रुपए, 18 कैरेट गोल्ड का रेट 118588 रुपए और 14 कैरेट गोल्ड का रेट 92498 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं, चांदी का रेट शुक्रवार की शाम को 266000 रुपए था। बता दें शनिवार और रविवार को छुट्टी की वजह से नई कीमतें जारी नहीं की गई हैं। बता दें पीएम मोदी ने लोगों से एक साल तक सोना ना खरीदने की अपील की है।

घरेलू पर्यटन पर ईजमाई ट्रिप की नई उड़ान, एआई और विरासत से मजबूत होगा सफर

90 फीसदी आय घरेलू यात्रा से, एआई और विरासत परियोजनाओं में निवेश से मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

यात्रा बुकिंग मंच ईजमाई ट्रिप (ईएमटी) भारत में घरेलू पर्यटन के बढ़ते रुझान का लाभ उठाते हुए दीर्घकालिक वृद्धि और अपने यात्रा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर केंद्रित है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि उनकी करीब 90 फीसदी आय घरेलू यात्रा से आती है और वे बदलते भारतीय यात्री अनुभवों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। अे धिकारी ने कहा कि भारतीयों में घरेलू पर्यटन को लेकर जबरदस्त रुचि है। भारतीय यात्री अब सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित न रहकर सांस्कृतिक, धार्मिक, अनुभव-आधारित और क्षेत्रीय पर्यटन की ओर आकर्षित हो रहे हैं, विशेषकर देश के विभिन्न हिस्सों की विरासत और संस्कृति को देखने में। दीर्घकालिक संभावनाओं को देखते हुए ईजमाई ट्रिप अपनी सीएसआर इकाई ईजमाई ट्रिप फाउंडेशन के माध्यम से कुतुब मीनार परिसर में सेवी कैफेटेरिया जैसी पर्यटक-केंद्रित परियोजनाएं शुरू कर रही है। ऑनलाइन यात्रा क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच, कंपनी कृत्रिम मेधा (एआई) में भी निवेश कर रही है, ताकि सेवाओं को बेहतर बनाया जा सके, ग्राहकों को व्यक्तिगत अनुभव मिल सकें और डिजिटल मंच मजबूत हो।

कोल इं डिया का सिनगैस उत्पादन पर जोर, ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

गैस आपूर्ति में दिककतों के बीच कोल इंडिया की सिनगैस इकाइयां लगाने की योजना

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कोयला कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण गैस आपूर्ति में आ रही बाधाओं से निपटने और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कोयले से सिनगैस उत्पादन इकाइयां स्थापित करने की तैयारी में है। सिनगैस, मुख्यतः कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोजन का मिश्रण होता है, जिसका उपयोग बिजली, उर्वरक और स्वच्छ ईंधन बनाने में होता है। कोल इंडिया, जो देश के कुल कोयला उत्पादन में 80 फीसदी से अधिक का योगदान करती है, इस दिशा में शुरुआती कदम उठा चुकी है। कंपनी इन संयंत्रों को या तो कोयला खदानों के पास (पिटहेड) या फिर औद्योगिक उपभोक्ताओं जैसे उर्वरक संयंत्रों, गैस आधारित बिजलीघरों और डायरेक्ट-रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) इकाइयों के समीप स्थापित करेगी।

यह पहल राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन और रासायनिक कच्चे माल की सुरक्षा को सुदृढ़ करने की सरकारी रणनीति का हिस्सा है। इन परियोजनाओं को बिल्ड-ओन-ऑपरेट या बिल्ड-ऑपरेट-मेंटेन मॉडल पर विकसित किया जाएगा, जिसके लिए कंपनी ने संभावित बोलीदाताओं की पहचान हेतु रुचि पत्र जारी किए हैं। इसके अलावा सीआईएल उन औद्योगिक ग्राहकों की भी तलाश कर रही है जो दीर्घकालिक समझौतों के तहत सिनगैस का उपयोग कर सकें।

इस कदम का उद्देश्य कोयले के परिवहन लागत को कम करना, उद्योगों को सस्ती और विश्वसनीय सिनगैस आपूर्ति सुनिश्चित करना, तथा स्वच्छ ईंधन, उर्वरक और रसायन उत्पादन के क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता बढ़ाना है। यह देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हीरो मोटोकॉर्प का चालू वित्त वर्ष में दोहरे अंक की वृद्धि का लक्ष्य

12 से अधिक नए उत्पाद उतारेगी कंपनी

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने वित्तीय वर्ष 2026-27 तक दोहरे अंक की वृद्धि हासिल करने का भरोसा जताया है। कंपनी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 12 से अधिक नए उत्पाद बाजार में उतारेगी और इलेक्ट्रिक स्कूटर कारोबार को तेजी से बढ़ाएगी। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार स्कूटर कारोबार, विशेषकर इलेक्ट्रिक सेगमेंट, भविष्य के विकास का प्रमुख केंद्र होगा। उन्होंने 2030 तक कुल स्कूटर बिक्री में इलेक्ट्रिक स्कूटर की 50 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा। उन्होंने कम प्रदूषण वाले पावरट्रेन की बढ़ती मांग के मद्देनजर बाजार में अग्रणी स्थिति बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा` कि भारतीय दोपहिया बाजार में तीव्र प्रतिस्पर्धा मानी, लेकिन बताया कि पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने अपनी

बाजार स्थिति मजबूत की है। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, हीरो ने अपनी अग्रणी बढ़त फिर से बढ़ाई है, जिसका श्रेय स्कूटर, इलेक्ट्रिक वाहन, 125 सीसी से ऊपर की मोटरसाइकिल और प्रवेश स्तर की बाइकों में मजबूत प्रदर्शन को जाता है। चालू वित्त वर्ष में भी दोहरे अंक की वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है, जिसमें निर्यात और इलेक्ट्रिक वाहनों की भूमिका अहम होगी।

वैश्विक कारकों और घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर निर्भर करेगी शेयर बाजार की चाल

दिग्गज कंप नियों के प रिणामों पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद इस सप्ताह में निवेशकों की नजर प्रमुख वैश्विक कारकों और घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर टिकी रहेगी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर हर दिन आ रहे अलग-अलग बयानों से बाजार में जारी अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव प्रमुख कारक होंगे। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में काफी उठापटक देखने को मिली, जहां एक दिन बाजार में तेजी दर्ज हुई तो अगले ही दिन वह फिसलता दिखा। यह रुझान मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर आ रहे परस्पर विरोधी बयानों के कारण रहा, जिसने निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित किया। इस सप्ताह में भी इन वैश्विक घटनाक्रमों पर बाजार की पैनी नजर रहेगी, क्योंकि भू-राजनीतिक खबरें बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी। घरेलू मोर्चे पर अप्रैल माह के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े सप्ताह के दौरान जारी होने हैं। ये आंकड़े देश की आर्थिक गतिविधियों और औद्योगिक वृद्धि की तस्वीर पेश करेंगे, जिसका सीधा असर निवेश धारणा पर पड़ सकता है। यदि आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहे तो बाजार को गति मिल सकती है, अन्यथा नकारात्मक प्रभाव भी संभव है। इसके अलावा कुछ दिग्गज कंपनियों, जैसे ओएनजीसी और इंडिगो, के वित्तीय परिणाम भी सामने आने वाले हैं। इन परिणामों से कंपनियों के प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को लेकर तस्वीर साफ होगी, जो बाजार के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा समय में बाजार का सेंटिमेंट धीरे-धीरे सुधर रहा है और निवेशक हर गिरावट को खरीदारी के अवसर के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, उन्होंने ट्रेडर्स को सलाह दी है कि वे इस सप्ताह बेहद चुनिंदा शेयरों में ही हाथ डालें और जोखिम प्रबंधन का पूरा ध्यान रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार पूरी तरह से वैश्विक खबरों और भू-राजनीतिक गतिविधियों के अनुसार चल रहा है।

बीते सप्ताह कमजोर रुपया और बढ़ती मांग से तेल-तिलहन बाजार में मजबूती

आयातकों का घाटा घटने से भी मिली कीमतों को मदद, भविष्य में रकबा बढ़ने के आसार

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह रुपये के मूल्य में गिरावट और देश में बढ़ती मांग के चलते बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के दाम मजबूत रहे। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से आयातित खाद्य तेल महंगे हो गए, जबकि घरेलू मांग ने स्थानीय तिलहन बाजारों को भी सहारा दिया। बाजार सूत्रों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट ने आयातित सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन जैसे तेलों को महंगा कर दिया। आयातकों ने भी लागत से नीचे माल बेचने का घाटा कम किया, जिससे इनके भाव में मजबूती आई। घरेलू मोर्चे पर सूरजमुखी तेल में वैश्विक वृद्धि के बाद मूंगफली की मांग बढ़ने से इसके दाम सुधरे, हालांकि यह अभी भी एमएसपी से नीचे है। बिनौला तेल में भी सुधार दिखा, क्योंकि उत्तर भारत की बंद मिलों के चलते महाराष्ट्र से महंगी आपूर्ति करनी पड़ रही है। वहीं, शुरुआत में कम भाव रहने से सरसों की खपत और पेराई में तेजी आई, जिससे इसके तेल-तिलहन के भाव मजबूत हुए। अच्छे दाम मिलने से उत्साहित किसान भविष्य में सरसों, सोयाबीन और कपास की खेती का रकबा बढ़ा सकते हैं। यह कदम देश को तेल-तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बचाने में सहायक हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 450 रुपये के सुधार के साथ 7,625-7,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 800 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 115-115 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,575-2,675 रुपये और 2,575-2,720 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 325-325 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 7,625-7,675 रुपये और 7,275-7,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 75 रुपये सुधार के साथ 15,900 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 35 रुपये सुधार के साथ 12,310 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ISSF विश्व कप में मनु भाकर और स्वप्रिल कुसाले करेंगे भारतीय टीम की अगुवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले की अगुवाई में 35 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम 24 से 30 मई तक जर्मनी के म्यूनिख में होने वाले ISSF विश्व कप 2026 में प्रतिस्पर्धा करेंगी। म्यूनिख निशानेबाजी स्पर्धा राइफल और पिस्टल शूटर्स के लिए इस साल का दूसरा ISSF विश्व कप है।भारत ने पिछले महीने स्पेन के ग्रेनाडा में हुए पहले विश्व कप में मुकेश नेलावल्ली और पलक गुलिया ने 10मी एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

पेरिस 2024 मेडलिस्ट मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले के शामिल होने से म्यूनिख लेग से पहले इंडियन टीम मजबूत हुई है। दोनों ने ग्रेनाडा में सीजन-ओपनर में हिस्सा नहीं लिया था।स्वप्रिल ने दो साल पहले 50मी राइफल थ्री पोजीशन में ओलंपिक कांस्य पदक जीता था। अब वह अपनी पसंदीदा स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। मनु भाकर महिलाओं की 10मी एयर पिस्टल और 25मी पिस्टल स्पर्धा में हिस्सा लेंगी, इसके अलावा 10मी एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लेंगी। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और एशियन गेम्स मेडलिस्ट ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर भी टीम में वापस आ गए हैं, जबकि सरबजोत सिंह, जिन्होंने पेरिस 2024 में 10मी पिस्टल मिक्स्ड टीम कांस्य पदक के लिए मनु के साथ पार्टनरशिप की थी, बाहर बैठेंगे।

भारत की पुरुषों की 10मी एयर पिस्टल लाइन-अप में वर्ल्ड चैंपियन सम्राट राणा शामिल हैं। सुरुचि सिंह, जो 2025 में तीन बार आईएसएसएफ वर्ल्ड कप विनर और वर्ल्ड कप फाइनल चैंपियन रह चुकी हैं, महिलाओं और मिक्स्ड 10मी एयर पिस्टल में हिस्सा लेंगी। ओलंपियन ईशा सिंह, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में इंडिविजुअल गोल्ड मेडल जीता था, 10मी और 25मी पिस्टल में हिस्सा लेंगी। ढ्रुस्स्र विश्व कप में प्रत्येक स्वर्ण पदक विजेता साल के आखिर में होने वाले ढ्रुस्स्र विश्व कप फाइनल के लिए क्वालिफाई करता है, जो दिसंबर में इटली के रोम में होगा।

गुरिंदरवीर ने रचा इतिहास, 100 मीटर में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

रांची (एजेंसी)। पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने यहां के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप के फाइनल में 100 मीटर दौड़ को केवल 10.09 सेकंड में ही पूरा कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना दिया। इसी के साथ ही यह उपलब्धि हासिल करने वाले गुरिंदरवीर पहले भारतीय धावक बन गए हैं। गुरिंदरवीर ने 100 मीटर की रेस को 10.10 सेकंड के अंदर पूरा किया जो भारतीय ट्रैक एंड फील्ड इतिहास में पहली बार हुआ है। वहीं पहले सेमीफाइनल में अनिमेष कुजूर ने 10.15 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जबकि गुरिंदरवीर ने 10.17 सेकंड में दौड़ पूरी की थी। यह अपने आप में एक कड़े मुकाबले का संकेत था पर फाइनल में गुरिंदरवीर ने अपनी पूरी वापसी करते हुए, 10.09 सेकंड समय निकालर कर इतिहास रचा, बल्कि अनिमेष के 10.20 सेकंड के समय को भी पीछे छोड़ दिया।

गुरिंदरवीर की दौड़ की शुरुआत अविश्वसनीय रूप से तेज रही और उन्होंने पूरी रेस में अपनी बढ़त बनाए रखी। फिनिश लाइन पार करते ही, उन्होंने जोश में अपनी जर्सी से बिब नंबर निकालकर ट्रैक पर फेंक दिया और जोरदार अंदाज में अपनी ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया। उनके बिब पर स्पष्ट रूप से लिखा था, 'काम अभी पूरा नहीं हुआ' और उसके नीचे '10.10S' अंकित था, जिसे उन्होंने शानदार तरीके से पार कर दिखाया। यह उनके निजी लक्ष्य और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।यह उपलब्धि गुरिंदरवीर के लिए एक लंबा और चुनौतीपूर्ण सफर दर्शाती है। तीन साल पहले, उन्हें पाचन संबंधी गंभीर बीमारी के कारण एक साल तक ट्रैक से दूर रहना पड़ा था। उस मुश्किल समय में उन्हें सिस्टम से ज्यादा समर्थन नहीं मिला, लेकिन बाद में रिलायंस फाउंडेशन से जुड़ने के बाद उनकी ट्रेनिंग, फिटनेस और प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि अनिमेष और अन्य साथी खिलाड़ियों के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा ने उन्हें लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया है, जिससे भारतीय स्प्रिंटिंग में एक नया जोश पैदा हुआ है। अब इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ, गुरिंदरवीर और अनिमेष दोनों ने आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वालिफिकेशन मार्क को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। यह दोनों धावकों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर है।

आईपीएल 2026 में लगे सबसे ज्यादा छक्के

–वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक छाये रहे

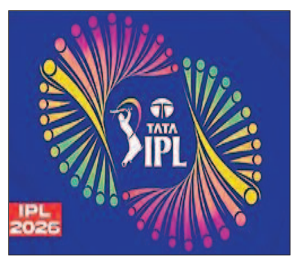

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने आक्रामक अंदाज के लिए सनरासइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी छाये रहे हैं। इन दोनो ने ही जमकर चौके और छक्के लगाये हैं। इन दोनो के अलावा अन्य बल्लेबाज भी चौके और छक्के लगाने में पीछे नहीं रहे। लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बाद, इस सत्र में कुल 1305 छक्के दर्ज लगे हैं। इससे पिछले साल 2025 में लगे 1294 छक्कों का रिकॉर्ड टूट गया।

यह आईपीएल के इतिहास में पहला अवसर है जब किसी एक सत्र में 1300 से अधिक छक्के लगे हैं। ये इस टूर्नामेंट में बढ़ती आक्रामकता और पावर-हिटिंग के बढ़ते चलन को दर्शाता है। अभी लीग चरण के दो और प्लेऑफ के चार मुकाबले बाकी हैं, जिससे उम्मीद है कि यह आंकड़ा 1400 के पार भी पहुंच सकता है, जिससे यह सीजन और भी यादगार बन जाएगा।

रॉयल्स के मात्र 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने अब तक 53 छक्के लगाए हैं। यह एक आईपीएल सीजन में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। वैभव की नजरें अब वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल के एक आईपीएल सीजन में 59 छक्कों के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे वह तोड़ने के बेहद करीब हैं।

वैभव के अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रमक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने भी छक्कों की झड़ी लगाई है। उन्होंने अब तक आईपीएल 2026 में 43 छक्के लगाये हैं और उनकी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, जिससे उन्हें अपने छक्कों की संख्या बढ़ाने के कई और मौके मिलेंगे। शीर्ष पांच छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में इन दो भारतीय सितारों के अलावा, रायन रिकेल्टन 37, मिचेल मार्श 36 और कूपर कोनोली 32 जैसे विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी टीमों के लिए अहम योगदान दिया है।

आईपीएल में छक्कों का बढ़ता ग्राफ साफ तौर पर देखा जा सकता है- जहां 2023 में 1124 छक्के लगे थे, वहीं 2024 में यह संख्या 1260 तक पहुंची, पिछले सीजन 2025 में 1294 छक्के दर्ज किए गए, और अब 2026 में यह आंकड़ा 1305 तक पहुंच चुका है। यह सीजन बल्लेबाजों के दबदबे और आक्रामक क्रिकेट का पर्याय बन गया है।

राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 30 रन से हराया, प्लेऑफ में पहुंची

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 30 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही राजस्थान रॉयल्स ने प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 205 रन बनाए। टीम के लिए ध्रुव जुरेल ने 38 रन, जोफ्रा आर्चर ने तेज़ 32 रन और दसुन शनाका ने 29 रनों की विस्फोटक पारी खेली। वहीं रवींद्र जडेजा ने नाबाद 19 और नंद्रे बर्गर ने 3 गेंदों में 10 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई की ओर से दीपक चाहर और शार्दूल ठाकुर ने 2-2 विकेट हासिल किए।

206 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही। रोहित शर्मा बिना खाता खोले आउट हो गए। हालांकि सूर्यकुमार यादव ने 60 रन और हार्दिक पंड्या ने 34 रनों की तेज़ पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। विल जैक्स ने भी 33 रन बनाए, लेकिन टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 175 रन ही बना सकी। राजस्थान की जीत के हीरो जोफ्रा आर्चर रहे, जिन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 3 विकेट झटके। ब्रिजेश शर्मा और यश पुंजा ने 2-2 विकेट लेकर मुंबई की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। राजस्थान ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लखनऊ सुपरजायंट्स करेगी बदलाव, ऋषभ को कप्तानी से हटाया जाना तय

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत की कप्तानी में लगातार दसरे सत्र में भी लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम का प्रदर्शन आईपीएल में बेहद खराब रहा है और टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। पंजाब किंग्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच में मिली करारी हार के साथ ही टीम का सफर भी समाप्त हो गया।

सुपरजायंट्स की टीम लीग में केवल 4 मैच जीतकर 8 अंकों के साथह ही अंतिम स्थान पर रही, ऐसे में कप्तान ऋषभ पंत पर गाज गिरनी तय है। माना जा रहा है कि अब प्रबंधन ऋषभ को कप्तानी से हटाने जा रहा है। प्रबंधन अगले सत्र को देखते हुए बड़े बदलाव कर सकता है। टीम के डायरेक्टर टॉम मूडी ने संकेत दिये हैं कि अगले सत्र में टीम नये कप्तान के साथ उतरेगी।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद मूडी ने स्पष्ट किया, जहां तक नेतृत्व की बात है, जिसमें बदलाव को लेकर गंभीरता से विचार किया जाएगा। ऐसा लगता है कि हमें एक नए सिरे से शुरुआत करने पर विचार करने की आवश्यकता है। इस बयान से साफ है कि ऋषभ की कप्तानी जाना तय है।

इस आक्रामक विकेट कीपर बल्लेबाज को हटाए जाने के कई कारण बताए हैं। उनमें से एक ये भी है कि कप्तानी के दबाव में उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हुई है।

मेगा नीलामी के लिए लखनऊ ने एक अच्छी टीम तैयार की थी पर वह खिलाड़ियों का सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पाये। इस्तेमाल करने में नाकाम साबित हुए। उनके कई फैसले भी गलत रहे। वह स्वयं सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे। जिसके कारण निकोलस पूरन को मध्यक्रम में उतारा गया पर ये प्रयोंग विफल रहा। इसके बाद पूरन को तीसरे नंबर पर उतरा गया। इस प्रकार ये सत्र बल्लेबाजी क्रम में बदलाव में ही रह गया। इसा पूरा नुकसान टीम को हुआ। इस तरह पूरे सत्र में कप्तान केवल टीम संयोजन में ही लगे रहे। इससे टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। इसी कारण ऋषभ को कप्तानी खोनी पड़ रही है।

ऋषभ का स्वयं का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। वहीं आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैचों में 138.05 की साधारण स्ट्राइक रेट से केवल 312 रन बनाए, जिसमें वह सिर्फ एक बार 50 रन से ऊपर पहुंच पाये। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन खराब रहा और वह केवल 269 रन बना पाये थे। इससे साफ है कि कप्तानी के बोझ से उनकी बल्लेबाजी प्रभवित हो रही है।

बेटे अर्जुन के अच्छे प्रदर्शन पर उत्साहित सचिन ने लिखा भावुक संदेश

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मैच में ही खेलने का अवसर मिला जिसमें अर्जुन ने शानदार गेंदबाजी की। इससे उनके पिता सचिन भी भावुक हो गये। हो भी क्यों न आखिरकार 13 मैचों के इंतजार के बाद उनके बेटे को अवसर मिला जिसमें उसने अपने को साबित कर दिया। अर्जुन ने इस मैच में चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट लिया। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित सचिन ने अपनी भावनाएं सोशल मीडिया के जरिये जाहिर की है। अर्जुन लखनऊ के लिए सबसे कम रन देने वाले गेंदबाज रहे। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर सचिन ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, शाबाश, अर्जुन! इस सीजन में आपने जिस तरह से अपने को संभाला, उस पर मुझे गर्व है। आपने हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखा, धैर्य बनाए रखा, चुपचाप कड़ी मेहनत की और अंतिम मैच तक अवसर मिलने का इंतजार करने के बाद भी सकारात्मक बने रहे। सचिन ने आगे कहा, क्रिकेट में कौशल के साथ-साथ धैर्य की भी परीक्षा होती है और आज आपने दोनों को बखूबी निभाया। अपने पैर जमीन पर रखें और हमेशा की तरह खेल के प्रति अपना प्यार बनाए रखें। हमेशा आपके लिए मेरा स्नेह रहेगा। अर्जुन के प्रभावी प्रदर्शन के बाद भी हालांकि सुपरजायंट्स इस मैच में जीत हासिल नहीं कर पायी।

एरिक सिमंस बोले वापसी का फैसला खुद माही ही करेंगे

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल सत्र में खेलने को लेकर बड़ा बयान दिया है। सिमंस ने साफ कहा कि धोनी खुद तय करेंगे कि वह कब और कैसे मैदान पर वापसी करेंगे। उन्होंने बताया कि पैर की चोट के कारण 44 वर्षीय धोनी इस सत्र में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए, लेकिन नेट अभ्यास के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया। जब सिमंस से पूछा गया कि क्या धोनी अगले सीजन में उपलब्ध रहेंगे, तो उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि यह फैसला पूरी तरह धोनी पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि चोट की वजह से धोनी को दौड़ने में काफी परेशानी हो रही थी, जिसके कारण वह मैच नहीं खेल सके। हालांकि, नेट्स में उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी ही नजर आ रही थी। सिमंस ने दोहराया कि धोनी हमेशा अपनी फिटनेस और टीम की जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई फैसला लेते हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर सिमंस ने कहा कि धोनी कभी व्यक्तिगत उपलब्धियों को प्राथमिकता नहीं देते। उनके अनुसार, अगर धोनी को लगता है कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं तो वह नहीं खेलेंगे, लेकिन यदि वह खुद को तैयार महसूस करेंगे तो निश्चित रूप से मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि धोनी हमेशा टीम के हित को सबसे ऊपर रखते हैं और उनका खेलना टीम के लिए फायदेमंद साबित होता है। सिमंस ने इस सीजन में टीम की फील्डिंग को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि चेन्नई सुपर किंग्स की फील्डिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं रही, जबकि टीम ने इस विभाग में काफी मेहनत की थी। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम ने कई शानदार कैच लिए, लेकिन कुछ आसान मौके भी गंवाए, जिसने उन्हें निराश किया। सिमंस के मुताबिक फील्डिंग कोच अब इस बात का विश्लेषण करेंगे कि टीम को आगे कैसे बेहतर किया जाए।

आईपीएम की चौथी टीम के लिए रॉयल्स सबसे बड़ी दावेदार

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में जहां प्लेऑफ के लिए लिए पहले तीन स्थान तय हो गये हैं। वहीं चौथे स्थान के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच मुकाबला है। इन तीनों में से, राजस्थान रॉयल्स की दावेदारी सबसे मजबूत है। उसके पास अपने बल पर प्लेऑफ में पहुंचने का सबसे अच्छा अवसर है। यदि राजस्थान मुंबई इंडियंस (एमआई) को हरा देती है, तो सीधे शीर्ष 4 में पहुंच जाएगी। वहीं अगर वह यह मैच हार जाते हैं, तो बाहर हो जाएगी। ऐसे में चौथे स्थान के लिए पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच टक्कर होगी और इसमें नेट रन रेट से फैसला होगा। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए प्लेऑफ्स का रास्ता थोड़ा जटिल है और कई समीकरणों पर निर्भर करता है। उन्हें न सिर्फ अपने आखिरी मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को हर हाल में हराना होगा, बल्कि यह भी उम्मीद करनी होगी कि मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स को हरा दे। वहीं पंजाब किंग्स पहले ही अपने सभी लीग मुकाबले खेल चुकी है और उसके 15 अंक हैं।

आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज बने शमी

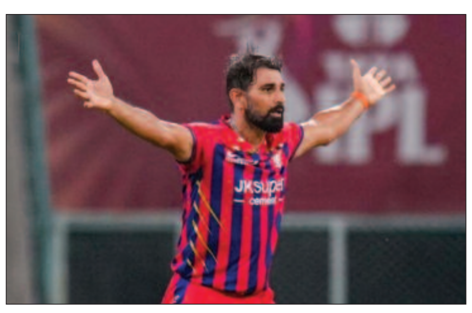

लखनऊ । अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड है जो अन्य किसी भी गेंदबाज के नाम नहीं है। शमी आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए शमी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या को अर्जुन तेंदुलकर के हाथों कैच कराकर ये रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इस मामले में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का रिकॉर्ड तोड़ा है। आर्चर ने तक पांच बार इस लीग में पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। वहीं शमी ने छठी बार पहली गेंद पर विकेट लेकर अपनी श्रेष्ठता साबित की और यह दिखाया है कि पहले ओवर में बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना कितना कठिन होता है। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि उनकी निरंतरता और हर मैच की शुरुआत में ही प्रभाव छोड़ने की उनकी क्षमता का प्रमाण है। शमी के इस आईपीएल सत्र के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 13 मैचों में 12 विकेट लिए, जिसमें उनका इकोनॉमी रेट 9 का रहा। पिछला सत्र हालांकि उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। जिसके बाद बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ट्रेड कर दिया था। इस सीज़न में उनकी शुरुआत काफी अच्छी रही, हालांकि वह एक मैच से बाहर रहे।

राहुल द्रविड़ ने क्रिकेट के साथ परिवार को भी दी मजबूत पहचान

– बेटे आगे बढ़ा रहे विरासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्रिकेट जगत में 'दीवार' के नाम से जाना जाता है। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर जितना शानदार रहा, उतना ही प्रेरणादायक उनका कोचिंग सफर भी रहा है। संन्यास के बाद द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी को तैयार करने का जिम्मा संभाला और अंडर-19 टीम के कोच के रूप में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तराशा। उनकी कोचिंग में पृथ्वी शॉ की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंडर-19 विश्व कप जीता, जिसमें शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी शामिल थे। बाद में उन्होंने सीनियर टीम के मुख्य कोच के रूप में रोहित शर्मा के साथ मिलकर भारतीय टीम को नई सफलताएं दिलाईं। वर्ष 2024 में टी-20 विश्व कप जीत के साथ उनका कार्यकाल यादगार अंदाज में समाप्त हुआ।

11 जनवरी 1973 को इंदौर में जन्मे राहुल द्रविड़ मराठी ब्राह्मण परिवार से आते हैं। उनके पिता शरद द्रविड़ एक खाद्य कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थे, जबकि उनकी मां पुष्पा द्रविड़ इंजीनियरिंग कॉलेज में आर्किटेक्चर की प्रोफेसर थीं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का माहौल रहा, जिसका असर राहुल के व्यक्तित्व में भी साफ दिखाई देता है। उनके छोटे भाई विजय द्रविड़ ने भी शुरुआती दिनों में उनका पूरा साथ दिया। साल 2003 में राहुल द्रविड़ ने नागपुर की सर्जन डॉ. विजेता पेंढारकर से विवाह किया। दोनों की मुलाकात पारिवारिक संबंधों के जरिए हुई थी। शादी के बाद विजेता ने मेडिकल पेशे के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी संभालीं। राहुल कई बार कह चुके हैं कि उनकी सफलता में पत्नी का बड़ा योगदान रहा है। दंपति के दो बेटे हैं, समित द्रविड़ और अन्वय द्रविड़। राहुल हमेशा अपने बच्चों को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखते आए हैं और उन्हें सामान्य जीवन देने की कोशिश करते हैं।

अब द्रविड़ परिवार की क्रिकेट विरासत उनके बेटे आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। समित द्रविड़ एक ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं और कर्नाटक की आयु वर्ग टीमों के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कूच बेहार ट्रॉफी में बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव छोड़ा। वहीं छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में पहचान बना रहे हैं। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी में बेहतरीन बल्लेबाजी की और कर्नाटक टीम की कप्तानी भी संभाली। इस तरह राहुल द्रविड़ की क्रिकेट यात्रा अब नई पीढ़ी के जरिए आगे बढ़ती दिखाई दे रही है।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज हारते ही पाकिस्तान टीम पर बरसे कोच सरफाराज

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच सरफाराज अहमद ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली 2-0 की शर्मनाक हार पर निराशा जताते हुए टीम को कड़ी फटकार लगायी है। सिलहट में हुए दूसरे और अंतिम टेस्ट में 58 रन से मिली हार के बाद सरफराज ने टीम बैठक में खिलाड़ियों की नकारात्मक मानसिकता और व्यक्तिगत प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। इस दौरान टीम मैनेजर नवेद चीमा और सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी उपस्थित थे। सरफराज ने विशेष रुप से बल्लेबाजों पर निशाना साधा और कहा कि खिलाड़ी केवल अपने आंकड़ों के लिए खेलते दिखे। कही भी ऐसा नहीं लगा कि टीम के लिए खेल रहे हों। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा होना चाहिए पर उसका लाभ टीम को नहीं मिले तो कोई मतलब नहीं निकलता। । पूरी सीरीज में टीम का एक भी बल्लेबाज 200 रन तक नहीं पहुंच सका। केवल युवा अजान अवैस ने ही शतक लगाया। कोच ने सीनियर खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी से नहीं खेलने का भी आरोप लगाया। रिपोर्ट के अनुसार सरफराज, कप्तान शान मसूद की खराब कप्तानी से भी नाराज दिखे। उन्होंने मैदान पर फैसले लेने में कमजोरी और डिआरएस रिव्यू नहीं लेने जैसे मामलों पर भी सवाल उठाये। गौरतब है कि दूसरे टेस्ट में पाक टीम ने बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम और लिटन दास के खिलाफ अहम रिव्यू नहीं लिया जब लिटन दास 52 रन पर थे पर बाद में , उन्होंने 126 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। बांग्लादेश ने इससे 6 विकेट पर 116 रनों के बाद भी मैच में वापसी कर ली। ये भी कहा जा रहा है कि सरफराज जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे तक मुख्य कोच बने रहेंगे। पाक टीम को वेस्टइंडीज में वहां दो टेस्ट मैच खेलने हैं, जिसके बाद इंग्लैंड दौरा भी होना है। इस दौर में शॉन मसूद यायद ही कप्तान रहें। उनकी कप्तानी में पाक टीम 16 टेस्ट में से 12 हारी है।

श्रेयस अय्यर ने बनाया खास रिकॉर्ड, आईपीएल में लक्ष्य हासिल करते हुए शतक लगाने वाले चौथे कप्तान बने

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (PBKS) के कप्तान श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के इतिहास में रन चेज करते हुए सेंचुरी बनाने वाले चौथे कप्तान बन गए हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ 'करो या मरो' वाले मैच में अय्यर, वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली और संजू सैमसन के साथ IPL की एक खास लिस्ट में शामिल हो गए। उन्होंने 51 गेंदों में 101* रन बनाए जिसमें 11 चौके और 5 छक्के शामिल थे, और उनका स्ट्राइक रेट 198.04 रहा।

इससे पहले रन चेज़ करते हुए शतक लगाने वाले कप्तान वीरेंद्र सहवाग (2011 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 119 रन), विराट कोहली (2016 में राइजिंग पुणे सुपर जायंट के खिलाफ 108* रन) और संजू सैमसन (2021 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 119 रन) थे। अय्यर, केएल राहुल (2020 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 132*) और एडम गिलक्रिस्ट (2011 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 106 रन) के बाद IPL में शतक लगाने वाले तीसरे PBKS कप्तान भी बन गए हैं। इतना ही नहीं अय्यर ने टी20 क्रिकेट में अपने 7000 रन भी पूरे कर लिए हैं। अब तक 254 टी20 मैचों की 247 पारियों में अय्यर ने 35.02 की औसत और 135 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 7,076 रन बनाए हैं जिसमें चार सेंचुरी और 48 अर्धशतक शामिल हैं।

मौजूदा IPL सीजन में अय्यर ने 13 पारियों में 55.33 की औसत और 168.01 के स्ट्राइक रेट से 498 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 101* है। पंजाब किंग्स (PBKS) के लिए अय्यर ने 31 मैचों की 30 पारियों में 52.47 की औसत और 172 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1102 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं।

मैच की बात करें तो PBKS ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जोश इंग्लिस (44 गेंदों में 72 रन, 9 चौके और दो छक्के), आयुष बडोनी (18 गेंदों में 43 रन, 5 चौके और 3 छक्के) और अब्दुल समद (20 गेंदों में 37* रन, तीन चौके और तीन छक्के) की तूफानी पारियों की बदौलत टीम 20 ओवरों में 196/6 के स्कोर तक पहुंच गई। PBKS की तरफ से युजवेंद्र चहल (2/25) और मार्को जानसेन (2/33) सबसे सफल गेंदबाज रहे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अय्यर (51 गेंदों में 101* रन, 11 चौके और 5 छक्के) और प्रभसिमरन सिंह (39 गेंदों में 69 रन, सात चौके और दो छक्के) टीम के हीरो साबित हुए। उन्होंने टीम को एक बेहद जरूरी जीत दिलाई जिससे उनकी लगातार छह मैचों की हार का सिलसिला टूट गया। टीम ने 7 विकेट और दो ओवर शेष रहते यह जीत हासिल की।

PBKS पॉइंट्स टेबल में 7 जीत और छह हार के साथ 15 अंकों के साथ चौथे स्थान पर वापस आ गई है। अगर आज राजस्थान रॉयल्स (RR) मुंबई इंडियंस (MI) को हरा देती है तो PBKS टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी और RR 16 अंकों के साथ चौथा प्लेऑफ स्थान हासिल कर लेगी। अगर RR हार जाती है, तो कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को दिन के दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स (DC) को बड़े अंतर से हराना होगा ताकि वे नेट-रन-रेट के मामले में PBKS से आगे निकल सकें और 15 अंकों के साथ उनकी बराबरी करके चौथा प्लेऑफ स्थान हासिल कर सकें। अब पंजाब किंग्स की किस्मत इन दो मैचों पर निर्भर है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3899

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3898 का हल

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा-पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

पापा- बेवकूफ, क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

फिल्म वर्ग पहेली - 3899

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3898

अ	न	मो	ल	■	फि	जा	■	य	श
भ	■	ह	व	स	■	न	र्गि	स	■
य	■	ब्ब	■	नी	ल	म	■	बॉ	बी
■	जी	तें	द्र	■	ड़ा	■	जीं	स	■
घा	त	■	■	आ	ई	ना	■	■	मु
त	■	आ	वा	रा	■	रा	जा	जा	नी
क	री	ना	■	ध	■	ज	■	■	म
■	ना	■	बे	ना	म	■	मौ	■	जी
हे	■	दा	ता	■	हि	रा	स	त	■
मा	या	■	ब	ल	मा	■	म	■	माँ

सूडोकु -3899

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3898 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली -3899

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -3898 का हल

■	रा	ज	क	पू	र	■	अ	च	र	ज
ज	य	■	रा	■	क्षि	ति	ज	■	त	ला
ना	■	अ	मा	न	त	■	र	वा	■	व
न	सी	ह	त	■	व	ह	■	म	का	न
खा	■	म	■	र	न	र	■	■	ल	■
ना	म	क	र	ण	■	स	ला	ह	का	र
■	हा	■	■	वी	रा	ना	■	र	■	ज
का	न	न	■	र	ज	■	अ	जा	ग्र	त
म	■	र	ज	■	घ	ब	रा	ना	■	प
का	र	■	ग	ज	रा	■	ज	■	प	ट
ज	न	म	त	■	ना	ट	क	का	र	■

रोज की कुछ आदतें करती हैं धीमे जहर की तरह काम, सुधार न करने पर होता है सेहत को नुकसान

अच्छी सेहत बनाने के लिए हम सभी कोशिश में लगे रहते हैं। जिम जाते हैं, डाइटिंग करते हैं और भी बहुत कुछ। हालांकि, कई बार हमारी रोजमर्रा की आदतें (Harmful Daily Habits) ही हमारे स्वास्थ्य के लिए धीमे जहर का काम करती हैं। ये आदतें इतनी सामान्य होती हैं कि हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन समय के साथ इनका असर हमारे स्वास्थ्य पर दिखाई देना शुरू हो जाता है। आइए देखें कि कौन-सी आदतें (Poisonous Habits) हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

गलत खान-पान की आदतें

ज्यादा तला हुआ खाना- तला हुआ खाना ज्यादा कैलोरी और अनहेल्दी फैट से भरपूर होता है, जो दिल की बीमारियों और मोटापे का कारण बन सकता है।

ज्यादा चीनी खाना- ज्यादा चीनी खाने से मोटापा, डायबिटीज और दांतों की समस्याओं से जुड़ा होता है।

नियमित भोजन न करना- समय पर खाना न खाने से पाचन समस्याएं और कमजोरी होती है।

ज्यादा नमक खाना- ज्यादा नमक खाना हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकता है।

कम शारीरिक गतिविधि

बैठे रहने की आदत- लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहना मोटापा, दिल की बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की वजह बन सकता है।

एक्सरसाइज न करना- भले ही दिनभर एक जगह न बैठना पड़ता हो, लेकिन अगर एक्सरसाइज नहीं करेंगे, तो सेहत को नुकसान हो सकता है।

तनाव

ज्यादा तनाव- लंबे समय तक स्ट्रेस मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए हानिकारक हो सकता है।

स्ट्रेस मैनेजमेंट की कमी- तनाव का असरदार तरीके से मैनेज न करना कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

भावनाएं दबाना- अपने भीतर उमड़ रही भावनाओं को व्यक्त करने के बजाय, उन्हें अपने भीतर दबाकर रखना सेहत को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाता है।

नींद की कमी

पूरी नींद न लेना कई स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा होता है, जैसे कि मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर और कमजोर इम्यून सिस्टम।

स्मोकिंग- स्मोकिंग फेफड़ों के कैंसर, दिल की बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण है।

शराब पीना- शराब पीने से लिवर को नुकसान, मोटापा और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं।

ज्यादा दवा खाना

अनियंत्रित दवा लेना- हर छोटी-छोटी परेशानी के लिए दवा लेना स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

खुद से दवा लेना- किसी भी परेशानी के लिए बिना डॉक्टर से पूछे दवा लेना हानिकारक हो सकता है।

इन रोजमर्रा की आदतों से बचने के लिए, हमें अपनी लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। नियमित व्यायाम, हेल्दी खाना, पूरी नींद, स्ट्रेस मैनेजमेंट जैसी आदतों को अपनाकर स्वास्थ्य में सुधार किया जा सकता है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W — Rs. 750/- (Per Sq. cm)
DISPLAY COLOR — Rs. 750/- + 50% Extra (Per Sq. cm)
CLASSIFIED DISPLAY — Rs. 75/- (Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.
CLASSIFIED Run On words — Rs. 15/- (Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'हूज योर गायनिक सीजन 2' में नजर आएंगी सबा आजाद

अभिनेत्री सबा आजाद जल्द ही कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'हूज योर गायनिक सीजन 2' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे 'डॉ. विदुषी कोठारी' की भूमिका निभाती नजर आएंगी। आगामी सीजन को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि सीरीज का मुख्य उद्देश्य उन विषयों पर चर्चा करना है, जिन्हें अक्सर बंद कमरों की चर्चा माना जाता है। उन्होंने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया, 'सीजन-1 ने सेक्स एजुकेशन और महिलाओं के स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद शुरू किया था। सीजन-2 भी उसी मूल विचार को कायम रखेगा। समाज इन चर्चाओं को जगह मिलना बहुत जरूरी है।'

जब अभिनेत्री से सवाल पूछा, 'आज के समय में भी समाज के लिए एक स्वतंत्र और महत्वकांक्षी महिला को स्वीकार करना कठिन है?'

इस पर अभिनेत्री का कहना है कि भले ही हम बड़े शहरों में रहते हों, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी पितृसत्तात्मक है। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को पुरुषों के बराबर सम्मान पाने के लिए आज भी दोगुना मेहनत करनी पड़ती है। समाज आज भी महिलाओं के फैसलों पर बहुत जल्द अपनी राय बना लेते हैं। हमारा सामाजिक ढांचा पारंपरिक रूप से पुरुषों की सफलता को केंद्र में रखकर बनाया गया है।' उन्होंने आगे लिखा, 'हमारे देश के कई हिस्सों में महिलाओं को आज भी आजादी से काम करने या अपने फैसले खुद लेने की अनुमति नहीं है। हो सकता है कि शहरों में हमें यह सच्चाई हमेशा दिखाई न दे, लेकिन यह मौजूद है। इसलिए महिलाओं को पेशेवर और घर दोनों जगह लगातार खुद को साबित करना पड़ता है। अगर वे काम करती हैं, तो लोग उन पर उंगलियां उठाते हैं। अगर वे काम नहीं करतीं, तो उन्हें फिर से परखा जाता है।' सबा का मानना है कि कुछ लड़कों की परवरिश अक्सर इसी मानसिकता के साथ की जाती है कि वे महिलाओं से बेहतर हैं। ऐसे में जब उनका सामना एक सशक्त और स्वतंत्र विचार वाली लड़की से होता है, तो उनके अहंकार को ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा, 'सच बात तो ये है कि ऐसे पुरुषों को महिलाओं को अपने से बराबर देखने की आदत नहीं होती, जिससे रिश्तों में तनाव पैदा होता है।'

'तुम्बाड' यूनिवर्स में हुई आलिया भट्ट की एंट्री!

फिल्म 'तुम्बाड 2' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टाराकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है।

आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने वाली हैं।

दूसरे पार्ट में कैमियो तीसरे में लीड रोल

खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर 'तुम्बाड 3' में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट

रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी और

इस दिन रिलीज होगी 'तुम्बाड 2'

वहीं, आदेश प्रसाद के निर्देशन में बन रही 'तुम्बाड 2' पहले पार्ट की रहस्यमयी और डरावनी कहानी को आगे बढ़ाएगी। फिल्म में हस्तर की श्रापित दुनिया और उससे जुड़े खतरनाक रहस्यों को और गहराई से दिखाया जाएगा। हाल ही में सोहम शाह और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट का ऐलान किया था। 'तुम्बाड 2' 3 दिसंबर 2027 को रिलीज होगी।

'लुटेरी दुल्हन' में खास किरदार निभाएंगी पूजा गौर

अभिनेत्री पूजा गौर जल्द ही एक नई वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में नजर आएंगी। इस सीरीज में उन्होंने सब-इंस्पेक्टर संध्या यादव का किरदार निभाया है, जो एक निडर और हिम्मती अधिकारी हैं। कहानी में वह मध्य प्रदेश में हो रहे कुछ अजीब और अनोखे अपराधों की जांच करती है। इस सीरीज में संध्या यादव के किरदार में पूजा गौर एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं।

पूजा गौर ने बताया कि उन्हें अपना यह किरदार बहुत पसंद आया क्योंकि इसमें बहुत भावनाएं जुड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'संध्या बाहर से जितनी सख्त और निडर दिखती है, अंदर से वह समाज के तानों, लोगों की उम्मीदों और खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रही है।' पूजा ने आगे कहा, 'वह सिर्फ एक केस नहीं सुलझा रही, बल्कि पुरुषों के वर्चस्व वाली इस दुनिया में महिलाओं को कमतर आंकने की सोच के खिलाफ अपनी पहचान की लड़ाई भी लड़ रही है।' पूजा ने आगे बताया कि सीरीज में उनके (संध्या) और 'माया' नाम के किरदार के बीच का तालमेल बहुत दिलचस्प है। दोनों कानून के अलग-अलग तरफ खड़ी हैं।

पूजा गौर ने शेयर किया ट्रेलर
पूजा गौर ने सोशल मीडिया पर इस सीरीज का ट्रेलर शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि हर गायब होने वाली दुल्हन के पीछे एक झूठ छिपा है और वह इस सच को सामने लाकर रहेंगी। 'लुटेरी दुल्हन' से पहले पूजा गौर को साकिब सलीम के साथ क्राइम ड्रामा सीरीज 'कप्तान' में देखा गया था। पूजा गौर को 'मन की आवाज प्रतिज्ञा' सीरियल से काफी प्रसिद्धि मिली है।

शाहिद कपूर की अगली फिल्म में नजर आ सकती हैं जान्हवी कपूर

शाहिद कपूर जल्द ही एक नई और मजेदार फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन अमित शर्मा कर रहे हैं, जो 'बधाई हो' और 'मैदान' जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं। जानिए इस फिल्म में शाहिद की जोड़ी किस अभिनेत्री के साथ बनेगी? शाहिद की आगामी फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है, जो बॉडी स्वैपिंग पर आधारित होगी। यह एक साइंस-फिक्शन फिल्म है। इसकी कहानी इटली की एक पुरानी फिल्म 'हस्बैंड एंड वाइफ' से मिलती-जुलती है। इसमें एक पति-पत्नी तलाक की कगार पर हैं। एक वैज्ञानिक का प्रयोग गलत हो जाता है और दोनों का शरीर आपस में बदल जाता है। अब पति पत्नी के शरीर में और पत्नी पति के शरीर में रहकर एक-दूसरे की जिंदगी जीने को मजबूर हो जाते हैं। इस दौरान वे हंसी-मजाक के साथ एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। फिल्म में कॉमेडी और परिवार का ड्रामा सब कुछ होगा।

कौन होगी शाहिद की अभिनेत्री?

शाहिद कपूर ने इस फिल्म को साइन कर लिया है। अभी मुख्य अभिनेत्री का रोल फाइनल नहीं हुआ है। बहरहाल, इस फिल्म के लिए कियारा आडवाणी और जान्हवी कपूर से बात चल रही है। अगर जान्हवी कपूर ने काम किया तो यह शाहिद के साथ उनकी यह पहली फिल्म होगी। इस फिल्म की शूटिंग 2026 के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। इसे 2027 के बीच में रिलीज किया जा सकता है।

बिहार की मिट्टी में सम्मानित होना सबसे बड़ी खुशी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री संजना पांडे को हाल ही में आयोजित प्रतिष्ठित 'जी भोजपुरी 2026' समारोह में उनकी फिल्म 'कलेक्टर साहिबा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (समीक्षक) और 'बहुमुखी अभिनेत्री' के सम्मान से नवाजा गया। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए से अपनी इस बड़ी उपलब्धि को शेयर करते हुए प्रशंसकों और फिल्म की टीम का आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पुरस्कार समारोह की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे अपनी ट्रॉफी के साथ गौरवान्वित महसूस करती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट किया कि उनके लिए केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक पल है।

अभिनेत्री ने लिखा, 'जिस बिहार की मिट्टी में आप पले-बढ़े हो और उसी से आपकी पहचान जुड़ी है, उसी धरती पर सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है।' अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए अपनी सफलता का श्रेय टीम दिया। उन्होंने फिल्म निर्देशक इशितयाक शेख बंटी और सह-अभिनेता गौरव झा का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने लेखक अरविंद तिवारी और फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और तकनीशियनों के प्रति भी आभार प्रकट किया। संजना ने कहा कि टीम वर्क और सबके समर्थन के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था।

संजना ने अपने संदेश के अंत में अपने परिवार, दर्शकों और ईश्वर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने एक लिखा, 'जब आप काम पूरी मेहनत शिद्दत और ईमानदारी से करते हो तो देखने वाले देख ही लेते हैं। जय भोजपुरी। जय भोजपुरी समाज।'

इशितयाक शैख बंटी द्वारा निर्देशित फिल्म में संजना पांडेय और गौरव झा के अलावा विनोद मिश्रा, अमित शुक्ला प्रकाश जैस, साहिल सिद्दीकी, सुबोध सेठ, रिंकू भर्ती, स्वीटी सिंह संतोष श्रीवास्तव, कंचन मिश्रा, निशा तिवारी और प्रेरणा सुषमा जैसे कलाकार हैं। संजना की इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म को टेलीविजन और यूट्यूब दोनों में प्रसारित किया था। यूट्यूब पर रिलीज के 13 घंटों के अंदर ही फिल्म को 18 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे।

चॉकलेटी इमेज से बाहर निकलना आसान नहीं था

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट हाल ही में एक्शन-स्पोर्ट ड्रामा सीरीज 'ग्लोरी' में नजर आए हैं। इस सीरीज में पुलकित बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए हैं। उन्होंने बॉक्सर की भूमिका निभाई है, जिसके लिए पुलकित ने खुद को फिजिकल और मेंटल तौर पर काफी तैयार किया है। अमर उजाला से बातचीत में पुलकित ने 'ग्लोरी' में अपने किरदार, तैयारी और अनुभव को लेकर विस्तार से बात की।

पुलकित ने बताया कि यह बदलाव उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'इस किरदार के लिए सबसे जरूरी चीज ईमानदारी थी और मैंने पूरी सच्चाई के साथ इस पर काम किया। जो कहानी कागज पर लिखी होती है, उसमें अपनी एक जान होती है और उसी को महसूस करके निभाना पड़ता है। शरीर को बदलना भी आसान नहीं था। पहले भी फिट रहा हूं, लेकिन एक खिलाड़ी जैसा दिखने के लिए आपको सच में उसी तरह की जिंदगी जीनी पड़ती है। सिर्फ बॉक्सर जैसा दिखना काफी नहीं है, आपको बॉक्सर बनना पड़ता है।'

कड़ी ट्रेनिंग और टीम का साथ

इस किरदार की तैयारी को लेकर पुलकित ने विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हैंड ग्लव्स पहनने के बाद तो मैं सच में उसी दुनिया में जी रहा था। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं कि जितनी मेहनत मैंने की, उसे सही तरह से दिखाने के लिए हमारे पास एक बहुत अच्छी टीम और शानदार निर्देशक थे। इसलिए नतीजा भी अच्छा आया है। दिन में दो से तीन बार ट्रेनिंग होती थी, जिसमें एक्सरसाइज, फिजियोथेरेपी और बॉक्सिंग की प्रैक्टिस शामिल थी। खास तौर पर स्पीड और रिएक्शन पर काम किया, क्योंकि बॉक्सर्स की यही ताकत होती है। सबसे ज्यादा ध्यान इस बात पर था कि कोई चोट न लगे, ताकि शूट न रुके। मेरी पूरी टीम ने पूरा साथ दिया। सेट पर भी बॉक्सिंग कोऑर्डिनेटर मानस हर समय मेरी फॉर्म पर नजर रखते थे।

पुलकित ने बॉक्सिंग के मानसिक पहलू पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब हम बॉक्सिंग की बात करते हैं, तो दिमाग में गुस्सा, पंच और एक-दूसरे को हराने की तस्वीर आती है। लेकिन रिंग में उतरकर समझ आता है कि यह बिल्कुल आसान नहीं है। रिंग के अंदर यह पूरी तरह दिमाग का खेल होता है। यह शतरंज की तरह है, जहां आपको सामने वाले खिलाड़ी की बॉडी लैंग्वेज और खेलने का तरीका समझना होता है, उसकी कमजोरियां पकड़नी होती हैं। उसे गलती करने पर मजबूर करना होता है। साथ ही सामने वाला भी आपके साथ यही कर रहा होता है। अगर आप पूरा बॉक्सिंग मैच देखें, तो समझ आएगा कि दोनों खिलाड़ी लगातार एक-दूसरे को पढ़ने की कोशिश करते रहते हैं। यह धैर्य और फोकस का खेल है।' अभिनेता ने आगे कहा कि बॉक्सिंग ने मुझे फोकस करना सिखाया है। पहले मैं ध्यान के लिए आंखें बंद करके बैठता था, लेकिन अब मैं सीधे स्पीड बैग के पास जाता हूं और पंद्रह मिनट उसी पर लगा रहता हूं। उस समय मेरा ध्यान कहीं और नहीं जाता। इस अनुभव ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और कई बातें ऐसी हैं, जिन्हें मैं अपनी असल जिंदगी में भी अपनाता हूं।

ग्लोरी मेरे करियर का गेम चेंजर

'ग्लोरी' को अपने करियर का गेम चेंजर बताते हुए पुलकित ने कहा कि ग्लोरी मेरे लिए लाइफ चेंजिंग भी है, गेम चेंजिंग भी और करियर के हिसाब से बहुत फुलफिलिंग है। मुझे पूरा भरोसा है कि हमने जो किया है, वह सही किया है। मैं हमेशा उम्मीद के साथ काम करता हूं, लेकिन इस बार मैं काफी संतुष्ट और बहुत खुश हूं।

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया में जमीन विवाद बना खूनी संघर्ष, सात की मौत के बाद सेना तैनात

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के दक्षिण–पश्चिमी इलाके सिल्विया में दो आदिवासी समुदायों के बीच जमीन विवाद हिंसक हो गया। इस संघर्ष में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हालात बिगड़ने के बाद सरकार ने 500 से अधिक सैनिकों और हवाई सहायता को इलाके में तैनात किया है। संघर्ष मिसाक और नासा आदिवासी समूहों के बीच हुआ, जो एक ही जमीन पर अपना दावा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने भी मामले पर चिंता जताते हुए शांति बनाए रखने की अपील की है। इलाके में पूर्व फार्क विद्रोही गुटों समेत कई अवैध सशस्त्र संगठन सक्रिय हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

तुर्किये की विपक्षी पार्टी में बढ़ा सत्ता संघर्ष, अदालत के फैसले से सियासत गरमाई

अंकारा, एजेंसी। तुर्किए की मुख्य विपक्षी पार्टी सीएचपी में नेतृत्व संकट गहरा गया है। अंकारा की अपील अदालत ने 2023 में हुए पार्टी सम्मेलन को रद्द कर दिया, जिसमें ओजेल को नया अध्यक्ष चुना गया था। अदालत के फैसले के बाद पूर्व अध्यक्ष कीमेल को अंतरिम रूप से फिर जिम्मेदारी दी गई है। विपक्ष ने इस फैसले को राजनीतिक साजिश बताया है। दूसरी ओर तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन की सरकार का कहना है कि अदालत स्वतंत्र रूप से काम कर रही है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इस्तांबुल के मेयर और एर्दोआन के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी एक्रेम पहले से भ्रष्टाचार मामले में जेल में हैं।

गलत तरीके से निर्वासित व्यक्ति को कोर्ट से राहत, मानव तस्करी का मामला खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने किल्मार अब्रेगो गार्सिया के खिलाफ मानव तस्करी से जुड़े आरोपों को खारिज कर दिया है। गार्सिया का मामला तब चर्चा में आया था जब उन्हें गलती से अल सल्वाडोर निर्वासित कर दिया गया था। अदालत ने माना कि उनके खिलाफ की गई कार्रवाई 'प्रतिशोधात्मक' हो सकती है। जज क्रेनशॉ ने कहा कि अगर गार्सिया ने अपने निर्वासन को चुनौती देने वाला मुकदमा नहीं जीता होता तो सरकार उनके खिलाफ यह मामला नहीं लाती। गार्सिया पर आरोप था कि वह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को वाहन से ले जाने के बदले पैसे लेते थे। हालांकि 2022 में ट्रैफिक जांच के दौरान पुलिस ने उन्हें केवल चेतावनी देकर छोड़ दिया था। ट्रंप प्रशासन अब भी उन्हें किसी तीसरे देश भेजने की तैयारी में है।

चीन की कोयला खदान में धमाका

बीजिंग, एजेंसी। चीन के उत्तरी शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए गैस विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 मजदूर अब भी भूमिगत फंसे हुए हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार यह हादसा शुक्रवार शाम चांगझी शहर स्थित लियूशेनयू कोयला खदान में हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक हादसे के समय खदान में करीब 247 मजदूर मौजूद थे, जिनमें से 201 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। विस्फोट के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने लापता मजदूरों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने हादसे की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। शांक्सी प्रांत चीन का प्रमुख कोयला उत्पादन क्षेत्र माना जाता है। पिछले साल यहां करीब 1.3 अरब टन कोयले का उत्पादन हुआ था, जो चीन के कुल उत्पादन का लगभग एक–तिहाई है।

आरोन लुकास बनेंगे अमेरिका के नए कार्यवाहक खुफिया प्रमुख

वॉशिंगटन, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी खुफिया जिम्मेदारी में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इस अहम बदलाव की घोषणा खुद देश के शीर्ष नेता ने की है। बता दें कि ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। उन्होंने देश की खुफिया एजेंसियों के नेतृत्व को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण जानकारी पूरी दुनिया के साथ साझा की है और नए अधिकारी के नाम का भी ऐलान कर दिया है। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस की निदेशक तुलसी गबार्ड अपने पद से इस्तीफा देने जा रही हैं। वह आने वाली 30 जून को अपना पद पूरी तरह छोड़ देंगी। यह फैसला उन्होंने किसी राजनीतिक कारण से नहीं, बल्कि एक दुखद पारिवारिक स्थिति की वजह से लिया है। उनके पति इब्राहिम को हाल ही में हड्डियों के कैंसर (बोन कैंसर) जैसी दुर्लभ और गंभीर बीमारी का पता चला है। ऐसे मुश्किल समय में अपने पति का साथ देने और उनके इलाज में मदद करने के लिए गबार्ड ने यह बड़ा पद छोड़ने का मन बनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपना इस्तीफा साझा करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पति के साथ रहना ही उनके लिए सबसे जरूरी है।

तुलसी गबार्ड ने डोनाल्ड ट्रंप कैबिनेट से इस्तीफा दिया, अचानक लिया फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। तुलसी गबार्ड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। यह जानकारी फॉक्स न्यूज डिजिटल की एक रिपोर्ट में दी गई है, जिसमें उनके इस्तीफे के पत्र का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, गबार्ड ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में हुई बैठक के दौरान ट्रंप को अपने पद छोड़ने के फैसले की जानकारी दी। गबार्ड का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है जो 30 जून से प्रभावी होगा।

तुलसी गबार्ड ने अपने इस्तीफे के पत्र में डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा कि वह उनकी ओर से जताए गए भरोसे और पिछले डेढ़ साल तक राष्ट्रीय खुफिया कार्यालय का नेतृत्व करने के अवसर के लिए आभारी हैं। फॉक्स न्यूज डिजिटल की रिपोर्ट के मुताबिक, गबार्ड ने इस्तीफे की वजह अपने पति को हाल ही में हुई हड्डियों के कैंसर की दुर्लभ बीमारी का पता चलना बताया है।

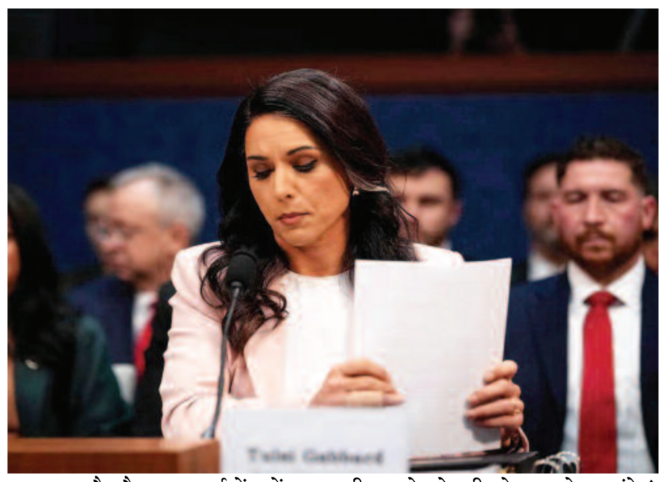

तुलसी गबार्ड ने अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए पोस्ट में लिखा, 'मैंने इस्तीफा दिया है जो 30 जून 2026 से प्रभावी होगा। मेरे पति अब्राहम का हाल ही में हड्डी के कैंसर का बेहद दुर्लभ डायग्नोसिस हुआ है। आने वाले हफ्तों और महीनों में उनके सामने बहुत बड़ी चुनौतियां हैं। इस समय मुझे सार्वजनिक सेवा से अलग होकर उनके साथ रहना है और इस लड़ाई में उन्हें पूरा सहयोग देना है।

तुलसी गबार्ड के इस्तीफे पर क्या बोले ट्रंप : वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुलसी गबार्ड के इस्तीफे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'दुर्भाग्य से, शानदार काम करने के बाद तुलसी गबार्ड 30 जून को प्रशासन छोड़ रही हैं। उनके प्यारे पति अब्राहम को हाल ही में हड्डी के कैंसर का दुर्लभ डायग्नोसिस हुआ है। वे सही मायने में उनके साथ रहना चाहती हैं ताकि उन्हें अच्छा स्वास्थ्य वापस दिला सकें। वे इस कठिन लड़ाई को साथ मिलकर लड़ रहे हैं। मुझे कोई शक नहीं है कि वह जल्द ही पहले से भी बेहतर हो जाएंगे।' उन्होंने कहा कि तुलसी ने अद्भुत काम किया है और हम उन्हें बहुत मिस करेंगे। उनके बेहद सम्मानित प्रिंसिपल डिप्टी डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस, एरॉन लुकास अब एक्टिंग डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस के रूप में कार्य करेंगे।

तुलसी गबार्ड के बारे में जानिए : तुलसी गबार्ड का जन्म 12 अप्रैल 1981 को अमेरिकन समोआ में हुआ था। उन्होंने हवाई से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में चार बार सांसद के रूप में काम किया। बाद में उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी और 2024 के अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया। इसके बाद उन्हें 2025 में अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक बनाया गया। तुलसी गबार्ड का भारत से सीधा पारिवारिक संबंध नहीं है, क्योंकि वे भारतीय मूल की नहीं हैं। हालांकि उनका हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति से गहरा जुड़ाव है। उनकी मां हिंदू धर्म से प्रभावित थीं और उन्होंने अपने सभी बच्चों को संस्कृत नाम दिए। तुलसी नाम हिंदू धर्म में पवित्र पौधे से जुड़ा है।

भगवद गीता और वैष्णव परंपरा से प्रभावित : तुलसी गबार्ड बचपन से ही भगवद गीता और वैष्णव परंपरा से प्रभावित रही हैं। वे अमेरिकी कांग्रेस में चुनी जाने वाली पहली हिंदू-अमेरिकी महिला बनीं और उन्होंने शपथ भी भगवद गीता पर ली थी। भारत के साथ उनके रिश्ते राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर मजबूत रहे हैं। उन्होंने कई बार भारत का दौरा किया और भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने की वकालत की। 2014 में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवद गीता की प्रति भेंट की थी। वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के समर्थन में भी खुलकर सामने आई थीं। मार्च 2025 में उन्होंने भारत का दौरा कर आतंकवाद और सुरक्षा सहयोग पर भारतीय अधिकारियों से चर्चा की थी। हिंदू पहचान और भारत के प्रति सकारात्मक रुख के कारण भारत में भी उनकी काफी चर्चा होती रही है।

सेलिब्रिटी बना 700 किलो का 'डोनाल्ड ट्रंप' भैंसा, सेल्फी की मची होड़!

ढाका, एजेंसी। ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर बांग्लादेश में एक बेहद दुर्लभ 'एल्बिनो' (सफेद) भैंसा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे सुनहरे बालों वाले इस 700 किलो के भैंसे को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। नेटिजंस के बीच भी इस अनोखे भैंसे के वीडियो और तस्वीरें तेजी से शेयर की जा रही हैं, क्योंकि आमतौर पर भारत और उपमहाद्वीप में काले रंग के ही भैंसे पाए जाते हैं। ऐसे में इस दुर्लभ प्रजाति को देखना पशुपालकों और आम जनता के लिए भी कौतूहल का विषय बन गया है। हालांकि कुछ ही दिनों में इस भैंसे की गर्दन कटने वाली है।

'डोनाल्ड ट्रंप' नाम और खास लुक का राज : राजधानी ढाका के पास नारायणगंज जिले के एक फार्म में पले इस भैंसे का लुक काफी अनोखा है। इसका शरीर क्रीम रंग का है और नाक गुलाबी है। सबसे खास बात इसके माथे पर मौजूद सुनहरे बालों का गुच्छा है, जो बिल्कुल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेडमार्क हेयरस्टाइल जैसा दिखता है। इसी समानता के कारण फार्म मालिक के परिवार ने इसका नाम ही 'डोनाल्ड ट्रंप' रख दिया। इसकी एक झलक पाने और इसके साथ सेल्फी लेने के लिए दूर-दूर के जिलों से लोग फार्म पर पहुंच रहे हैं।

शांत स्वभाव और वीआईपी केयर : आमतौर पर भैंसे अपने गुस्सैल स्वभाव के लिए जाने जाते हैं,

लेकिन यह एल्बिनो भैंसा इसके बिल्कुल उलट है। फार्म मालिक के मुताबिक, यह जानवरों की एक बेहद शांत प्रजाति है। 'इसका रूप भले ही चौंकाने वाला हो, लेकिन यह स्वभाव से बहुत शांत है। यह एक एल्बिनो भैंसा है और इस तरह के जानवर तब तक उग्र नहीं होते जब तक उन्हें उकसाया या परेशान न किया जाए।' ईद के त्योहार से पहले इसे पूरी तरह स्वस्थ रखने के लिए इसकी खास देखभाल की गई। इसे दिन में चार बार नहलाया जाता था और चार बार विशेष चारा दिया जाता था। फिलहाल इस भैंसे को कुर्बानी के लिए एक ग्राहक को सौंप दिया गया है। बता दें कि बकरीद यानी ईद-उल-अजहा 28 मई, गुरुवार के दिन मनाई जाएगी। इसी दिन इस भैंसे की कुर्बानी होगी। मुस्लिम बहुल देश बांग्लादेश में पिछले कुछ सालों से ईद-उल-अजहा के दौरान एक नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। विशालकाय जानवरों की मांग: लोग सामान्य से कहीं ज्यादा वजन और ऊंचाई वाले जानवरों को खरीदना पसंद करते हैं। सेलिब्रिटी के नाम: खरीदारों को आकर्षित करने और मार्केटिंग के लिए जानवरों के नाम मशहूर राजनेताओं, खिलाड़ियों या फिल्मी सितारों पर रखे जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका की हत्या की कोशिश नाकाम, आईआरजीसी ने रची थी साजिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा प्रशिक्षित एक आतंकवादी ने उनकी हत्या की कोशिश की थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में पकड़े गए मोहम्मद बाकिर साद दाऊद अल-सादी ने इवांका ट्रंप की हत्या करने की कमस खाई थई। उसके पास उनके फ्लोरिडा स्थित घर का नक्शा भी मिला है। यह साजिश छह साल पहले बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए ईरानी सैन्य प्रमुख कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची गई थी।

इराकी नागरिक अल-सादी को सुलेमानी की मौत का गहरा सदमा था और वह उसे अपने पिता समान मानता था। वाशिंगटन में इराकी दूतावास के पूर्व उप सैन्य अताशे इंतिफाद कनबर ने बताया, 'कासिम की मौत के बाद अल-सादी लोगों से कहता फिरता था कि हमें इवांका को मारना होगा ताकि ट्रंप के घर को वैसे ही जलाया जा सके जैसे उसने हमारे घर को जलाया था।' अल-सादी ने एक्स फ्लोरिडा के उस इलाके का नक्शा भी पोस्ट किया था जहां इवांका और उनके पति जैरेड कुशनर का 24 मिलियन डॉलर का घर है। अरबी में लिखी अपनी पोस्ट में उसने धमकी देते हुए लिखा, ''अमेरिकियों इस तस्वीर को देखो और जान लो कि न तुम्हारे महल और न ही सीक्रेट सर्विस तुम्हें बचा पाएगी। हमारा बदला बस समय की बात है।' अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, अल-सादी को 15 मई 2026 को तुर्की में उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह रूस जाने की फिराक में था। उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया है, जहां उस पर यूरोप और अमेरिका में 18 हमलों और हमलों की कोशिशों के आरोप हैं। जांच में पता चला है कि गिरफ्तारी के समय अल-सादी के पास इराक का सर्विस पासपोर्ट था। यह एक विशेष यात्रा दस्तावेज है जो केवल इराक के प्रधानमंत्री की सहमति से सरकारी कर्मचारियों को जारी किया जाता है। इस पासपोर्ट की मदद से उसे हवाई अड्डों पर वीआईपी लाउंज और सुरक्षा जांच में छूट मिलती थी, जिससे वह आसानी से उन देशों के वीजा हासिल कर लेता था जहां उसने हमलों की योजना बनाई थी।

क्यूबा पर अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने किया बड़ा दावा, बोले- जल्द ही आजाद होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि क्यूबा जल्द ही साम्यवाद के चंगुल से आजाद हो जाएगा। अमेरिकी सांसदों और क्यूबा के अधिकारियों के बीच बढ़ते वार-पलटवार के बीच यह टिप्पणी सामने आई है। सीनेटर ग्राहम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'मेरा मानना है कि क्यूबा के अद्भुत लोगों की साम्यवाद के चंगुल से मुक्ति बहुत करीब है। क्यूबा लिबरे। अमेरिकी प्रतिनिधि कार्लोस ए. जिमेनेज ने भी क्यूबा में राजनीतिक बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, 'क्यूबा जल्द ही स्वतंत्र होगा। यह अनगिनत लोगों के प्रयासों से संभव होगा, जो क्यूबा के अंदर और बाहर दोनों जगह मौजूद हैं। अी बहुत देर नहीं हुई है। क्यूबा का अमेरिका पर आरोप वहीं, क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल ने अमेरिका की आलोचना की है। उन्होंने वॉशिंगटन के अधिकारियों पर क्यूबा के प्रति शत्रुता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ने कहा, 'क्यूबा का अमेरिका के लिए खतरा होना केवल कुछ अमेरिकी अधिकारियों के बीमार दिमाग में ही संभव है, जिन्होंने हमारे द्वीप के प्रति नीति का अपहरण कर लिया है। वे इस राष्ट्र के लोगों और दुनिया को बेशर्मी से झूठ बोलकर एक नए अकारण युद्ध को उचित ठहराते हैं, जिसमें दोनों देशों के लिए मानवीय जीवन का उच्च जोखिम है।'

सामूहिक विरोध प्रदर्शन : क्यूबा के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि 250,000 से अधिक क्यूबा के नागरिक सेना जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए एकत्र हुए थे। 'एक्स' पर एक पोस्ट में कार्यालय ने कहा, 'क्रांति के नेता, क्यूबा क्रांति के जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए आज सुबह ऐतिहासिक एंटी-इंपीरियलिस्ट ट्रिब्यून पर 250,000 से अधिक क्यूबावासी एकत्र हुए। उनके साथ राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल बर्मुडेज भी थे।

लोकतंत्र समर्थक नेता से मुलाकात : वेटिकन में अमेरिकी दूतावास के ब्रायन बर्च ने क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मुलाकात की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जिन्होंने क्यूबा शासन की दमनकारी प्रकृति को प्रत्यक्ष रूप से झेला है। फेरर को बुनियादी स्वतंत्रता की मांग करने के कारण निर्वासन में जाने के लिए मजबूर किया गया था।'

ट्रंप ने की थी मानवीय सहायता की पेशकश : इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका क्यूबा की चल रही आर्थिक और बिजली संकट के बीच मानवीय आधार पर सहायता करना चाहता है। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने इस अटकलों को खारिज कर दिया कि क्षेत्र के पास विमानवाहक पोत यूएसएस निमित्ज की तैनाती का उद्देश्य क्यूबा सरकार को डराना था।

उन्होंने कहा, 'नहीं, बिल्कुल नहीं। क्यूबा एक विफल देश है। हर कोई यह जानता है। उनके पास बिजली नहीं है, उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास वास्तव में कुछ भी नहीं है। उनके पास भोजन नहीं है। और हम उनकी मदद करेंगे। मैं सबसे पहले, मानवीय आधार पर उनकी मदद करना चाहता हूं।

शांति वार्ता बेपटरी: अराघची बोले–अमेरिका की अत्यधिक मांगें बनीं रोड़ा, ईरान पर हमले को तैयार ट्रंप सेना?

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा कूटनीतिक गतिरोध अब एक बेहद संवेदनशील और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। तेहरान ने वाशिंगटन पर शांति प्रयासों को पूरी तरह नाकाम करने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ फोन पर सीधी और विस्तृत बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने दोटूक लहजे में कहा कि अमेरिका की अत्यधिक मांगें ही जारी शांति वार्ताओं और युद्धविराम समझौते के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी हैं।

कूटनीति और समझौतों को तोड़ने का आरोप : विदेशी मीडिया रिपोर्ट अल जजीरा के हवाले से सामने आई इस खबर के मुताबिक, विदेश मंत्री अराघची ने बातचीत के दौरान अमेरिका की नीयत पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने लगातार अपने वादों को तोड़कर, विरोधाभासी रुख अपनाकर और सैन्य आक्रामकता दिखाकर कूटनीतिक प्रयासों को हमेशा कमजोर किया है। अराघची ने कहा कि इन तमाम विपरीत परिस्थितियों और अमेरिकी दबाव की राजनीति के बावजूद तेहरान लगातार युद्धविराम वार्ताओं में सकारात्मक रूप से शामिल है और बातचीत के जरिए समाधान का रास्ता तलाश रहा है। अराघची ने यह भी कहा कि एक तरफ सैन्य हमलों की धमकियां और दूसरी तरफ शांति का ढोंग, अमेरिका की यह विरोधाभासी और दबाव की राजनीति अब नहीं चलेगी। ईरान अपनी संप्रभुता की कीमत पर अमेरिका के आगे कभी घुटने नहीं टेकेगा।

व्हाइट हाउस में हलचल और सैन्य हमलों की आहट : इस बीच सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सनसनीखेज और परेशान करने वाली खबर सामने आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान के खिलाफ नए सिरे से सैन्य हमले करने की गंभीर योजना बना रहा है। अमेरिकी खुफिया सूत्रों के हवाले से 'सीबीएस न्यूज' ने दावा किया है कि शुक्रवार को अमेरिकी प्रशासन ईरान पर हमलों के एक नए दौर की रणनीतिक तैयारियों में जुटा था। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि इन हमलों को लेकर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इस संभावित सैन्य कार्रवाई की खबर मिलते ही अमेरिकी सेना और खुफिया समुदाय के कई बड़े अधिकारियों ने अपने 'मेमोरियल डे वीकेंड' की छुट्टियां और प्लान तक रद्द कर दिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी न्यू जर्सी में अपने गोल्फ रिसॉर्ट पर वीकेंड बिताने और अपने बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की शादी में शामिल होने का कार्यक्रम रद्द कर दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की और कहा कि देशहित और सरकार से जुड़ी महत्वपूर्ण परिस्थितियों के कारण उनका इस समय व्हाइट हाउस में उपस्थित रहना बेहद जरूरी है। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र के सूत्रों के मुताबिक महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस पूरे घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त की है। गुटेरेस ने स्पष्ट शब्दों में किसी भी देश की संप्रभुता के खिलाफ बल प्रयोग या सैन्य कार्रवाई के विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध इमिग्रेशन को हिंसक अपराध से जोड़ा, शरणार्थी शहर नीतियों की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क के उपनगरीय इलाके में एक रैली के दौरान शरण देने वाले शहरों की नीतियों और अवैध आप्रवासन (इमिग्रेशन) की कड़ी आलोचना की। इसके साथ ही उन्होंने रिपब्लिकन नेताओं का समर्थन किया और अपने प्रशासन के आर्थिक एजेंडे पर भी प्रकाश डाला। शुक्रवार को रॉकलैंड कम्युनिटी कॉलेज के यूजीन लेवी फील्डहाउस में बोलते हुए ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर उच्च करों और अपराध के जरिए व्यवसायों और करदाताओं को न्यूयॉर्क से बाहर धकेलने का आरोप लगाया। ट्रंप ने समर्थकों से कहा, 'कंपनियां जा रही हैं, अमीर लोग जा रहे हैं। अगर न्यूयॉर्क अपना टैक्स आधार खोता रहेगा तो वह कभी पहले जैसा नहीं रह पाएगा। राष्ट्रपति ने शरण देने वाले शहरों की नीतियों की बार-बार आलोचना की और अवैध आप्रवासन को हिंसक अपराध से जोड़ा। उन्होंने इस साल की शुरुआत में शिकागो में मारे गए न्यूयॉर्क के 18 वर्षीय कॉलेज छात्रा शेरिडन गोरमन के परिवार को मंच पर आमंत्रित किया। छात्रा की मां जेसिका गोरमन ने कहा, 'मेरी प्यारी बेटी शेरिडन ग्रेस गोरमन की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जब वह शिकागो में अपने दोस्तों के साथ अपने कैंपस से कुछ ही ब्लॉक दूर एक घाट पर टहल रही थी। शेरिडन के पिता टॉम गोरमन ने इस हत्या के लिए आव्रजन संबंधी विफलताओं और शरण कानूनों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'अवैध आव्रजन अलग है। आपराधिक

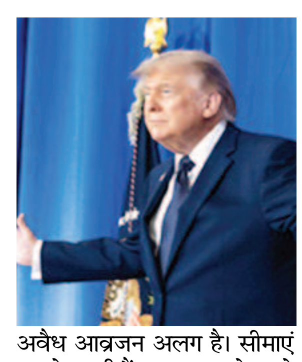

अवैध आव्रजन अलग है। सीमाएं मायने रखती हैं, कानून मायने रखते हैं और प्रवर्तन मायने रखता है। ट्रंप ने संदिग्ध को 'एक अवैध अप्रवासी राक्षस' बताया और कहा कि उसे इस देश में कभी नहीं होना चाहिए था। ट्रंप ने कहा, 'न्यूयॉर्क राज्य ने ऐसा बजट पारित किया है, जिसमें संघीय आव्रजन प्रवर्तन में बाधा डालने और इसे एक घातक शरण राज्य बनाए रखने के प्रावधान शामिल हैं।' राष्ट्रपति ने 'सेव अमेरिका एक्ट' के लिए अपने अभियान को दोहराया और मतदाता पहचान पत्र, नागरिकता प्रमाण तथा डाक के जरिए मतदान पर सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग की। ट्रंप ने कहा, 'जरा सोचिए, मतदाता पहचान पत्र, नागरिकता प्रमाण और डाक द्वारा मतपत्र भेजना लगभग खत्म हो गया है, सिवाय उन परिस्थितियों के जब इसकी वास्तव में जरूरत हो। रैली में आव्रजन, टैक्स और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा होती रही। ट्रंप ने लॉमेकर माइक लॉलर की राज्य और स्थानीय कर छूट (एसएएलटी) को बहाल करने में मदद करने के लिए प्रशंसा की।

यूएन सुरक्षा परिषद का विस्तार किया जाना परम आवश्यक है – महासचिव

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने कहा है कि दंडहीनता की गारंटी के लिए सुरक्षा परिषद में अपने वीटो अधिकार का इस्तेमाल करने वाली 'महाशक्तियों' को रोकने के लिए यह ज़रूरी है कि परिषद का विस्तार हो ताकि उसे वर्तमान दौर की वास्तविकताओं के अनुरूप आकार दिया जाए सके. यूएन प्रमुख एंतोनियो गुटेरेश, जापान और यूएन के बीच पारस्परिक सहयोग के 70 वर्ष पूरे होने के सिलसिले में जापान की अपनी आधिकारिक यात्रा के अन्तिम पड़ाव में हैं, जहाँ उन्होंने एक पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए यह बात कही.

महासचिव गुटेरेश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधारों की लम्बित मांग को फिर से दोहराया. उनके अनुसार, वैश्विक स्तर पर समस्याओं के हल ढूंढने का मौजूदा तंत्र, विशेष रूप से सुरक्षा परिषद व अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ, उतने कारगर नहीं हैं, जितना कि इस चुनौतीपूर्ण क्षण में उन्हें होना चाहिए.यूएन प्रमुख ने ज़ोर देकर कहा कि जिस सुधार की इस समय सबसे अधिक आवश्यकता है, वह यूएन सुरक्षा परिषद का सुधार है.वैधता की समस्या15 सदस्य देशों वाली यूएन सुरक्षा परिषद में 5 स्थाई सदस्य हैं: चीन, फ़्राँस, ब्रिटेन, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, जिनके पास वीटो अधिकार भी हैं. वहीं, 10 अस्थाई सदस्य देशों को दो वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित किया जाता है.

महासचिव गुटेरेश ने सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाने की पैरवी करते हुए कहा कि परिषद में केवल एक एशियाई देश को शामिल किया गया है, जबकि उस महाद्वीप पर दुनिया की लगभग 50 फ़ीसदी आबादी बसी है. इसके अलावा, किसी भी अफ़्रीकी या लातिन अमेरिकी देश को सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है. 'यह वैधता और कारगर न हो पाने की

एक गम्भीर समस्या है, और यह परम-आवश्यक है कि स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए, और अस्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाना भी, ताकि सुरक्षा परिषद को वर्तमान विश्व की वास्तविकताओं के अनुरूप तैयार किया जा सके. 'उन्होंने एक ऐसी बहुपक्षवादी प्रणाली पर बल दिया, जोकि पहले से कहीं अधिक न्यायसंगत हो, अन्तरराष्ट्रीय क़ानून की बेहतर ढंग से रक्षा करने में सक्षम हो, और देशों की जवाबदेही तय कर सके.यूएन प्रमुख ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र, शान्ति, सतत विकास व मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए एक अति-आवश्यक, अपने आप में अनूठा बैठक स्थल है, लेकिन यह उतना ही मज़बूत हो सकता है, जितना सदस्य देश इसके लिए प्रतिबद्ध हों.बुरे उदाहरणों से बचना होगायूएन महासचिव से सवाल किया गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र जैसी अन्तरराष्ट्रीय संस्थाएँ, हिंसक टकराव की रोकथाम कर सकती हैं या नहीं.उन्होंने जवाब में कहा कि यह बहुपक्षवाद नहीं है, जोकि संकट में है. उन्होंने 'अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन करने वाली महाशक्तियों के बर्ताव का उल्लेख किया, जो कभी-कभी अपने आप हिंसक टकराव खड़ा करती हैं और दंडहीनता की गारंटी के लिए सुरक्षा परिषद में वीटो अधिकार का इस्तेमाल करती हैं. 'यूएन प्रमुख ने कहा कि इस वजह से संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के लिए दुनिया भर में हिंसक टकरावों की संख्या में आई नाटकीय वृद्धि को रोक पाना कठिन हो जाता है. 'चूँकि जब बुरे उदाहरण, महाशक्तियों से मिलते हैं तो विश्व भर में मध्यम-आकार की शक्तियाँ सोचती हैं कि वे जो कुछ चाहती हैं उसे किया जा सकता है, बिना किसी दंड के. 'उन्होंने कहा कि अब ऐसे अनेक देश हैं, जिनका हिंसक टकराव से ग्रस्त देशों में स्थाई रूप से बाहरी हस्तक्षेप है, और इस स्थिति लड़ाई को रोकना और मध्यस्थता कर पाना अत्यधिक कठिन हो जाता है. और इसलिए, सुरक्षा परिषद में सुधार किया जाना अहम है.आवाजाही की स्वतंत्रतायूएन प्रमुख के अनुसार, बढ़ती मुद्रास्फीति व जीवन-व्यापन की ऊँची क़ीमतों का संकट, मध्य पूर्व क्षेत्र में व्याप्त तनाव व अशान्ति की वजह से और बिगड़ता जा रहा है. ईंधन, उर्वरक, कच्चे माल समेत अन्य सामान की क़ीमतों में भारी उछाल आया है और बड़ी संख्या में देशों के लिए चुनौतियाँ बढ़ रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)